रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--25 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—25

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-26042025-262697
CG-DL-W-26042025-262697

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26—मई 2, 2025 (वैशाख 5, 1947)
No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26—MAY 2, 2025 (VAISAKHA 5, 1947)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	149
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	371
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	7
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	2237
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1295
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	1
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	1857
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	149
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	371
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	7
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2237
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1295
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1857
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 2025

सं.19-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	लालजी सिन्हा	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	भुनेश्वर साहू	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.06.2021 को, मुखबिरों एवं विभिन्न अन्य स्रोतों से लगातार सूचना मिल रही थी कि बड़ी संख्या में माओवादी, जिला सुकमा, ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों एवं बस्तर जिले के दरभा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गांव चांदामेटा के पटेलपारा, गड़मेपारा, आंदालपारा, पयारभाट तथा तुलसी पहाड़ी एवं दलदली क्षेत्रों में दरभा डिवीजन की कांगेर वैली एरिया कमेटी एवं कटेकल्याण एरिया कमेटी के वरिष्ठ माओवादियों की उपस्थिति में बड़ी बैठक कर पुलिस को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से हमला करने की योजना बना रहे थे।

उपरोक्त सूचना की पुष्टि के पश्चात, जिला बल, डीआरजी, सीएएफ और सीआरपीएफ के संयुक्त बल को वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में अलग-अलग क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान हेतु रवाना किया गया, जिसमें तत्कालीन पुलिस स्टेशन प्रभारी लालजी सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन दरभा के 02 सिपाहियों, डीआरजी 01 के कमांडर उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू और डीआरजी 02 के कमांडर उप-निरीक्षक मनोज तिर्की तथा अन्य कार्मिकों की एक टीम को समुचित जानकारी देकर तथा योजना बनाकर पर्याप्त हथियारों तथा गोलाबारूद, संचार उपकरण एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ नक्सल विरोधी अभियान हेतु दिनांक 17.06.2021 की रात्रि में पटेलपारा, पटनमपारा, पयारभाट की ओर रवाना किया गया। योजना के अनुसार, यह टीम दिनांक 18.06.2021 की सुबह निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में उस क्षेत्र की गहन तलाशी लेते हुए पयारभाट की ओर बढ़ रही थी तथा नक्सलियों के मिलने की संभावित जगह से 1 किलोमीटर पहले इस टीम को नक्सलियों को सुनिश्चित तरीके से घेरने के उद्देश्य से दो भागों में बांटा गया। डीआरजी 01 के कमांडर उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू के साथ 36 जवानों की टीम योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी हेतु आगे बढ़ रही थी। सुबह लगभग 08:30 बजे, निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व वाली टीम के पटनमपारा से पयारभाट के बीच चांदामेटा के घने वन में पहुंचते ही पटनमपारा से पयारभाट के बीच जंगल की पहाड़ियों में माओवादियों का कैम्प दिखाई दिया। निरीक्षक लालजी सिन्हा और उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू के नेतृत्व में पूरी टीम ने आपसी समन्वय के साथ नक्सली कैम्प की घेराबंदी कर दी। प्रतिबंधित माओवादी संगठन के हथियारबंद नक्सलियों ने पुलिस कार्मिकों की हत्या करने और उनके हथियार लूटने की मंशा से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जिस पर तत्कालीन थाना प्रभारी दरभा निरीक्षक लालजी सिन्हा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने साथी उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू और टीम के अन्य सदस्यों को चौकसी बरतने तथा जवाबी कार्रवाई करने के लिए वायरलेस सेट के माध्यम से निदेश दिया। पुलिस दल के सदस्यों ने नक्सलियों को चेतावनी दी और गोलीबारी बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने को कहा, परंतु नक्सलियों ने चेतावनी को अनसुना कर दिया और पुलिस टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। इस कारण से, जान-माल की सुरक्षा हेतु अन्य कोई विकल्प न होने पर पुलिस दल ने आत्मरक्षा हेतु जवाबी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों पर गोलीबारी की। निरीक्षक लालजी सिन्हा, तत्कालीन थाना प्रभारी दरभा एवं उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू ने अपनी टीम के जवानों के साथ सामने से हो रही गोलीबारी के बीच उत्कृष्ट नेतृत्व कौशल का परिचय देते हुए असाधारण साहस एवं वीरता के साथ अपनी जान जोखिम में डालते हुए अपनी टीम के सदस्यों का लगातार उत्साहवर्धन किया तथा नक्सलियों की गोलीबारी

का जवाब गोलीबारी से दिया। पुलिस दल की ओर से बढ़ते दबाव एवं घेराबंदी को देखकर नक्सली एक दूसरे का नाम लेते हुए घने जंगल की आड़ में भाग खड़े हुए।

पुलिस और नक्सलियों के बीच लगभग एक घंटे तक गोलीबारी होती रही और पुलिस की सख्त कार्रवाई से नक्सली खुद को कमजोर पाकर जंगल और पहाड़ियों की ओर भागने लगे। पुलिस दल ने काफी दूर तक उनका पीछा किया, जिसके बाद नक्सली नाले में कूदकर वन और पहाड़ियों की आड़ लेकर भागने में सफल हो गए। गोलीबारी बंद होने के बाद, पुलिस दल ने चांदामेटा के पयारभाट स्थित घटनास्थल की तलाशी ली, जहां मौके पर एक वर्दीधारी महिला नक्सली मंगली, उम्र लगभग 30 वर्ष का शव बरामद हुआ। उसके पास से 25 जिंदा कारतूस के साथ मैगजीन सहित एक एके-47 राइफल, एक काले रंग का पाउच और एक पिट्ठू बरामद किया गया। शव से लगभग 10 मीटर की दूरी पर एक 12 बोर की बंदूक, एक 12 बोर का देशी निर्मित कट्टा छोटी बैरल और 12 बोर के 05 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक 315 बोर का देशी निर्मित कट्टा, पाउच सहित 06 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। 30 मीटर की दूरी पर एक 315 बोर की देशी निर्मित पिस्तौल, 06 जिंदा कारतूस, पाउच और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री लालजी सिन्हा, निरीक्षक और भुनेश्वर साहू, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.06.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/18/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 20--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संजय पोटाम	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	बुधराम कोरसा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	कमलेश मरकाम	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15 जुलाई, 2021 को, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को फरसपाल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ढोलकल पेड्डापाल के वन क्षेत्र में 08-10 खूंखार माओवादियों और भैरमगढ़ एरिया कमेटी के सदस्यों नामत: मोहन, लच्छू, शंकर, अनिल सहित प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की मौजूदगी के बारे में सटीक मानवीय आसूचना मिली। ढोलकल पेड्डापाल अत्यधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों में से एक है और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों का मुख्य क्षेत्र है। एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना तैयार की गई और निरीक्षक संजय पोटाम, उप निरीक्षक ताती मुकेश और उप निरीक्षक साकेत बंजारे की कमान में 60 कार्मिकों की कुल नफरी के साथ डीआरजी दल 14:00 बजे आगे की ओर बढ़ा।

जैसे ही पुलिस दल ढोलकल पहाड़ी के वन क्षेत्र में पहुंचा, घात लगाए हुए नक्सलियों ने अचानक पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक संजय पोटाम और उप निरीक्षक ताती मुकेश की कमान में डीआरजी के सैनिकों ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की। कुछ समय बाद गोलीबारी बंद हुई और गोलीबारी वाले क्षेत्र में विस्तृत तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान, तीन पुरुष माओवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान, 1. मिलिशिया कंपनी प्लाटून कमांडर इन चीफ/भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य बिरजू काकेम पुत्र बरे उर्फ बुदरू, निवासी तमोड़ी पुलिस स्टेशन मिरतुर, जिला बीजापुर, 2. मिलिशिया सेक्शन बी कमांडर जग्गू काकेम पुत्र सुक्कू उर्फ कुकल, उम्र 26 वर्ष, निवासी तमोड़ी पुलिस स्टेशन मिरतुर, जिला बीजापुर और 3. बेचापाल आरपीसी डॉक्टर टीम कमांडर सुदरू तेलम पुत्र छन्नू उर्फ सन्नू तेलम, उम्र 25 वर्ष, निवासी तामोड़ी पुलिस स्टेशन मिरतुर, जिला बीजापुर के रूप में हुई और मुठभेड़ स्थल से एक रिवाल्वर, एक 7.65 एमएम पिस्तौल, 3 जिंदा कारतूस तथा एक देशी निर्मित पिस्तौल भी बरामद की गई।

सुरक्षा बलों की सफलता में निरीक्षक संजय पोटाम, हेड कांस्टेबल बुधराम कोरसा और सिपाही कमलेश मरकाम की अहम भूमिका रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने उन्हें पीछे धकेल दिया और पुलिस को इस क्षेत्र में मजबूती से अपने पैर जमाने में मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री संजय पोटाम, निरीक्षक, बुधराम कोरसा, हेड कांस्टेबल और कमलेश मरकाम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.07.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/152/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 21--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्रीमती अंजु कुमारी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	श्री दिनेश भास्कर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को सटीक मानवीय आसूचना मिली कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 50-60 खूंखार माओवादी और दरभा डिवीजन सचिव देवा, डीवीसी सदस्य जयलाल, सोमडू, रंसाई मलंगेर एरिया कमेटी के सदस्य कमलेश, राजू, हिड़मे, भीमा, मुकेश, नंदकुमार, सनी, पोज्जे, राकेश, मुये, भीमे, केशा के साथ प्लाटून संख्या 24 और प्लाटून संख्या 26 के 50 लोग सुकमा जिले के पुलिस स्टेशन अरनपुर के अंतर्गत गांव पोटाली मिछीपारा और गांव गोंडेरास के वन क्षेत्र में मौजूद हैं। पोटाली मिछीपारा वन और गांव गोंडेरास अत्यधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांव हैं और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों के मुख्य क्षेत्र हैं।

तदनुसार, एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और पुलिस उपाधीक्षक अंजु कुमारी, निरीक्षक संजय पोटाम और उप निरीक्षक हजारी लाल मौर्य की कमान में 187 कार्मिकों की कुल नफरी के साथ डीआरजी दल दोपहर 01:10 बजे आगे की तरफ चल पड़ा। जैसे ही पुलिस दल मिछीपारा और गोंडेरास के वन क्षेत्र में पहुंचा, घात लगाए हुए नक्सलियों ने अचानक पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस उपाधीक्षक अंजु कुमारी, निरीक्षक संजय पोटाम और उप निरीक्षक हजारी लाल मौर्य की कमान में डीआरजी के सैनिकों ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की। कुछ समय बाद, गोलीबारी बंद हो गई और गोलीबारी वाले क्षेत्र में एक गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

तलाशी अभियान के दौरान, दो महिला माओवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान (1) प्रेस टीम की सदस्या पोज्जे कोर्राम, निवासी नीलावाया मिलकनपारा, पुलिस स्टेशन अरनपुर जिला दंतेवाड़ा (2) मलंगेर एरिया कमेटी सदस्या हिड़मे मंडावी, निवासी दाउद परिया, पुलिस स्टेशन गादीरास, जिला सुकमा के रूप में की गई तथा घटनास्थल से 315 बोर की 01 देशी पिस्तौल, 7.62 एमएम की 01 पिस्तौल, 02 जिंदा कारतूस के साथ मैगजीन, 02 टिफिन बम और 10 मीटर तार बरामद किया गया।

सुरक्षा बलों की सफलता में पुलिस उपाधीक्षक अंजु कुमारी और सिपाही दिनेश भास्कर की भूमिका महत्वपूर्ण रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने उन्हें पीछे धकेल दिया और पुलिस बलों को इस क्षेत्र में अपने पांव जमाने में मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस की श्रीमती अंजु कुमारी, पुलिस उपाधीक्षक और श्री दिनेश भास्कर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/153/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 22-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	चैतराम गुरुपंच	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	हेमला नंदू	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	प्यारस मिंज	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	मनोज पुनेम	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 मार्च, 2022 को पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 40-50 खूंखार माओवादियों और कांगेर एरिया कमेटी की प्लाटून सं. 31 के कमांडर लिंगे तथा प्लाटून सं. 26 के कमांडर जयलाल एवं पेद्दारस एलओएस कमांडर मंजुला, प्रदीप, देवे सोनी, बामन, सुनील, महेश की मौजूदगी के बारे में सटीक मानवीय आसूचना मिली। वे दंतेवाड़ा सुकमा रोड पार करके एक महत्वपूर्ण स्थान की ओर बढ़ते हुए मलांगिर क्षेत्र में पहुंचे। यह क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों में से एक है और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों का मुख्य क्षेत्र है। तदनुसार, एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और निरीक्षक संजय पोटाम, उप-निरीक्षक चैतराम गुरुपंच, साकेत बंजारे, रामावतार पटेल के नेतृत्व में 284 कार्मिकों की कुल नफरी के साथ डीआरजी दल 20:30 बजे आगे की तरफ चल पड़ा। पुलिस स्टेशन कटेकल्याण के जियाकोरता गांव के वन में पुलिस दल को दो भागों में बांटा गया। दिनांक 15.03.2022 को प्रातः 06:00 बजे, एक दूसरे से सम्पर्क बनाए रखते हुए पोजीशन की तलाश करते हुए वे गांव ऐतेपाल- जियाकोरता के वन में पहाड़ी की ओर बढ़ रहे थे। दल संख्या 01, निरीक्षक संजय पोटाम के साथी डीआरजी 02, 04, 05 के कमांडर उप-निरीक्षक साकेत बंजारे, सुनील कुल 127 की नफरी के साथ उत्तर की ओर बढ़े तथा दल संख्या 02, निरीक्षक संतोष हेमला, डीआरजी सं. 01, 03, 06 के कमांडर चैतराम गुरुपंच, उप-निरीक्षक राम अवतार पटेल कुल 157 की नफरी के साथ दक्षिण की ओर बढ़े। सुबह लगभग 10:30 बजे गांव गोरली एवं मुठेली के बीच के घनी आबादी वाले क्षेत्र में माओवादियों के साथ गोलीबारी हुई। निरीक्षक संतोष हेमला और उप-निरीक्षक चैतराम गुरुपंच की कमान में डीआरजी के सैनिकों ने जोरदार जवाबी गोलीबारी की। कुछ देर बाद गोलीबारी बंद हो गई और घटनास्थल पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

तलाशी अभियान के दौरान दो महिला माओवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में (1) कटेकल्याण एरिया कमेटी सदस्य/पेडारस एलओएस कमांडर मंजुला पुनेम, पुत्री कोवा, निवासी गांव सावनार, पुलिस स्टेशन गंगालूर, जिला बीजापुर और (2) डीवीसी सुरक्षा दलम, गंगी मुचाकी, पुत्री देवा, निवासी गांव मेसडब्बा पुलिस स्टेशन कुकानार, जिला सुकमा के रूप में हुई। गोलीबारी के स्थल से 12 बोर की 02 बंदूक, 12 बोर की बंदूक के 08 जिंदा कारतूस, 1 भरमार, बिजली के तार के साथ 2 टिफिन बम और 4 पटाखे बरामद किए गए।

सुरक्षा बलों की सफलता में उप-निरीक्षक चैतराम गुरुपंच, हेड कांस्टेबल हेमला नंदू, हेड कांस्टेबल प्यारस मिंज और सिपाही मनोज पुनेम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने उन्हें पीछे धकेल दिया तथा पुलिस को इस क्षेत्र में मजबूती से अपने पैर जमाने में मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री चैतराम गुरुपंच, उप-निरीक्षक, हेमला नंदू, हेड कांस्टेबल, प्यारस मिंज, हेड कांस्टेबल और मनोज पुनेम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.03.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/159/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 23-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजहर रशीद	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	माजिद अफजल वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.11.2021 को कुलगाम पुलिस को चांसर गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना मिली। तदनुसार, कुलगाम पुलिस ने, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में 9 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, ताकि आतंकवादियों को लक्षित क्षेत्र से भागने का कोई मौका न मिले। इस क्षेत्र की घेराबंदी युद्ध स्तर पर की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने आम नागरिकों के बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिए, उन्हें घेराबंदी किए गए क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने को विशेष प्राथमिकता दी, क्योंकि लक्षित क्षेत्र अत्यधिक आबादी वाला था। इस बीच, त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूआरटी) मौके पर पहुंची और उन्होंने खुद ऑपरेशन की निगरानी की तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन चलाने के लिए एक ऑपरेशनल योजना तैयार की। ऑपरेशनल योजना के अनुसार, फंसे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के साथ-साथ सबसे पहले आम नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र से निकालने हेतु दो टीमें गठित की गईं। एक टीम में श्री अजहर रशीद, पुलिस उपाधीक्षक, हेड कांस्टेबल माजिद अफजल वानी के साथ जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के पर्याप्त जवान शामिल थे और दूसरी टीम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के साथ जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के पर्याप्त जवान शामिल थे। दोनों ऑपरेशनल टीमें छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने के लिए लक्षित घर के करीब पहुंचीं, लेकिन इस बीच, आतंकवादियों ने ऑपरेशनल टीमों की ओर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अपने अवैध स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी की तथा घनी आबादी का फायदा उठाकर मौके से भागने की कोशिश की।

तथापि, दोनों ऑपरेशनल टीमों ने आतंकवादियों के पदचिह्नों का पीछा किया और उनके साथ नजदीकी लड़ाई लड़ी। बहादुर ऑपरेशनल टीमों ने अपनी जान की परवाह किए बिना चतुराई से जवाबी कार्रवाई की, आतंकवादियों की ओर से हो रही गोलियों की बौछार का सामना किया और वे दल पर चलाई गई गोलियों और ग्रेनेड से चमत्कारिक तरीके से बच निकले। अंदर फंसे हुए आतंकवादियों ने घटनास्थल से भाग निकलने के लिए हर संभव चालाकी की, लेकिन ऑपरेशनल योजना सफल रही एवं दो कट्टर वर्गीकृत आतंकवादियों को बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मौके पर ही मार गिराया गया। बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान, श्री अजहर रशीद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम और हेड कांस्टेबल माजिद अफजल वानी ने जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की क्यूआरटी के साथ मिलकर देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के हित में अपने जीवन और अंगों को जोखिम में डालकर आतंकवादियों को मार गिराने के लिए एकता, घनिष्ठ समन्वय, उत्साह, टीम वर्क की भावना के साथ-साथ जुनून का भी प्रदर्शन किया। पुलिस दल द्वारा अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना प्रदर्शित की गई एकजुटता ने 02 खूंखार आतंकवादियों को खत्म करने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, टीमों ने सूझबूझ का परिचय दिया और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराने में रणनीतिक कौशल का कारगर इस्तेमाल किया। आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने और हमारे देश के शांतिप्रिय लोगों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के चूक रहित ऑपरेशन इस समय जरूरी हैं। हिजबुल मुजाहिद्दीन (एचएम) संगठन के मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, शेराज अहमद लोन उर्फ शेराज मोलवी/हैरिस (जिला कमांडर), पुत्र अब्दुल रशीद लोन, निवासी चांसर कुलगाम और यावर अहमद भट्ट, पुत्र अब्दुल समद भट्ट, निवासी पानीपोरा कुलगाम के रूप में हुई।

टीमों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के परिणामस्वरूप, एक बड़ा आतंकी खतरा समाप्त हो गया। खूंखार आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए, पुलिस स्टेशन कुलगाम में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 237/2021 दर्ज की गई है। इन आतंकवादियों की मौत इन संबंधित प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक यूनिट के लिए एक बड़ा झटका थी। वे पुलिस अधिकारियों की हत्या, बैंक लूट और पुलिस गार्डों एवं प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल थे। इस प्रकार, उनका उद्देश्य शांति को बिगाड़ना और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोगों के बीच अराजकता की भावना पैदा करना और इस तरह से लोकतंत्र के मूल भावना को चोटिल और आहत करना था।

श्री अजहर रशीद, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी कुलगाम और हेड कांस्टेबल माजिद अफजल वानी द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस ने एक विशिष्ट भूमिका निभाई तथा उन्होंने सामान्य कर्तव्यों से आगे बढ़कर कार्रवाई की और अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से मुकाबला किया, जो कि उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने अपनी सूझबूझ तथा बेहतर पुलिस व्यवस्था की मदद से घेराबंदी क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें हताहत होने से बचाया। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अजहर रशीद, पुलिस उपाधीक्षक और माजिद अफजल वानी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.11.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/15/2023 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 24--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक(जीएम) का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सफ़ीर लोन	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	शहनवाज़ अहमद दीदाद	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.05.2022 को कुपवाड़ा पुलिस द्वारा गांव जुमगुंड, पुलिस स्टेशन त्रेहगाम के क्षेत्र से सटी वन भूमि में छिपे हुए आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जुटाई गई एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, श्री उदयभास्कर बिल्ला-आईपीएस, उप-महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला और श्री युगल मन्हास-जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा की निगरानी में सेना के 04 सिख और कुपवाड़ा पुलिस के जवानों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। प्राप्त सूचना का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करके तथा तैयार की गई रणनीति के अनुसार एक कार्रवाई योग्य योजना बनाने के बाद, पुलिस के तलाशी दल ने अन्य बलों की सहायता से क्षेत्र की घेराबंदी की और संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों के घेराबंदी तोड़कर भागने को नाकाम करने के लिए भागने के सभी संभावित रास्तों को रणनीतिक तरीके से और गुप्त रूप से बंद कर दिया गया। चूंकि यह क्षेत्र घने वनों और ऊपरी रीच के कारण अत्यधिक संवेदनशील है, कुपवाड़ा पुलिस और सेना के संयुक्त बलों ने बड़े कारगर ढंग से तलाशी अभियान शुरू किया।

आसूचना के अनुसार हाल ही में जिला कुपवाड़ा में घुसपैठ करने वाले आतंकवादी जंगल में छिपे हुए थे और पहाड़ी एवं दुर्गम इलाके के कारण पुलिस दल के लिए उन्हें ढूंढ पाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। अन्य क्षेत्रों में भी तलाशी अभियान शुरू किया गया और उप-महानिरीक्षक उदयभास्कर बिल्ला के नेतृत्व और नियंत्रण में पुलिस दल और सेना अपनी व्यक्तिगत क्षति की परवाह किए बिना आगे बढ़ी तथा आतंकवादियों की गतिविधि को देखा। सैनिकों द्वारा देख लिए जाने पर, छिपे हुए आतंकवादी ने उन्हें हताहत करने और घेरा तोड़कर भागने के उद्देश्य से तलाशी दल पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे आतंकवादियों और सेना/पुलिस के बीच भारी गोलीबारी हुई। विभिन्न ऑपरेशनल दलों के साथ महत्वपूर्ण तालमेल का प्रदर्शन करके, उप-महानिरीक्षक उदयभास्कर बिल्ला-आईपीएस के संयुक्त हमला दल ने सहायक पुलिस अधीक्षक प्रदीप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक राशिद युनिस, हेड कांस्टेबल गुलजार अहमद, सिपाही सफ़ीर लोन, सिपाही शाहनवाज़ अहमद दीदाद की सहायता से खुद को सामरिक रूप से व्यवहार्य स्थिति में तैनात किया और तीनों आतंकवादियों को खत्म करने के लिए आमने-सामने की करीबी बंदूक की लड़ाई शुरू की।

मुठभेड़ के दौरान, सेना का 01 पोर्टर अब्दुल लतीफ कुरैशी, पुत्र अब्दुल मजीद कुरैशी, निवासी जुमगुंड तहसील त्रेहगाम, जिला कुपवाड़ा भी घायल हो गया और बाद में उनकी मौत हो गई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, उस्मान उर्फ परवेज (एफटी), लश्कर-ए-तैयबा के रूप में हुई, जो वर्ष 2015 से जिला कुपवाड़ा में सक्रिय था और वर्ष 2018 में घुसपैठ से वापस पीओके में चला गया था तथा मुस्तफा (एफटी) एलईजे और स्थानीय आतंकवादी वसीम अहमद वानी (एलटी) पुत्र मुश्ताक अहमद वानी निवासी मीरपोरा बीरवाह बडगाम के रूप में हुई। इन तीन आतंकवादियों के खात्मे से जिला कुपवाड़ा में आतंकवादी संगठनों की कमर टूट गई। सिपाही सफ़ीर लोन और सिपाही शाहनवाज़ अहमद दीदाद आतंकवादियों से लड़ते हुए बाल-बाल बचे, लेकिन उन्होंने अत्यंत साहस का प्रदर्शन करते हुए तीनों आतंकवादियों को मार गिराया और इस प्रकार इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों का भारी नुकसान होने से बचाया। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए, पुलिस स्टेशन त्रेहगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 33/2022 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सफ़ीर लोन, सिपाही और शहनवाज़ अहमद दीदाद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/17/2023 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 25-प्रेज/2025- भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक(जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुरेश कुमार भट्	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	आकिब कयूम यतू	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	मंजूर अहमद बजार्ड	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव न्यू कॉलोनी तुजान, पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट आसूचना प्राप्त होने पर, पुलवामा पुलिस ने 53 आरआर और 183वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ मिलकर दिनांक 20/21.06.2022 की मध्य रात्रि के दौरान एक घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया। सभी भीतरी सड़कों, गलियों और रास्तों को अच्छी तरह से बंद करने के बाद, दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया, जिसमें एक का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीएच जीलानी वानी कर रहे थे और उसमें हेड कांस्टेबल सुधीर पंडिता, एस.जी.सीटी शीराज अहमद पाल, सिपाही रऊफ अहमद पर्रे, एसपीओ किसर बशीर, एसपीओ जफर इकबाल 144/एसपीओ (पी) और 53 आरआर/सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के घटक शामिल थे तथा दूसरी टीम का नेतृत्व सहायक उप-निरीक्षक सुरेश कुमार भट् कर रहे थे, जिसमें एस.जी.सीटी अकीब कयूम यटू, एस.जी.सीटी मंजूर अहमद बजार्ड, एसपीओ मोहम्मद असलम मीर, और एसपीओ पीर आकिब हसन तथा 53 आरआर एवं सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की क्यूआरटी के घटक शामिल थे तथा इन टीमों को संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी लेने का कार्य सौंपा गया।

जैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में तलाशी दल लक्षित स्थान के पास पहुंचा, वहां छिपे आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और मौके से भाग निकलने के उद्देश्य से उक्त दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, तलाशी दल ने तुरंत कवर लिया और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके कारण घिरे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने के लिए कोई रास्ता नहीं मिला। सहायक उप-निरीक्षक सुरेश कुमार भट् के नेतृत्व में दूसरा तलाशी दल प्रारंभिक तलाशी में सहायता के लिए तुरंत मौके पर पहुंचा। मानवीय जीवन के नुकसान से बचने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निर्देश पर, एक पुलिस टीम ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। लक्षित क्षेत्र से बाहर आने के बाद, प्रारंभिक दल को प्रथम घेरे में तैनात रहने और प्रथम घेरे में तैनात अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को लक्षित क्षेत्र के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी और उनकी गतिविधि

के संबंध में दिशा-निर्देश देने की सलाह दी गई। इसके बाद, ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा) ने घेराबंदी में फंसे हुए आतंकवादियों से बार-बार आत्मसमर्पण करने की अपील की, लेकिन आतंकवादियों ने प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें संयुक्त दलों के सैनिक बाल-बाल बचे। तथापि, टीमों ने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपनी जान की परवाह किए बिना समर्पण तथा साहस के साथ आतंकवादियों की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया तथा अल-बद्र संगठन के सी-श्रेणी के दो आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान आबिद अहमद शेख, पुत्र बशीर अहमद शेख, निवासी बारपोरा पुलवामा और माजिद नजीर वानी, पुत्र नजीर अहमद वानी, निवासी बनपोरा लाडू पीडी अवंतीपोरा के रूप में हुई है। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए राजपोरा पुलिस स्टेशन में, आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25, 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 48/2022 दर्ज है।

उपर्युक्त कट्टर आतंकवादियों का निराकरण, आतंकवादी संवर्गों विशेष रूप से अल-बद्र संगठन के लिए एक बड़ा झटका है और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सुरेश कुमार भट्, सहायक उप-निरीक्षक, आकिब कयूम यतू, एस.जी.सीटी और मंजूर अहमद बजार्ड, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 21.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/127/2023 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 26--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक(जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं: —

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विजय कुमार, भापुसे	पुलिस महानिरीक्षक	वीरता पदक
2.	राकेश बलवाल, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
3.	इफ्तखार तालिब	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	फरोज़ अहमद डार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
5.	सुदीश सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	पवन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	इरशाद अहमद लोहार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.06.2022 को, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर के एक मुखबिर से श्रीनगर के बर्निना इलाके में अवैध हथियारों/गोला-बारूद से लैस आतंकवादियों की गतिविधि/मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। यह भी पता चला कि आतंकवादियों की श्री अमरनाथ जी यात्रा के मद्देनजर पुलिस/सुरक्षा बल के काफिले/ उनकी तैनाती के स्थान पर हमला करके तंगपोरा-परिमपोरा मार्ग से एनएचडब्ल्यू पर फिदायीन हमले जैसी घटना को अंजाम देने की योजना है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए और आतंकवादियों के सटीक स्थान/सही पहचान का पता लगाने के लिए, तुरंत जिला पुलिस/एसओजी श्रीनगर की पुलिस टीमों का गठन किया गया और उन्हें उस क्षेत्र में तैनात किया गया, ताकि इस मामले में बिना किसी अतिरिक्त क्षति के कार्रवाई की जा सके।

तत्काल ही पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब द्वारा एक ऑपरेशनल योजना तैयार की गई। ऑपरेशनल योजना के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन श्रीनगर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, पुलिस अधीक्षक एसओजी श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उप-निरीक्षक आकिब अहमद, सहायक उप-निरीक्षक फरोज़ अहमद डार, हेड कांस्टेबल सुदीश सिंह, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, एस.जी.सीटी इरशाद अहमद लोहार और अन्य के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया, ताकि आतंकवादियों के खिलाफ उपयुक्त और आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इस चरण में, आतंकवादियों का पीछा करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने तथा उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए, विशेष टीम को 03 हमला टीमों में विभाजित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर की देखरेख में पहली टीम, पुलिस अधीक्षक एसओजी श्रीनगर की निगरानी में दूसरी टीम और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की देखरेख में तीसरी टीम को जेवीसी बर्निना बाईपास, श्रीनगर में नाका/घात लगाने का कार्य सौंपा गया।

पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, पुलिस अधीक्षक एसओजी श्रीनगर की समग्र देखरेख में सभी 03 हमला दलों ने एनएचडब्ल्यू के दोनों ओर 03 घात दलों के सामने तैनात किया गया, ताकि सबसे संभावित उस मार्ग को कवर किया जा सके जो पास के सरकारी अस्पताल (आम नागरिकों और रोगियों से भरा हुआ) की ओर जाता था, जिसे आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी के दौरान भागने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था। आतंकवादी, जो एक "फिदायीन दस्ते" के रूप में थे, जब नाका/घात दल के पास पहुंचे, तो उन्होंने नाका दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और पास के झाड़ीदार क्षेत्र में भाग गए, जो एक तरफ सरकारी अस्पताल और दूसरी तरफ एनएचडब्ल्यू से घिरा था।

इस मौके पर, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर और पुलिस उपाधीक्षक एसओजी श्रीनगर अपनी टीमों के साथ रेंगते हुए और ऑपरेशनल रणनीति अपनाते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ते रहे। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर और पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल अपनी टीमों/दलों के साथ उस क्षेत्र के करीब पहुंच गए, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। पुलिस दल की गतिविधि को देखकर, छिपे हुए आतंकवादियों ने पुलिस दल की ओर ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस बीच, एक आतंकवादी झाड़ीदार क्षेत्र के दूसरी तरफ भाग गया। इस कार्रवाई के दौरान, कुछ पुलिस कार्मिक कई छर्रे लगने से जख्मी हो गए।

अपनी टीम के लिए सामने से और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर अपनी टीम/दल के साथ दृढ़ रहे और उन्होंने अत्यधिक धैर्य बनाए रखा। आतंकवादियों को सरकारी अस्पताल (जो हमेशा महिलाओं और बच्चों सहित आम लोगों से भरा होता है) की ओर जाने से रोकने और बंधक जैसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए, उन्होंने आतंकवादियों को चुनौती दी, जिसके दौरान पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर और उनकी टीम को आतंकवादियों की ओर से किए गए हमले के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी एवं ग्रेनेड से हमले का सामना करना पड़ा। आम नागरिकों के जीवन पर मंडराते खतरे को भांपते हुए, पुलिस महानिरीक्षक अपनी टीम के साथ सामने से हो रही गोलियों की बौछार के बीच आगे बढ़ते रहे और उन्होंने अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना तथा अदम्य साहस का परिचय देते हुए, बहुत करीब से हुई बंदूक की लड़ाई में एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में, पाकिस्तानी आतंकवादी कमांडर नामत: राही भाई उर्फ अब्दुल्ला गोजरी, निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई, जो लश्कर-ए-तैयबा संगठन का 'ए+' श्रेणी का आतंकवादी था। आतंकवादी कमांडर राही भाई उर्फ अब्दुल्ला गोजरी, निवासी पाकिस्तान के खात्मे के तुरंत बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर और पुलिस अधीक्षक एसओजी श्रीनगर के नेतृत्व में दूसरी और तीसरी टीमें एक अन्य छोटी टीम के साथ पास के झाड़ीदार क्षेत्र की ओर पहुंचीं, जहां दूसरे आतंकवादी ने तीन तरफ से कंक्रीट की दीवार के कवर वाले एक रणनीतिक स्थान पर पोजीशन ली हुई थी। पुलिस दल की गतिविधि को देखते हुए, उक्त छिपे हुए आतंकवादी ने आगे बढ़ रहे दल की ओर ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे आगे बढ़ रहे दल के कई जवान घायल हो गए। अपनी टीम के सदस्यों की जान पर मंडराते खतरे को भांपते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर और पुलिस अधीक्षक एसओजी श्रीनगर छोटी हमला टीम के साथ जान की परवाह किए बिना अपना कवर छोड़कर बहादुरी के साथ आतंकवादी की ओर बढ़े और बहुत ही नजदीक से हुई बंदूक की लड़ाई में दूसरे आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में आदिल हुसैन मीर उर्फ मुसैब, पुत्र अल्ताफ हुसैन मीर, निवासी लिवर श्रीगुफवारा अनंतनाग के रूप में हुई, जो कि लश्कर-ए-तैयबा संगठन का 'बी-' श्रेणी का पीटीएम था।

इस तत्काल ऑपरेशन में, 05 पुलिस कार्मिक कई छर्रे लगने से जख्मी हो गए। बाद में, मारे गए आतंकवादियों के शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन बर्निना श्रीनगर में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 52/2022 दर्ज है।

यह ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के पूरा हुआ और उक्त आतंकवादियों का खात्मा दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। ये आतंकवादी घाटी में आतंकवाद से संबंधित कई गतिविधियों/हमलों में भी शामिल थे। इस तत्काल ऑपरेशन में पुलिस दलों तथा अन्य ऑपरेशनल दलों की भूमिका और नेतृत्व कौशल अनुकरणीय था। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर इसके समापन तक, पुलिस दलों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी असाधारण भूमिका निभाई। उन्होंने ऑपरेशनल रणनीति, जैसे कि

आम नागरिकों की सुरक्षा करने और उनका बचाव करने/सुरक्षित बाहर निकालने, सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना तैयार करने, ऑपरेशनल दलों के जीवन को प्राथमिकता देने और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों पर हमला करने के माध्यम से उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीनगर के जेवीसी बर्निना क्षेत्र के पास चलाया गया यह आतंक-रोधी ऑपरेशन पुलिस के लिए सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन था, क्योंकि सेना/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल इसमें शामिल नहीं थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री विजय कुमार, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, राकेश बलवाल, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, इफ्तखार तालिब, पुलिस अधीक्षक, फरोज़ अहमद डार, सहायक उप-निरीक्षक, सुदीश सिंह, हेड कांस्टेबल, पवन कुमार, हेड कांस्टेबल और इरशाद अहमद लोहार, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/73/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 27--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री हिमायूं मुज्जममिल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.06.2021 को 06:15 बजे, श्रीनगर पुलिस को एक विशिष्ट सूचना मिली कि अवैध हथियारों/गोला-बारूद से लैस कुछ आतंकवादी अपना ठिकाना उत्तरी कश्मीर से बदलकर मध्य कश्मीर, श्रीनगर में बनाने की योजना बना रहे हैं और एनएचडब्ल्यू (परिमपोरा-बारामूला मार्ग) के रास्ते बारामूला से श्रीनगर की ओर जा रहे हैं। प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, श्रीनगर पुलिस घटक/श्रीनगर पुलिस/बारामूला पुलिस ने सेना (24 आरआर/02 आरआर) और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के साथ मिलकर परिमपोरा में टोयोटा क्रॉसिंग श्रीनगर के पास श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई संयुक्त नाके लगाए, ताकि श्रीनगर शहर में आतंकवादियों की ऐसी किसी भी आवाजाही/प्रवेश को रोका जा सके। बारामूला से श्रीनगर शहर की ओर आ रहे वाहनों की जांच के दौरान संयुक्त नाका दल ने एक ऑल्टो-800 कार (सफेद) को रोका। उक्त वाहन की तलाशी के दौरान, वाहन चला रहे संदिग्ध व्यक्ति ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन वहां तैनात संयुक्त नाका दल के मुस्तैद जवानों ने उस पर काबू कर लिया और सावधानी के साथ उसे पकड़ लिया। उक्त व्यक्ति की तलाशी के दौरान उसके पास से कारतूस के साथ 01 चीनी पिस्तौल और 01 हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया। तदनुसार, आगे की पूछताछ के लिए उसे पुलिस स्टेशन परिमपोरा ले जाया गया, जहां उसकी पहचान अबरार नदीम भट्ट उर्फ खिताब, पुत्र मोहम्मद रमजान भट्ट, निवासी कालू मोहल्ला नरबल, जिला बडगाम के रूप में हुई, जो लश्कर-ए-तैयबा संगठन का "ए"-श्रेणी का आतंकवादी था। उस आतंकवादी से लगातार की गई पूछताछ के दौरान, यह भी खुलासा हुआ कि उसने श्रीनगर के गौसिया मोहल्ला मलूरा इलाके में स्थित एक आवासीय मकान में एके-47 राइफल और कुछ गोला-बारूद छिपा रखा था, जिसके बाद पुलिस/सुरक्षा बलों ने इनकी बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए पकड़े गए आतंकवादी के साथ उक्त क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बारामूला, पुलिस अधीक्षक सज्जाद अहमद शाह और पुलिस अधीक्षक परबीत सिंह ने ऑपरेशन की रूपरेखा तैयार की। तदनुसार, कुल नफरी को 02 दलों में विभाजित किया गया। पुलिस, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ, सेना (24-आरआर) के सैनिकों वाले पहले दल को लक्षित घर की आंतरिक घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। दक्षिण जोन श्रीनगर/पश्चिम जोन श्रीनगर के ऑपरेशनल पुलिस दलों, सेना (02-आरआर) के सैनिकों वाले दूसरे दल को लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

पहले, लक्षित घर के इंटरवेंशन की योजना बनाई गई और इंटरवेंशन दल में बारामूला पुलिस/श्रीनगर पुलिस/पुलिस घटक श्रीनगर, सेना (24 आरआर/02 आरआर) और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ की पर्याप्त सैनिक शामिल थे, जिन्होंने पूरी सावधानी बरतते हुए इंटरवेंशन की प्रक्रिया शुरू की। छिपे हुए आतंकवादी द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी से पकड़े गए स्थानीय आतंकवादी अबरार नदीम भट्ट उर्फ खिताब, पुत्र मोहम्मद रमजान भट्ट, निवासी कालू मोहल्ला नरबल, जिला बडगाम के साथ-साथ सुरक्षा बलों के तीन कार्मिक, नामत: सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट सतेन्द्र कुमार, उप-निरीक्षक शिवम चौहान और सिपाही मो. वसीम गंभीर रूप से घायल हो गए। तुरंत ही, संयुक्त दलों ने पोजीशन ले ली, बहादुरी

से जवाबी गोलीबारी की और घायल सुरक्षा बल कार्मिकों तथा पकड़े गए घायल स्थानीय आतंकवादी को 92-बेस अस्पताल श्रीनगर की ओर ले गए। तथापि, घायलों को अस्पताल ले जाते समय पकड़े गए घायल स्थानीय आतंकवादी अबरार नदीम भट्ट उर्फ खिताब, पुत्र मोहम्मद रमजान भट्ट, निवासी कालू मोहल्ला नरबल, जिला बडगाम ने अपनी गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। इस दौरान छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने की भी पेशकश की गई, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया और सुरक्षा बलों पर हमला जारी रखा।

इस चरण में, ऑपरेशन की निगरानी कर रहे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बारामूला और तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर ने अंधेरे और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए संयुक्त ऑपरेशनल दलों को रात (28/29 जून, 2021) में ऑपरेशन को रोकने का निदेश दिया। छिपे हुए आतंकवादी को लक्षित आवासीय घर से बाहर निकालने के लिए एक उचित ऑपरेशनल योजना तैयार की गई। घेराबंदी वाले क्षेत्र में लाइटें लगाई गईं और सभी गलियों/उप-गलियों को ठीक से बंद/अवरूद्ध किया गया। इसके अलावा, आस-पास के घरों में रह रहे लोगों को भी बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और किसी अतिरिक्त क्षति के बिना छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराने के उद्देश्य से उजाला होते ही इस ऑपरेशन को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 29.06.2021 को उजाला होते ही, ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया और ऑपरेशनल योजना के अनुसार, निगरानी कर रहे अधिकारियों ने यह निर्णय लिया कि ऑपरेशनल दल लक्षित घर की ओर आगे बढेंगे। पहले दल को दक्षिण-पूर्व की ओर से लक्षित घर की ओर बढ़ने के लिए कहा गया, जबकि दूसरे दल को दक्षिण-पश्चिम की ओर से लक्षित घर में प्रवेश करने/घर की ओर बढ़ने के लिए कहा गया। छिपे हुए आतंकवादी ने घर की ओर बढ़ते हुए बल कार्मिकों को देखकर ग्रेनेड फेंका, जो ऑपरेशनल दलों की चतुराई के कारण कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका। छिपे हुए आतंकवादी ने घेराबंदी तोड़ने और मौके से भागने के इरादे से ऑपरेशनल दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन दलों ने उत्कृष्ट ऑपरेशनल रणनीति के साथ प्रभावी ढंग से तथा बहादुरी और समझदारी से गोलीबारी का जवाब दिया और अंततः, छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, लश्कर-ए-तैयबा के "ए++" श्रेणी के आतंकवादी बाबर नदीम, निवासी पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के एक "ए" श्रेणी के आतंकवादी अबरार नदीम भट्ट, पुत्र मोहम्मद रमजान भट्ट, निवासी कालू मोहल्ला नरबल, जिला बडगाम के रूप में हुई। गौसिया मोहल्ला मलूरा श्रीनगर में आतंकवादी की गिरफ्तारी और मुठभेड़ के संबंध में, परिमपोरा श्रीनगर में पुलिस स्टेशन परिमपोरा में 02 मामलागत एफआईआर, यथा (1) विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, आयुध अधिनियम की धारा 7/25 के तहत एफआईआर संख्या 188/2021 और (2) आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 20 के तहत एफआईआर संख्या 189/2021 दर्ज हैं।

मारे गए आतंकवादी कई आतंकवादी हमलों/घटनाओं में शामिल थे, इसके अलावा वे श्रीनगर शहर में लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ संगठन के आधार को मजबूत करने में भी शामिल थे। वे मलूरा, परिमपोरा, टेंगपोरा, ओल्ड बरजुल्ला, नटीपोरा और श्रीनगर जिले के अन्य क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं को लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में भी शामिल थे।

इस तत्काल ऑपरेशन में पुलिस और अन्य ऑपरेशनल दलों, विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुज्जममिल की भूमिका महत्वपूर्ण थी और उनका नेतृत्व अनुकरणीय था। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर इसके समापन तक, पुलिस और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ/सेना के संयुक्त ऑपरेशनल दलों के बीच समन्वय में भी असाधारण योगदान दिया और ऑपरेशनल रणनीति, जैसे कि आस-पास के आम नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना तैयार करने, ऑपरेशनल दलों के सदस्यों के जीवन को प्राथमिकता देने और किसी अतिरिक्त क्षति के बिना आतंकवादियों पर हमला करने के माध्यम से ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के स्व. श्री हिमायूं मुज्जममिल, पुलिस उपाधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.06.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/107/2023 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. -28-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	गिरीश चंद्र माझी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	पबित्र कुमार साहू	हवलदार	वीरता पदक
3.	उमेश मुंडा	हवलदार	वीरता पदक
4.	पिताम्बर सतनामी	सिपाही	वीरता पदक
5.	कबि चंद्र राउत	सिपाही	वीरता पदक
6.	सुशांत कुमार सागर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.11.2022 को, बोलनगीर जिले की खपराखोल पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत गंधमर्दन आर.एफ. क्षेत्र में सुदर्शन उर्फ मुप्पीडी संबलाह उर्फ बनबन्ना उर्फ जंगू उर्फ बिकाश के नेतृत्व में सीपीआई (माओवादी) संगठन की बीबीएम डिवीजन के 8-10 सशस्त्र कैडरों की गतिविधि और उनके इकट्ठा होने के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, अनेक आपराधिक मामलों में वांछित इन माओवादियों को पकड़ने के लिए दिनांक 23.11.2022 को एसओजी टीमों की पांच यूनिटों के सहयोग से एक नक्सल विरोधी अभियान की योजना बनाई गई और इसे शुरू किया गया। दिनांक 24.11.2022 को लगभग 11:30 बजे, उप-निरीक्षक गिरीश चंद्र माझी के नेतृत्व में एसओजी एटी संख्या 38, द्वितीय कमान अधिकारी उप-निरीक्षक टी साहू और 34 कमांडो तलाशी अभियान चला रहे थे। अचानक, ऑलिव ग्रीन रंग की माओवादी वर्दी पहने 8-10 सशस्त्र माओवादी कैडरों के एक समूह ने बिना किसी उकसावे के पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने रणनीतिक रूप से कवर लिया और ओडिया, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं में ऊँची आवाज में पुलिस के रूप में अपनी पहचान बताई तथा माओवादियों को आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन माओवादी ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस दल के जवानों को मारने के इरादे से अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। कोई अन्य विकल्प न मिलने पर, पुलिस दल ने पोजीशन ली और आत्मरक्षा में नियंत्रित एवं सीमित गोलीबारी शुरू की। माओवादियों की ओर से रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी करीब आधे घंटे तक चलती रही। गोलीबारी बंद होने के बाद, सभी रणनीतिक और एहतियाती कदम उठाते हुए पुलिस दल आगे बढ़ा और पूरे क्षेत्र की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, ऑलिव ग्रीन रंग की वर्दी पहने दो महिलाओं के शव मौके पर पड़े मिले, जिनके शरीर पर गोली लगने के निशान थे और उनके शव के समीप 2 इंसास राइफल, 5.56 एमएम के 35 जिंदा कारतूस, 7.62 एमएम के 02 जिंदा कारतूस, 01 खाली खोखा, 02 इंसास मैगजीन, एक एसएलआर मैगजीन और अन्य माओवादी सामान भी बरामद किया गया। टीम के लीडर और अन्य सदस्यों ने अवसर के अनुसार अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जब इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी तथा विपरीत परिस्थितियों में इतनी कुशलता और सामरिक कौशल के साथ कार्रवाई की, जिससे न केवल दुश्मन को पीछे हटना पड़ा, बल्कि पुलिस टीम ने मामूली सी अतिरिक्त क्षति के साथ माओवादियों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस सफल ऑपरेशन में दो महिला माओवादी कैडरों नामत: गीता (एसीएम) उम्र लगभग 28 वर्ष और रजीता (एसीएम), उम्र लगभग 32 वर्ष को मार गिराया गया, जो सीपीआई (माओवादी) की बीबीएम डिवीजन की थीं और ओडिशा सरकार ने प्रत्येक पर 4,00,000/- रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। टीम लीडर और सभी कमांडो ने दुश्मन का सामना करते हुए अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया तथा ड्यूटी के दौरान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की। इस कार्रवाई के दौरान, उन्होंने कई बार खुद को दुश्मन की ओर से हो रही गोलीबारी के सामने पाया, फिर भी वे अपने कर्तव्य के निर्वहन से विमुख नहीं हुए। निडरता से की गई उनकी कार्रवाई ने न केवल पुलिस टीम को दुश्मन द्वारा अचानक किए गए हमले से सुरक्षित रखा, बल्कि ऑपरेशन की सफलता को भी सुनिश्चित किया।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्व/श्री गिरीश चंद्र माझी, उप-निरीक्षक, पबित्र कुमार साहू, हवलदार, उमेश मुंडा, हवलदार, पिताम्बर सतनामी, सिपाही, कबि चंद्र राउत, सिपाही और सुशांत कुमार सागर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24.11.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/142/2023 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 29---प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	देवदत्त सिंह	सिपाही	वीरता पदक
2.	राजन कुमार	सिपाही	वीरता पदक
3.	ऋतुल कुमार वर्मा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एसटीएफ उत्तर प्रदेश आदिवासी गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में, उप निरीक्षक, ब्रह्म प्रकाश के नेतृत्व में एसटीएफ टीम खानाबदोश गिरोहों द्वारा किए गए अपराधों का पता लगाने के लिए आसूचना जुटा रही थी। आसूचना जुटाने के दौरान, पता चला कि एक गिरोह सक्रिय है जो राजमार्गों पर एक्सल फेंककर और टायर पंचर करके लूटपाट करता है तथा यह कई सनसनीखेज और भयानक घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इसके अलावा, दिनांक 26.10.2020 को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि यह गिरोह पुलिस स्टेशन नौहझील, जिला मथुरा के तहत यमुना एक्सप्रेस वे पर किसी सनसनीखेज घटना को अंजाम देने जा रहा है। सूचना प्राप्त होते ही एसटीएफ टीम हरकत में आई और टीम के साथी सिपाहियों देवदत्त सिंह, राजन कुमार और ऋतुल कुमार वर्मा आदि के साथ कस्बा बाजना पहुंची, जहां वे एसएचओ नौहझील से मिले। विचार-विमर्श के बाद, प्रभारी ओपी बाजना को निगरानी के लिए यमुना एक्सप्रेस वे पर भेजा गया, जिन्होंने सूचना दी कि बाजना कट से आगरा जाने वाली सर्विस रोड पर गाँव परसौली के पास जंगल में एक संदिग्ध वाहन खड़ा है। एसटीएफ और पुलिस स्टेशन नौहझील की संयुक्त टीम उक्त स्थान पर पहुंची। थोड़ी दूर पर बाईं ओर स्थित ट्यूबवेल के रास्ते पर एक कार खड़ी थी। टीम अपने वाहनों को तेजी से चलाते हुए चकरोड स्थित ट्यूबवेल के पास पहुंची। पुलिस को भांपते हुए अचानक 04 संदिग्ध कार की ओर दौड़े। पुलिस कार्मिक अपने वाहनों से उतरकर संदिग्धों को पकड़ने के लिए झपटे। आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दिए जाने पर एक अपराधी चिल्लाया कि यह पुलिस है और उन्होंने पुलिस कार्मिकों को जान से मारने के लिए उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तब तक पुलिस कार्मिक उनके करीब पहुंच गए और अपराधियों द्वारा की गई अचानक गोलाबारी से बाल-बाल बचे। आत्मसमर्पण करने के लिए कहे जाने पर दो अपराधी अर्टिगा कार के पास पहुंचे और उन्होंने पीछे मुड़कर पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी तथा बाकी 02 अपराधियों ने कार के सामने आकर गोलीबारी शुरू कर दी। अपराधियों द्वारा चलाई गई 01 गोली ऋतुल कुमार वर्मा को लगी जो बुलेट प्रूफ (बीपी) जैकेट के कारण बच गए। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां देवदत्त सिंह के बाएं हाथ में तथा राजन कुमार के पेट में दाहिनी ओर लगीं और वे घायल हो गए। अपराधियों की अंधाधुंध गोलीबारी की रेंज में होने के बावजूद ऋतुल कुमार वर्मा और घायल देवदत्त सिंह तथा राजन कुमार ने अपराधियों को पकड़ने के जुनून में तथा कर्तव्य को सर्वोच्च मानते हुए, अपराधियों का बहादुरी से मुकाबला किया और उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर अनुकरणीय साहस का परिचय दिया। बार-बार चेतावनी और ललकार से अपराधी और अधिक हताश एवं उग्र हो गए और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। अपराधियों पर काबू पाने के लिए कोई विकल्प न होने पर देवदत्त सिंह, ऋतुल कुमार वर्मा और राजन कुमार ने आत्मरक्षा में अपनी सर्विस पिस्तौल से नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की। इसके परिणामस्वरूप, लगभग 19:10 बजे अर्टिगा से गोलीबारी कर रहा अपराधी लड़खड़ा गया और घायल होकर नीचे गिर गया। बाकी अपराधी गोलीबारी की आड़ में जंगल में भाग गए।

जब गोलीबारी बंद हुई तो पुलिस घायल अवस्था में कराहते पड़े हुए अपराधी के पास पहुंची। घायल अपराधी और पुलिस कार्मिकों को उनकी जान बचाने के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां घायल अपराधी ने दम तोड़ दिया। उसकी पहचान बाद में खूंखार अपराधी अनिल उर्फ अमित उर्फ अमित जुत्रा उर्फ अंकित चौहान उर्फ झुमरा के रूप में हुई, जिस पर अपर पुलिस महानिदेशक, आगरा जोन द्वारा 1,00,000/- रुपये, पुलिस महानिरीक्षक, अलीगढ़ रेंज द्वारा 50,000/- रुपये और हरियाणा राज्य द्वारा 50,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

घटनास्थल से 04 खाली और 02 बेकार (मिस) कारतूसों सहित .32 बोर की एक रिवाल्वर, 01 खाली, 01 बेकार (मिस) और 15 जिंदा कारतूसों सहित एक 12 बोर की सिंगल बैरल पूनिया बंदूक, एक सीएमपी .315 बोर, 02 खाली, 02 जिंदा कारतूस, 02 एक्सल, दोनों तरफ से नुकीली 08 कीलें तथा एक अर्टिगा कार बरामद की गई।

खानाबदोश गिरोह के साथ हुई इस आमने-सामने की भीषण मुठभेड़ में सिविल पुलिस सिपाही देवदत्त सिंह, ऋतुल कुमार वर्मा और राजन कुमार ने अनुकरणीय साहस, वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया। सिपाही, देवदत्त सिंह और राजन कुमार ने घायल होने के बावजूद अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे अपराधियों का मुकाबला किया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री देवदत्त सिंह, सिपाही, राजन कुमार, सिपाही और ऋतुल कुमार वर्मा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.10.2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/171/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 30--प्रेज/2025- भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:-

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	निपुण अग्रवाल, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	स्वतंत्र कुमार सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	मुन्नेश सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	नीरज कुमार पाल	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27/28.05.2022 की रात के दौरान, श्री निपुण अग्रवाल, भापुसे, पुलिस अधीक्षक जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश अपनी एस.ओ.जी टीम के साथ कानून एवं व्यवस्था तथा गश्ती पुलिस की तैनाती का निरीक्षण करने के लिए गाजियाबाद शहर क्षेत्र में गश्त कर रहे थे जिसके दौरान उन्हें उप-निरीक्षक मुन्नेश सिंह, एस.ओ. पुलिस स्टेशन मधुबा बापूधाम अपनी पुलिस टीम के साथ बुनकर मार्ट, बापूधाम क्रॉसिंग के पास मिले जहां वे पुलिस टीम की कमान संभाल रहे थे और उन्होंने वहां गहन वाहन-जांच शुरू की।

जांच के दौरान, श्री निपुण अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सिटी गाजियाबाद, जो पुलिस टीम की कमान संभाले हुए थे, उन्हें स्वाट टीम के प्रभारी उप-निरीक्षक से सूचना प्राप्त हुई कि पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार 02 अपराधियों को जब रत्ना फिलिंग स्टेशन के पास जांच के लिए रोका गया तो वे नहीं रुके और इसके बजाय चेकर्ड शर्ट एवं काली पैंट पहने हुए पीछे सवार अपराधी ने गोलियां चला दीं और अपराधी कांशीराम प्रोजेक्ट की तरफ भाग गए, जिसे सुनते ही वे तुरंत हरकत में आए और एस.ओ तथा एस.ओ.जी टीम के साथ विचार-विमर्श किया और खुद के नेतृत्व में रणनीतिक रूप से हमला टीम तथा बाहरी घेराबंदी टीम का गठन किया और श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस सर्किल ऑफिसर-सिटी-I, जो स्वाट टीम से प्राप्त सूचना पर वहाँ पहुंचे, वे भी पुलिस अधीक्षक सिटी के नेतृत्व में हमला टीम में शामिल हो गए तथा गहन जांच शुरू कर दी और अपराधियों को घेरने के लिए बुनकर मार्ट क्रॉसिंग के पास सतर्कता से उनके आने की प्रतीक्षा करने लगे।

लगभग 03:50 बजे सीएनजी पंप की तरफ से मोटरसाइकिल सवार 02 व्यक्ति तेजी से आते हुए देखे गए और मुस्तैद श्री निपुण अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सिटी तथा श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक उन्हें रोकने के लिए सतर्कता और निडरता से आगे बढ़े और टॉर्च की रोशनी दिखाकर उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन सामने पुलिस की अप्रत्याशित मौजूदगी देखकर, अचंभित अपराधियों ने झुंझलाहट में तेजी से यू-टर्न लेने की कोशिश की। हालाँकि, बुनकर मार्ट क्रॉसिंग के पास मोटरसाइकिल फिसल गई, फिर भी चालाक अपराधी उसे छोड़कर उठ खड़े हुए और जैसे ही पीछा कर रही स्वाट टीम उनके करीब पहुंची, हैरान अपराधियों ने जान से मारने के इरादे से पुलिस की ओर अचानक और दुस्साहसपूर्वक लगातार ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन सौभाग्य से पुलिस बच निकली।

अपराधियों द्वारा लगातार गोलीबारी से बचते हुए पुलिस टीमों ने रणनीतिक रूप से पोजीशन ली और पुलिस अधीक्षक सिटी के निदेशन में, बाहरी घेराबंदी टीम ने नाकाबंदी करना शुरू कर दिया। अपराधियों को जिंदा गिरफ्तार करने के लिए इंसास राइफल से एक गोली चलाई गई। साथ ही हमला टीम रणनीतिक तरीके से आगे बढ़ी और ऊंची आवाज मे अपराधियों को गोलीबारी बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन चालाक अपराधी पीछे हट गए तथा उन्होंने भागने की कोशिश की और उन्होंने अपनी गोलीबारी तेज कर दी, जिसमें श्री निपुण अग्रवाल, भापुसे, पुलिस अधीक्षक और श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक को आगे से तथा स्वाट टीम के सिपाही, नीरज कुमार पाल को गोली लगी और वे घायल हो गए।

श्री निपुण अग्रवाल, भापुसे, पुलिस अधीक्षक और श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक ने इस संकटकालीन स्थिति में जहां बर्बर अपराधियों की लगातार गोलीबारी के दौरान उन्हें गोली लगी तथा सिपाही नीरज कुमार पाल को भी गोली लगी और वे घायल हो गए, उनकी गोलीबारी को रोकने और उन्हें जीवित गिरफ्तार करने पर अड़िग रहे। वे अपनी जान और अंगों की परवाह किए बिना पुलिसिंग-कौशल के साथ चतुराई से श्री मुन्नेश सिंह, उप-निरीक्षक के साथ अपनी गोलीबारी की रेंज में साहसपूर्वक आगे बढ़े। उन्होंने निडरता से हमले का नेतृत्व किया, आत्मरक्षा में गोलीबारी की और अदम्य साहस और रणनीतिक रूप से उनके जवाबी हमले में 04:20 बजे एक अपराधी घायल होकर नीचे गिर गया। हमला टीम ने तुरंत उसे बलपूर्वक पकड़ लिया, जिसकी बाद में अस्पताल में मृत्यु हो गई और उसकी पहचान कुख्यात अनिल दुजाना गिरोह के खूंखार हथियारबंद फरार बदमाश राकेश, पुत्र जयपाल के रूप में हुई, जिस पर 50,000/- रुपये का इनाम था और उसके कब्जे से अवैध अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री निपुण अग्रवाल, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, स्वतंत्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, मुन्नेश सिंह, उप-निरीक्षक और नीरज कुमार पाल, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/172/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी

अवर सचिव

सं. 31--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अशोक कुमार मीणा, भापुसे	सहायक पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	कुलदीप कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	गीतेश कपिल	निरीक्षक	वीरता पदक
4.	प्रवीण अहलावत	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.01.2019 की सुबह पुलिस स्टेशन कोतवाली, बरेली, उत्तर प्रदेश के घनी आबादी वाले इलाके में गोलीबारी के साथ 15,00,000/- रुपये की डकैती की सनसनीखेज घटना ने बरेली शहर को चौंका दिया और स्थानीय निवासियों को भयभीत कर दिया। डकैती की सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक कुलदीप कुमार और निरीक्षक गीतेश कपिल, सहायक पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, भापुसे सहित तुरंत हरकत में आए और पुलिस बल के साथ इलाके में निगरानी, गश्त तथा गहन वाहन जांच शुरू कर दी। डकैती की वारदात को सुलझाने के लिए दृढ़ संकल्पित पुलिस उपाधीक्षक कुलदीप कुमार और निरीक्षक गीतेश कपिल द्वारा सिपाही प्रवीण अहलावत व अन्य कार्मिकों के साथ मिलकर डेल्हापीर तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच के दौरान श्यामगंज पुल की तरफ से दो मोटरसाइकिलों पर सवार कुछ व्यक्ति तेजी से आते दिखाई दिए, जिस पर पुलिस उपाधीक्षक कुलदीप कुमार और निरीक्षक गीतेश कपिल मोटरसाइकिल सवारों को रोकने के लिए साहस के साथ आगे बढ़े। शातिर मोटरसाइकिल सवार तेजी से विलय धाम फ्लाईओवर की तरफ गाड़ी चलाकर भागे, लेकिन सतर्क पुलिस उपाधीक्षक कुलदीप कुमार और निरीक्षक गीतेश कपिल ने पुलिस दल के साथ पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित करते हुए तुरंत उनका पीछा किया और पीछा करने के दौरान श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक/सर्किल ऑफिसर, सिटी-III, उनके साथ का पुलिस दल और सड़क पर तैनात पीआरवी भी उनके साथ मिल गए और उन्होंने नजदीकी से मोटरसाइकिल-सवारों/अपराधियों का पीछा किया।

चालाक मोटरसाइकिल सवार/अपराधी तेजी से वाहन चलाते हुए पुलिस चौकी अहलादपुर, पुलिस स्टेशन इज्जतनगर को पार करते हुए अचानक कच्ची सड़क पर मुड़ गए और जबकि, पुलिस उपाधीक्षक श्री कुलदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उनका नजदीकी से पीछा किया तथा श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक ने पीआरवी के साथ, विवेकपूर्ण तरीके से तेजी से आगे बढ़कर उन्हें सामने से रोक लिया और जैसे ही तेज गति से मोटरसाइकिल सवार/अपराधी चक रोड से राजमार्ग पर आने के लिए बढ़े, तो पुलिस को करीब से उनका पीछा करते हुए और सामने भी देखकर, भ्रमित तथा उत्तेजित अपराधी, गन्ने के खेत के पास मोटरसाइकिल छोड़कर खेत में घुस गए और उन्होंने जान से मारने की मंशा से पुलिस पर लगातार गोलीबारी शुरू कर दी।

श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक और श्री कुलदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक खुद एवं उनकी कमान के तहत पुलिस दल सतर्कतापूर्वक अपराधियों द्वारा की जा रही गोलीबारी के सामने उतरे और उन्हें ऊंची आवाज में गोलीबारी बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन वे दु:साहस से लगातार भीषण गोलीबारी करते रहे, इसके बावजूद श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक और श्री कुलदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक अपराधियों द्वारा की जा रही खतरनाक गोलीबारी से विचलित हुए बिना, पुलिस दल का नेतृत्व करते हुए और उन्हें प्रेरित करते हुए निरीक्षक गीतेश कपिल के साथ निडरता से आगे बढ़े, लेकिन बदमाश एवं क्रूर अपराधियों द्वारा की गई भीषण गोलीबारी की गोलियां सामने से श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक और श्री कुलदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक को लगीं, लेकिन वे घायल नहीं हुए, जबकि श्री गीतेश कपिल, निरीक्षक और सिपाही प्रवीण अहलावत घायल हो गए।

'करो या मरो' की इस संकटपूर्ण स्थिति के दौरान, खूंखार डकैत/अपराधियों द्वारा की गई भीषण गोलीबारी में श्री अशोक कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक और श्री कुलदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक के सीने पर गोली लगने तथा श्री गीतेश कपिल, निरीक्षक और सिपाही प्रवीण अहलावत के घायल होने के बावजूद, उन्होंने स्वयं क्रूर डकैत/अपराधियों को जिंदा गिरफ्तार करने का दृढ़ निश्चय किया तथा वे अपनी गोलीबारी की रेंज में फील्ड-क्राफ्ट रणनीति के साथ साहसपूर्वक आगे बढ़े तथा उन्होंने अदम्य वीरता, साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया तथा अपने जीवन और अंगों की सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस के साथ मुकाबला किया, आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी की, जिससे दो अपराधी, जिनकी पहचान खूंखार गैंगस्टर डकैत, सशस्त्र अपराधी कपिल और अशोक के रूप में हुई,14:30 बजे घायल होकर गिर पड़े, जिन्हें बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। उनके पास से अवैध आग्नेयास्त्र एवं गोला-बारूद तथा हाल ही में लूटे गए 15,00,000/- रुपये बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री अशोक कुमार मीणा, भापुसे, सहायक पुलिस अधीक्षक, कुलदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, गीतेश कपिल, निरीक्षक और प्रवीण अहलावत, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.01.2019 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/173/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 32--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमित	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अंगद सिंह यादव	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वाराणसी निवासी दीपक वर्मा माफिया मुन्ना बजरंगी गिरोह का खूंखार अपराधी और शार्प शूटर था, जिसका लूट, हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली जैसे दो दर्जन से अधिक जघन्य अपराधों का लंबा आपराधिक इतिहास है। मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद दीपक ने गिरोह की कमान संभाली, अपना गिरोह बनाया और कई सनसनीखेज अपराध किए। उसने पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख व्यापारियों में दहशत और आतंक फैलाया। उसकी आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन ने उसकी गिरफ्तारी पर 1,00,000/- रुपये का इनाम घोषित किया था।

आसूचना पर कार्रवाई करते हुए, बरियासनपुर अंडरपास, पुलिस स्टेशन चौबेपुर के पास निरीक्षक अमित के नेतृत्व में एसटीएफ टीम को दिनांक 13.09.2021 को सूचना प्राप्त हुई कि दो हथियारबंद अपराधी बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी सनसनीखेज घटना को अंजाम देने के लिए गांव संदहा से शंकरपुर की ओर जाने वाले हैं। सूचना पर विश्वास करते हुए निरीक्षक अमित ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ चेकिंग शुरू कर दी। लगभग 13:35 बजे सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिनके बारे में पुष्टि हुई कि वे वही अपराधी हैं। उक्त मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन अपराधियों ने अपनी मोटरसाइकिल मोड़ ली और निर्माणाधीन अंडरपास के अंदर से विपरीत सर्विस लेन से चंदौली की ओर भागने का प्रयास किया। निरीक्षक अमित ने अपनी टीम के साथ भाग रहे अपराधियों का पीछा किया। जैसे ही अपराधी अंडरपास से चंदौली की ओर लगभग 400 मीटर दूर पहुंचे, बारिश के कारण अपराधियों की मोटरसाइकिल फिसल गई और लड़खड़ाने लगी। चालक मोटरसाइकिल छोड़कर खेतों की नालियों, झाड़ियों और छोटे पेड़ों की आड़ में भाग गया, जबकि पीछे बैठे व्यक्ति ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तब तक निरीक्षक अमित और उनकी टीम भी वहां पहुंच गई तथा उन्होंने अनुकरणीय साहस एवं बहादुरी का परिचय देते हुए वाहन से उतरकर अपराधी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। कर्तव्यपरायणता और अपराधी को जिंदा गिरफ्तार करने के इरादे से निरीक्षक अमित आगे बढ़े। अपराधी बाएं, दाएं और सामने से अंधाधुंध गोलीबारी करता रहा। अपराधी ने पुलिस द्वारा बार-बार दी गई की चेतावनियों पर कोई ध्यान नहीं दिया और अपनी स्थिति और दिशा बदलकर, झुककर तथा मुड़ कर गोलीबारी करता रहा। अपराधी को गिरफ्तार करने का कोई विकल्प न देखकर निरीक्षक अमित और उप-निरीक्षक अंगद सिंह यादव अनुकरणीय साहस, बहादुरी का परिचय देते हुए और अपनी जान को खतरे में डालते हुए अपराधी की गोलीबारी के सामने आए और आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां निरीक्षक अमित और उप-निरीक्षक अंगद सिंह यादव के शरीर के बगल से निकल गईं लेकिन उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की और अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे अपराधियों का मुकाबला किया। आमने-सामने की इस मुठभेड़ में जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप अपराधी एक तरफ लुढ़क कर गिर गया। जब दुश्मन की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, तो एसटीएफ टीम ने अपराधी के पास जाकर देखा कि वह घायल अवस्था में पड़ा है। उसके बगल में एक 9 एमएम की पिस्तौल पड़ी थी और .38 बोर की एक रिवाल्वर उसकी कमर में खोंसी हुई थी तथा उसके शरीर से खून बह रहा था।

मृतक की पहचान दीपक वर्मा के रूप में हुई है, जो एक खूंखार अपराधी था और उस पर 1 लाख रुपये का इनाम था। उसके पास से मैगजीन तथा 06 खाली कारतूस और 02 जिंदा कारतूस सहित 9 एमएम की एक फैक्ट्री मेड पिस्तौल, 04 जिंदा कारतूस सहित .38 बोर की एक रिवॉल्वर और टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री अमित, निरीक्षक और अंगद सिंह यादव, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.09.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/174/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 33--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	अब्दुर रहमान सिद्दीकी	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	सन्दीप कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गौतमबुद्ध नगर का अवनीश उर्फ बिल्लू दुजाना एक कुख्यात अंतरराज्यीय अपराधी था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश और दिल्ली में हत्या, लूट, जबरन वसूली आदि के दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। वह एनसीआर के सबसे खूंखार और क्रूर बदमाशों में से एक था और उसने स्थानीय उद्योगपतियों और व्यापारियों में दहशत फैला रखी थी। दिनांक 20.04.2022 को उसने गाजियाबाद (कविनगर पुलिस स्टेशन) में एक दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था, जिसके बाद अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर 1,00,000/- रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे और स्वाट टीम द्वारा उसे पकड़ने के लिए आसूचना जुटाई जा रही थी। दिनांक 28.05.2022 को एक कार्रवाई योग्य सूचना प्राप्त हुई कि बिल्लू हथियारों से लैस होकर एक साथी के साथ पुश्ता रोड की ओर जाता हुआ देखा गया है। परिणामस्वरूप, डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक ने स्वाट टीम के साथ इलाके में जांच शुरू कर दी। कुछ समय बाद, सुबह 4:05 बजे, बताई गई पहचान से मिलते-जुलते दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर राष्ट्रीय राजमार्ग-24 से कनावनी की ओर आते हुए दिखाई दिए। भागते व्यक्तियों को रोकने के लिए सीओ और एसएचओ इंदिरापुरम को सूचित करते हुए, डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक ने टीम के साथ उनका पीछा किया। हिंडन बैराज पुल के पास अपराधियों ने खुद को सीओ/एसएचओ इंदिरापुरम तथा डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक/स्वाट टीम द्वारा दोनों तरफ से घिरा हुआ पाया और वे कच्चे-पक्के रास्ते पर भागने लगे, परंतु सड़क पर पड़े तारों में उलझकर वे गिर गए। पीछे बैठा बाइक सवार अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की तरफ भाग गया, जबकि मोटरसाइकिल चालक ने भागने की कोशिश में पुलिस कार्मिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपराधी द्वारा अचानक की गई गोलीबारी को देखते हुए टीम ने अपनी बुलेट प्रूफ (बीपी) जैकेट पहन ली और डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक ने तीन दलों का गठन किया, जिसमें उनके नेतृत्व में पहला हमला दल था, जबकि अन्य दो कवरिंग घेरबंदी टीम के रूप में कार्य कर रहे थे। डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक ने बार-बार चेतावनी दी तथा अपराधी को आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन उसने सभी चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। टीम ने पास के पेड़ों की आड़ ली, असाधारण साहस, निडरता दिखाई और अपनी जान जोखिम में डाल दी। डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक अब्दुर रहमान सिद्दीकी और सिपाही सन्दीप कुमार टीम के साथ आगे बढ़े और अपनी ओर आती गोलियों की बौछार के बीच अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए गोलीबारी की रेंज में आ गए। इस दौरान, अपराधी द्वारा चलाई गई गोलियां निरीक्षक अब्दुर रहमान सिद्दीकी को (बाएं हाथ) और सिपाही सन्दीप कुमार को (बाएं पैर) में लगीं। डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक को भी गोलियां लगीं, लेकिन वे बुलेट प्रूफ (बीपी) जैकेट की वजह से बच गईं। घायल होने के बावजूद टीम खतरे का सामना करते हुए आगे बढ़ी। अपराधी को काबू करने के लिए कोई विकल्प न देखते हुए, डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक अब्दुर रहमान सिद्दीकी और सिपाही सन्दीप कुमार ने अदम्य साहस दिखाया और रणनीति के साथ अपराधी की गोलीबारी रेंज में घुस गए और नियंत्रित तरीके से जवाबी गोलीबारी की, जिससे अपराधी घायल होकर गिर गया। उसके निकट जाने पर उसकी पहचान बिल्लू दुजाना के रूप में हुई तथा उसे अस्पताल भेजा गया ताकि उसे बचाया जा सके, जहां उसकी मौत हो गई। यह मुठभेड़ सुबह 04:05 बजे से 04:36 बजे तक चली।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस की डा0 दीक्षा शर्मा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, सर्व/श्री अब्दुर रहमान सिद्दीकी, निरीक्षक और सन्दीप कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/175/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 34--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री रिपुदमन सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.02.2021 को पुलिस स्टेशन सिधपुरा के उप-निरीक्षक अशोक कुमार और सिपाही देवेन्द्र सिंह, अपराधी मोती, निवासी नगला धीमर पुलिस स्टेशन सिधपुरा, जिला कासगंज को गिरफ्तार करने गए थे। मोती ने अपने साथियों के साथ पुलिस दल पर लाठी-डण्डों, भालों व घातक हथियारों से हमला कर दिया। अपराधियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी भी की, जिससे उप-निरीक्षक अशोक कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गये, जबकि सिपाही देवेन्द्र की मृत्यु हो गई।

अपराधियों ने उप-निरीक्षक अशोक कुमार की सर्विस पिस्तौल छीन ली। यह घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। खूंखार/वांछित अपराधी मोती की गिरफ्तारी पर अपर पुलिस अधीक्षक, आगरा जोन द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

इस घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें अपराधियों के खिलाफ आसूचना जुटा रही थीं। आसूचना जुटाने से पता चला कि मोती काली नदी की कटरी में छिपा हुआ है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी रिपुदमन सिंह बल के साथ दिनांक 21.02.2021 को लगभग 01:10 बजे पुलिस स्टेशन सिधपुरा से रवाना हुए और करतला रोड पर गांव हमीरपुर से आगे धुंधरा तिराहे के पास पहुंचे तथा एसओ सिधपुरा प्रेम पाल सिंह भी बल के साथ अपराधी मोती की तलाश में वहा पहुंच गए। इसके बाद, सूचना मिली कि मोती काली नदी की कटरी के वन में मौजूद है। सूचना पर भरोसा करते हुए निरीक्षक रिपुदमन सिंह व अन्य कार्मिक हरकत में आए और सूचना में बताए गए स्थान के लिए निकलने ही वाले थे कि एसओजी टीम के साथ उप-निरीक्षक मुकेश भी वहां पहुंच गए। सूचना के आदान-प्रदान व रणनीति बनाने के बाद समस्त पुलिस बल करतला रोड स्थित राम मनोहर स्मृति द्वार के निकट मंदिर के पास पहुंच गया। निरीक्षक रिपुदमन सिंह, एसओ सिधपुरा प्रेम पाल सिंह व उप-निरीक्षक मुकेश के नेतृत्व में तीन टीमें गठित की गईं, जो पैदल ही काली नदी की ओर बढ़ीं। मुखबिर ने बताया कि मोती अपने साथियों के साथ ईख के पेड़ों में छिपा है। दूसरी टीम को सड़क के बाईं ओर यूकेलिप्टस के पेड़ों की ओर भेजा गया, जबकि तीसरी टीम को सड़क के बाईं ओर सीधे कच्चे रास्ते पर भेजा गया।

निरीक्षक रिपुदमन सिंह के नेतृत्व में पहली टीम सड़क के बाईं ओर उतरी और आगे बढ़ी। रात करीब 2:30 बजे जब टीम कीकर के पेड़ों से 35-40 कदम पहले थी, तभी दो व्यक्ति झाड़ियों से निकलकर आए, उनमें से एक ने चिल्लाते हुए कहा कि यह पुलिस है, इन्हें मार दो और उन्होंने इधर-उधर घूमकर, झुककर तथा मुड़-मुड़कर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक रिपुदमन सिंह और उनकी टीम ने टीले की आड़ लेकर अपनी जान बचाई। निरीक्षक रिपुदमन सिंह ने असाधारण साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपराधियों को आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन सारी चेतावनियाँ बेकार गईं और अपराधी रुक-रुक कर गोलीबारी करते रहे। जैसे ही निरीक्षक रिपुदमन सिंह अपनी जान जोखिम में डालकर कवर से बाहर निकले और अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया तो अपराधियों ने पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे निरीक्षक रिपुदमन सिंह फील्ड क्राफ्ट और रणनीति का उपयोग करके बाल-बाल बचे। इसके बाद भी निरीक्षक रिपुदमन सिंह ने बहादुरी के साथ अपराधियों की अंधाधुंध गोलीबारी का मुकाबला करना जारी रखा। अपराधियों पर काबू पाने के लिए कोई विकल्प न पाकर निरीक्षक रिपुदमन सिंह ने असाधारण साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की। जवाबी गोलीबारी के परिणामस्वरूप एक चीख सुनाई दी। पास जाकर देखा तो एक अपराधी घास पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ था और वह कराह रहा था। घायल अपराधी की पहचान पुलिस पर हमले की घटना के मुख्य अपराधी, 1,00,000/- रुपये के इनामी मोती के रूप में हुई। घायल अपराधी को अस्पताल भेजा गया जहां उसकी मृत्यु हो गई। घटनास्थल से उप-निरीक्षक अशोक कुमार से लूटी गई 9 एमएम की सर्विस पिस्टल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के श्री रिपुदमन सिंह, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 21.02.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/176/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 35--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री नीलम सिंह	लांस नायक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

लांस नायक नीलम सिंह ने जटिल परिस्थितियों को पूरी परिपक्वता के साथ संभालते हुए अद्वितीय पेशेवरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के साथ सेवा दी है।

एनएससीएन कैडरों से संबंधित विशिष्ट सूचना के आधार पर, दिनांक 08 सितंबर, 2023 से वर्चस्व गश्त की श्रृंखला शुरू की गई थी। दिनांक 13 सितंबर 2023 को, लगभग 22:30 बजे, त्वरित कारवाई बल के सदस्य लांस नायक नीलम सिंह ने मियाओ घाट से धरमपुर की ओर बढ़ते समय काली मंदिर के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को चेतावनी दी, जिन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी और एक गोली जिप्सी के अतिरिक्त पहिये में जा लगी। अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, लांस नायक ने चलती गाड़ी से छलांग लगाई और उस कैडर पर हमला किया, जो कि अभी भी गोलीबारी कर रहा था और उन्होंने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति को गोली लग गई, जिसकी बाद में मौत हो गई और उसकी पहचान एनएससीएन (के-निक्की) के स्वयंभू लेफ्टिनेंट थोंगत्सी उर्फ जेम्स के रूप में की गई, जो जबरन वसूली से जुड़ी गतिविधियों में लिप्त था। लांस नायक के इस कृत्य ने भारतीय सुरक्षा बलों पर स्थानीय लोगों के विश्वास को मजबूत किया।

इस ऑपरेशन में, असम राइफल्स के श्री नीलम सिंह, लांस नायक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.09.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/169/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 36--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री भागीरथ सिंह राठौड़	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26 अक्टूबर, 2023 को, सीमा चौकी (बीओपी) विक्रम, 120वीं बटालियन बीएसएफ, जिला-जम्मू (जेएंडके) पर तैनात, सिपाही भागीरथ सिंह राठौड़ को भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की फॉरवर्ड डिफेंडेड पोस्ट (एफडीपी) संख्या 06/24 पर नाका ड्यूटी करने के लिए तैनात किया गया। सिपाही (जीडी) भागीरथ सिंह राठौड़ अपने निजी हथियार और गोला-बारूद के साथ एफडीपी संख्या 06/24 पर नाका ड्यूटी के लिए लगभग 19:30 बजे बीओपी विक्रम से निकले। जब वे एफडीपी संख्या 06/62 और 06/63 के बीच रास्ते में थे, तो अचानक पाकिस्तान की ओर से फ्लैट ट्रैजेक्टरी हथियारों के साथ-साथ 82 मिमी मोर्टार से भारी गोलीबारी हुई।

इस विकट परिस्थिति को भांपते हुए, सिपाही भागीरथ सिंह राठौड़ ने तुरंत ही पास के एक खेत के छोटे से टीले के पीछे लगभग डेढ़ घंटे तक अपनी पोजीशन लिए रखी। उन्हें 120वीं बटालियन बीएसएफ के उप कमांडेंट श्री केशव पांडे के नेतृत्व में बीओपी विक्रम की त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूआरटी) द्वारा बाहर निकाला गया और उन्हें बीओपी विक्रम पर वापस लौटने का निर्देश दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने साथी सैनिकों की सहायता करने की इच्छा व्यक्त की तथा बीओपी विक्रम के बजाय एफडीपी संख्या 06/64 पर उतारने का अनुरोध किया। तदनुसार, उनके अनुरोध पर उन्हें एफडीपी संख्या 06/64 पर उतारा गया और पाकिस्तानी रेंजर्स की पोस्ट से भारी गोलीबारी के बावजूद, वे अडिग रहे और अपने बीओपी पर वापस नहीं लौटे।

एफडीपी 06/64 पर पहुंचने के बाद, सिपाही भागीरथ सिंह राठौड़ ने 7.62 मिमी एलएमजी से पाकिस्तान की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। तकनीकी खराबी के कारण उक्त एलएमजी की गोलीबारी बंद हो गई। एफडीपी संख्या 06/64 से लगभग 500 मीटर दूर स्थित पाकिस्तान रेंजर्स पोस्ट इकबाल शहीद को मजबूर करने/उस पर हावी होने के लिए, सिपाही भगीरथ सिंह राठौड़ भारी गोलीबारी के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना 51 एमएम मोर्टार के साथ एफडीपी से बाहर खुले में आए और लगभग 08-12 मिनट तक पाकिस्तान रेंजर्स पोस्ट इकबाल

शहीद को निशाना बनाकर 05 हाई एक्सप्लोसिव (एचई) बम दागे। सिपाही भागीरथ सिंह राठौड़ की वीरतापूर्ण कार्रवाई और सटीक गोलीबारी के कारण दुश्मन को गोलीबारी रोकने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने जान-माल की हानि होने से बचाई।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के श्री भागीरथ सिंह राठौड़, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.10.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/161/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 37--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री गिरजेश कुमार उद्दे	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 अगस्त 2022 को, स्व. गिरजेश कुमार उद्दे को भारत-बांग्लादेश सीमा पर 145वीं बटालियन बीएसएफ, त्रिपुरा की संवेदनशील सीमा चौकी (बीओपी) सिमना-II पर तैनात किया गया। सिमना इलाके के सटे हुए क्षेत्र में नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के उग्रवादियों की बढ़ती गतिविधियों के बारे में आसूचना रिपोर्टें प्राप्त हुईं।

हेड कांस्टेबल, गिरजेश कुमार उद्दे के नेतृत्व में एक क्षेत्र वर्चस्व गश्ती दल, स्काउट के रूप में 08:10 बजे, बीओपी सिमना-II से निकला। ऑपरेशनल दल खतरनाक और जंगली इलाके में भारत-बांग्लादेश सीमा बाड़ (आईबीबीएफ) के साथ जीर्ण-शीर्ण ट्रैक पर चतुराई से आगे बढ़ा।

लगभग 08:50 बजे, चलते समय, हेड कांस्टेबल, गिरजेश कुमार उद्दे की सामरिक सूझबूझ को आईबीबीएफ के बांग्लादेश की तरफ एनएलएफटी के उग्रवादियों द्वारा घात लगाए जाने का आभास हुआ। कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए, उन्होंने तुरंत फील्ड सिग्नल के माध्यम से पीछे के सैनिकों को सतर्क कर दिया। इसके अलावा, साथी सैनिकों की जान बचाने के लिए उन्होंने उग्रवादियों पर गोलीबारी करने का अवसर बनाने के लिए वे आईबीबीएफ की तरफ बढ़े।

पहले जवाबी हमलावर के रूप में, उन्होंने अपनी सामरिक कुशलता का सर्वोत्तम उपयोग किया और वे जमीन पर रेंगकर आईबीबीएफ की ओर बढ़े लेकिन इससे पहले कि वे अपनी राइफल से गोली चला पाते, वे उग्रवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। गोलियों ने न केवल उनके हथियार को क्षतिग्रस्त कर बेकार कर दिया, बल्कि उनके दाहिने हाथ की बगल (आर्मपिट) और जांघ को भी भेद दिया। लेकिन गिरने से पहले भी उन्होंने अपने हथियार को उग्रवादियों की ओर मोड़ दिया और मौत के सामने भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया।

स्व. हेड कांस्टेबल, गिरजेश कुमार उद्दे ने विपरीत परिस्थितियों में कर्तव्य के निर्वहन में असाधारण बहादुरी और युद्ध के साहस का परिचय देते हुए न केवल अपने साथियों की जान बचाई, बल्कि आतंकवादियों के विरुद्ध असाधारण प्रतिशोध भी दिखाया, जिससे आतंकवादियों का दुस्साहस विफल हो गया, लेकिन दुर्भाग्यवश, उनके शरीर पर गोलियों की चोटें आईं और उन्होंने चोटों से दम तोड़ दिया।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के स्व. श्री गिरजेश कुमार उद्दे, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.08.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/162/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 38--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जीतू देउरी	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	रतन कुमार योगी	सिपाही	वीरता पदक
3.	अवधेश कुमार यादव	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

61वीं बटालियन बीएसएफ के निरीक्षक जीतू देउरी भारतीय संगठित पुलिस यूनिट-II (आईएनडीएफपीयू-2) के 15वें रोटेशन में शामिल थे, जो कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन शांति मिशन (एमओएनयूएससीओ) के भाग के रूप में कॉय ऑपरेटेड बेस (सीओबी) बुटेम्बो में तैनात थे। उनकी प्लाटून आईएनडीएफपीयू -2 की टुकड़ी का हिस्सा थी, जिसे संयुक्त राष्ट्र प्रतिष्ठानों और कार्मिकों की सुरक्षा संभालने के लिए बुटेम्बो भेजा गया था।

दिनांक 26 जुलाई, 2022 को 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने सीओबी बुटेम्बो को घेर लिया। पुलिस नेशनल कांगोलेस के हटने के बाद कुछ ही समय में भीड़ हिंसक हो गई। आक्रामक भीड़ ने सीओबी बुटेम्बो पर पत्थरों और मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) से हमला किया। उन्होंने परिधि की दीवार को तोड़ दिया और सीओबी के अंदर टेंटों में आग लगा दी। आईएनडीएफपीयू सदस्यों की जान पर मंडराते खतरे को देखते हुए, निरीक्षक जीतू देउरी ने परिसर में घुसे विद्रोहियों की ओर से छोटे हथियारों की गोलीबारी के बीच एक सुरक्षा स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर अपने सैनिकों को संगठित किया। अधिकारियों ने तुरंत 38 निहत्थे संयुक्त राष्ट्र कार्मिकों को निकालने का फैसला किया, जिन्होंने सीओबी के अंदर शरण ली हुई थी, ताकि उन्हें आगे हवाई मार्ग से बेनी ले जाने के लिए बुटेम्बो हवाई अड्डे पर ले जाया जा सके। दल के कमांडर द्वारा यह कार्य निरीक्षक जीतू देउरी को सौंपा गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, निरीक्षक जीतू देउरी ने संयुक्त राष्ट्र कार्मिकों को निकालने के लिए तीन बख्तरबंद वाहनों में दो भागों वाले एक त्वरित कार्रवाई दल(क्यूआरटी) का गठन किया।

सीओबी से निकलते ही निकासी दल को भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। उन्हें कई सड़क अवरोधों का सामना करना पड़ा और निकासी स्थान तक 08 किलोमीटर की पूरी यात्रा के दौरान लगातार छोटे हथियारों तथा मोलोटोव कॉकटेल के हमले का सामना करना पड़ा।

इतनी भारी मुश्किलों और जान को गंभीर खतरे के बावजूद, निरीक्षक जीतू देउरी ने अपनी क्यूआरटी का नेतृत्व करते हुए रास्ते में सभी बाधाओं और गोलीबारी का सामना करते हुए तीक्ष्ण सामरिक कौशल और साहस का परिचय दिया। उनके साहस और धैर्य के उच्चतम स्तर ने उनकी टीम के सदस्यों के लिए एक मिसाल कायम की, जिसके परिणामस्वरूप सैनिकों और बचाए जाने वाले कार्मिकों में से किसी के हताहत हुए बिना 38 निहत्थे संयुक्त राष्ट्र कार्मिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सिपाही रतन कुमार योगी, 75वीं बटालियन बीएसएफ को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन शांति मिशन (एमओएनयूएससीओ) के लिए भारतीय संगठित पुलिस यूनिट के 15वें रोटेशन के भाग के रूप में सीओबी बुटेम्बो में तैनात किया गया था। दिनांक 26 जुलाई, 2022 को, सीओबी बुटेम्बो पर 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने भारी हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने सीओबी पर पत्थरबाजी की, मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) फेंके और छोटे हथियारों से हमला किया। सिपाही रतन कुमार योगी ने भारी मुश्किलों के बावजूद अनुकरणीय साहस और बहादुरी का परिचय दिया और सीओबी के पूर्वी कोने की रक्षा करने के अपने निर्धारित कार्य को दृढ़ता से करते रहे। उन्होंने न केवल सच्चे साहस का परिचय दिया, बल्कि प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों की आक्रामक कार्रवाई का मुकाबला करने में तीक्ष्ण सामरिक कौशल का भी परिचय दिया। वे क्यूआरटी का भी हिस्सा थे, जिसने लगातार हमलों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र के 38 कार्मिकों को बुटेम्बो हवाई अड्डे पर पहुंचाने के लिए कई यात्राएं की थीं। भारी बाधाओं के बावजूद उनकी दृढ़ कार्रवाई ने सीओबी की रक्षा करने और निहत्थे संयुक्त राष्ट्र कार्मिकों की जान बचाने में प्रमुख योगदान दिया।

123वीं बटालियन बीएसएफ के सिपाही अवधेश कुमार यादव को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन शांति मिशन (एमओएनयूएससीओ) के लिए भारतीय संगठित पुलिस यूनिट के भाग के रूप में चुना गया था। आईएनडीएफपीयू-2 को 04 मई 2022 से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में तैनात किया गया था।

दिनांक 26 जुलाई 2022 को, 500 से अधिक हिंसक प्रदर्शनकारियों ने तीन अलग-अलग दिशाओं से एक साथ कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के सीओबी बुटेम्बो पर हमला किया। सशस्त्र विद्रोहियों द्वारा पत्थरबाजी, मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) और स्वचालित हथियारों से गोलीबारी के माध्यम से भारी हमले के बावजूद, 123वीं बटालियन बीएसएफ के सिपाही अवधेश कुमार यादव ने विद्रोहियों का मुकाबला करना

जारी रखा, गोलीबारी की और प्रदर्शनकारियों/विद्रोहियों को परिधि की दीवार के टूटे हुए हिस्से से भीतर घुसने से रोका। सिपाही अवधेश कुमार यादव ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अनुकरणीय साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया और संयुक्त राष्ट्र के कार्मिकों की जान बचाई तथा आगे उन्हें बुटेम्बो हवाई अड्डे तक पहुँचाने में भी मदद की। उनके पेशेवर आचरण तथा अत्यधिक दबाव में सही रणनीतिक निर्णयों के परिणामस्वरूप हिंसक आंदोलनकारियों और सशस्त्र विद्रोहियों द्वारा सीओबी को नष्ट किए जाने से बचाया जा सका।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सर्व/श्री जीतू देउरी, निरीक्षक, रतन कुमार योगी, सिपाही और अवधेश कुमार यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.07.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/163/2024 - पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 39--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं: —

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विनय कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	गोबिन्दा बारो	सिपाही	वीरता पदक
3.	खुशी राम चौधरी	सिपाही	वीरता पदक
4.	खंडारे रौशन रामदास	सिपाही	वीरता पदक
5.	विरेन्द्र सिंह राजपूत	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 को लगभग 22:30 बजे, पुलिस स्टेशन पंथा चौक, श्रीनगर के अंतर्गत गमांदर मोहल्ले में भारी मात्रा में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक आसूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट की समग्र कमान में वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ की 02 एचआईटी (हाउस इंटरवेंशन टीम), एसओजी श्रीनगर तथा पुलिस स्टेशन पंथा चौक के पुलिस घटक के साथ लगभग 23:59 बजे गमांदर मोहल्ले में पहुंचीं और उस क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। उक्त स्थान पर पहुंचने के बाद, वैली क्यूएटी की एक टीम के द्वारा संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी की गई। घर-घर जाकर तलाशी के दौरान, एक विशिष्ट घर की पहचान की गई, क्योंकि सैन्य दलों द्वारा घर खोलने के लिए पुकारे जाने पर कोई उत्तर नहीं मिला था। जब श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में तलाशी दल संदिग्ध घर के निकट पहुंचा, तो भीतर छिपे आतंकवादियों द्वारा उन पर गोलीबारी की गई। वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ की टीम ने तुरंत ही जवाबी कार्रवाई की।

सटे हुए घरों से आम नागरिकों को सुरक्षित निकालने के बाद, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट की कमान में एचआईटी, सिपाही/चालक विरेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा चालित मार्क्समैन बीपी वाहन की मदद से एक संकरी गली से होकर लक्षित घर की ओर आगे बढ़ी। जब मार्क्समैन बीपी वाहन की हैडलाइटों से मार्ग में रौशनी हुई, तो आतंकवादियों ने लक्षित घर को खाली कर दिया और उन्होंने पत्थरों के पीछे कवर ले लिया तथा ग्रेनेड फेंके और उसके बाद भारी गोलीबारी की, जिसके बारे में यह पता चला कि वह आगे बढ़ रहे सैन्य दल पर चलाई गई कवच भेदी गोली थी, जिसके परिणामस्वरूप उपर्युक्त वाहन के सामने वाले टायर क्षतिग्रस्त हो गए और श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, सिपाही गोबिन्दा बारो और सिपाही खुशी राम चौधरी गोली के छर्रे लगने से घायल हो गए।

तत्पश्चात्, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथियों ने देखा कि आतंकवादी अंधेरे और धुंए का फायदा उठाकर टीम पर गोलीबारी करते हुए भाग रहे हैं। टीम को अधिकतम कवर प्रदान करने के लिए सिपाही/चालक विरेन्द्र सिंह राजपूत ने अपने वाहन को रणनीतिक ढंग से खड़ा कर दिया ताकि गोलियां मार्क्समैन वाहन पर लगें। तथापि, एक आतंकवादी द्वारा चलाई गई गोली सिपाही गोबिन्दा बारो की दाईं टांग में लगी। श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने अपने साथी की सहायता से सिपाही गोबिन्दा बारो को ऑपरेशन स्थल से रणनीतिक ढंग से बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें एक दूसरे वाहन से 92 आर्मी बेस अस्पताल, श्रीनगर पहुंचाया। आतंकवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड फेंककर घेराबंदी को तोड़ने के प्रयास के बावजूद, श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी सिपाही खुशी राम चौधरी और सिपाही खंडारे रौशन रामदास बच निकलने के मार्गों को ब्लॉक करने के लिए मार्क्समैन बीपी वाहन के पीछे कवर लेकर आगे बढ़े। सिपाही/चालक विरेन्द्र सिंह राजपूत ने यह पता होने के बावजूद कि आतंकवादी कवच भेदी गोलीबारी कर रहे हैं, विलक्षण साहस और पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करते हुए गोलियों की बौछार के बीच मार्क्समैन वाहन को चलाया।

अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने अपने साथियों के साथ बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और शेष आतंकवादियों को नजदीकी लड़ाई में मार गिराया। तत्पश्चात, मुठभेड़ के बाद सम्पूर्ण क्षेत्र की गहन तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से तीन आतंकवादियों के शव बरामद हुए जिनकी पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के सुहैल अहमद राथर, श्रेणी ग, अबु लुकमान, श्रेणी क+ और रजाक भाई, श्रेणी क++ के रूप में की गई, जिनके पास से 03 एके 56 राइफल, एके 56 राइफल की 07 मैगजीन, एके 56 के 50 कारतूस और 01 चीनी ग्रैनेड बरामद हुए।

मुठभेड़ स्थल पर कोई अतिरिक्त क्षति नहीं हुई अथवा आम नागरिकों को चोट नहीं पहुंची। इस ऑपरेशन को रियल-टाइम योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाकर अदम्य साहस और हिम्मत के साथ एक पेशेवर ढंग में अंजाम दिया गया। मारे गए आतंकवादी अनेक गतिविधियों में शामिल थे और उन्होंने सुरक्षा बलों (एसएफ) को हताहत करने, विशेष रूप से 13 दिसम्बर, 2021 को जेवान कैंप, पंथा चौक के निकट जम्मू और कश्मीर सशस्त्र पुलिस की एक बस पर हमला करने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी, जिसमें जम्मू और कश्मीर सशस्त्र पुलिस के तीन कार्मिक वीरगति को प्राप्त हुए थे और अन्य कार्मिकों को गंभीर चोटें आईं थी। इस प्रकार, इन तीनों आतंकवादियों का सफाया सैन्य दलों की एक महत्वपूर्ण और सराहनीय उपलब्धि माना जाता है।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सर्व/श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट, गोबिन्दा बारो, सिपाही, खुशी राम चौधरी, सिपाही, खंडारे रौशन रामदास, सिपाही और विरेन्द्र सिंह राजपूत, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.12.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/14/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 40--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री सुनील कुमार पाण्डेय	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय दिनांक 28.02.2020 से, गांव बोरडुमसा, जिला चांगलांग, अरुणाचल प्रदेश में तैनात 186 सीआरपीएफ की एफ कम्पनी में ड्यूटी कर रहे थे। दिनांक 06.09.2023 को, विश्वसनीय सूत्रों से असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के सामान्य क्षेत्र में निषिद्ध पदार्थों की तस्करी के संबंध में एक विशिष्ट आसूचना प्राप्त हुई। लगभग 16:15 बजे, हेड कांस्टेबल सुजॉय नंदी के नेतृत्व में एफ/186 के सिपाही नरेन्द्र सिंह, सिपाही आशुतोष ओझा और सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय उक्त आसूचना की पुष्टि करने के लिए गए तथा एक सुदृढ़ दल को कम्पनी की तैनाती के स्थान पर रिजर्व में रखा गया, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके। हेड कांस्टेबल सुजॉय नंदी के नेतृत्व वाले दल

को दो समूहों में बांटा गया: हेड कांस्टेबल सुजॉय नंदी और सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय वाला एक समूह खुद बोरडुमसा (असम) के माधापुर बाजार के टी-जंक्शन पर तैनात हो गया, जो अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर से 100 मीटर की दूरी पर है। स्रोत से यह अतरिक्त जानकारी मिलने पर वे सतर्क हो गए कि संदिग्ध व्यक्ति एक मोटर बाइक पर सवार होकर बाजार की तरफ जा रहे हैं। अचानक, संदिग्ध व्यक्ति बाइक से उस स्थान पर पहुंच गए, जहां हेड कांस्टेबल सुजॉय नंदी और सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय तैनात थे। बाइक सवार व्यक्तियों को देखने और मुखबिर द्वारा बताये गए हुलिए की पहचान करने पर, उन्होंने बाइक सवार व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया। तथापि, बाइक सवारों ने बच निकलने की कोशिश की, परन्तु वे ऐसा नहीं कर पाए और वे बाइक से नीचे गिर गये। निहत्था होने के वाबजूद, सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय ने असाधारण साहस एवं दृढ़ निश्चय का परिचय दिया और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक संदिग्ध व्यक्ति को दबोच लिया। तथापि, इस प्रयास के दौरान अन्य संदिग्ध व्यक्तियों ने एक चाकू से सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय पर कपटपूर्ण एवं क्रूर हमला किया। चाकू से किए गए इस असंभावित हमले की वजह से बहादुरी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय ने दुखद रूप से वीरगति को प्राप्त किया। उक्त सूचना प्राप्त होने पर, नामसाई में तैनात क्यूएटी/186, नामपोंग में तैनात जोनल क्यूएटी-I, पुलिस स्टेशन बोरडुमसा (असम) की टीम और पुलिस स्टेशन-बोरडुमसा (अरुणाचल प्रदेश) की टीम सहायता के लिए शीघ्र घटनास्थल पर पहुंची। सिपाही सुनील कुमार पाण्डेय को वहां से निकालकर राजकीय सिविल अस्पताल, बोरडुमसा ले जाया गया, जहां उनका उपचार कर रहे डॉक्टरों ने उन्हें मृत लाया हुआ घोषित कर दिया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन बोरडुमसा, जिला-तिनसुकिया (असम) में दिनांक 06.09.2023 को एफआईआर संख्या 0037 दर्ज की गई। तत्पश्चात, दोनों हमलावरों को स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और बोरडुमसा पुलिस (असम) द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के स्व. श्री सुनील कुमार पाण्डेय, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 06.09.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/190/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 41---प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	धनाराजू मट्टा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	घोड़के प्रकाश आर	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	सोमपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	टी एच जॉन थ्रो	सिपाही	वीरता पदक
5.	मुशाहिद अली	सिपाही	वीरता पदक
6.	सिरसठ विकास आनन्दा	सिपाही	वीरता पदक
7.	हरदेव सैनी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

अभिजीत यादव उर्फ बनवारी, जेडसीएम के नेतृत्व में सीपीआई माओवादी कैडरों के एक समूह की बिहार के गया और औरंगाबाद, जिलों के अंतर्गत चकरबंधा वन में गतिविधि के संबंध में प्राप्त आसूचना के आधार पर, बिहार पुलिस के साथ-साथ 205 कोबरा और 153 एवं 159 सीआरपीएफ द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

योजना के अनुसार, कोबरा हमलावर टीमें आम नागरिकों के पैटर्न वाले वाहनों से लक्षित क्षेत्र के निकट पहुंची और उसके बाद सभी प्रकार की सावधानियां बरतते हुए औचक तथा गोपनीयता बनाए रखकर लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ीं। लगातार हो रही बारिश और दुर्गम क्षेत्र का सामना करते हुए अंधेरी रात में चलकर घने कंटीले वन से गुजरने के बाद हमलावर टीमों ने अपने-अपने संबंधित लक्षित क्षेत्रों में प्रवेश किया तथा रणनीतिक ढंग में तलाशी शुरू कर दी। दिनांक 25 जुलाई, 2019 की सुबह इलाके की तलाशी करते हुए हमलावर टीम-1 सतनाडिया नाले पर पहुंची और वह 2 उप टीमों में बंट गई। उन्होंने समानांतर चलते हुए तलाशी करना जारी रखा, ताकि एक बड़े क्षेत्र को कवर किया जा सके। सतनाडिया नाले के निकटवर्ती क्षेत्र में तलाशी करने के बाद, उप टीम-1 सतनाडिया नाले के दक्षिण में स्थित एक पहाड़ी की ओर आगे बढ़ी। ढ़लान पर चढ़ते हुए, सैनिकों ने देखा कि पहाड़ी पर ऊपर की ओर जाने वाले एक रास्ते पर आईईडी लगा रखी गई है। टीम कमांडर श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने तत्काल सैनिकों को सतर्क किया और जल्दी से योजना तैयार करके दो दिशाओं से चढ़ाई करना शुरू कर दिया। उक्त टीमें कुछ दूरी तक ही पहुंची थीं कि टीम-1 के अग्रणी दल पर प्रभुत्व वाले ऊंचे स्थानों से भारी गोलीबारी की गई। इससे पहले की सैनिक जवाबी कार्रवाई करते, गोलीबारी के बाद क्रमवार 5 आईईडी विस्फोट किए गए। श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट, हेड कांस्टेबल धनाराजू मट्टा, सिपाही टी एच जॉन थ्रो, हेड कांस्टेबल सोमपाल सिंह, हेड कांस्टेबल घोड़के प्रकाश आर, सिपाही मुशाहिद अली, सिपाही हरदेव सैनी और सिपाही सिरसठ विकास आनन्दा वाला अग्रणी दल माओवादियों के मारक क्षेत्र में बुरी तरह फंस गया। तुरंत कार्रवाई करते हुए, उन्होंने तत्काल कवर ले लिया और जवाबी हमला शुरू कर दिया।

सैनिकों के जीवन पर एक गंभीर खतरा मंडरा रहा था। इस स्थिति को भांपते हुए, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने जवाबी हमला तेज कर दिया और इस मुठभेड़ के बारे में कमान बेस को भी सूचना पहुंचा दी। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के बीच, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट टीम के फंसे हुए अन्य कार्मिकों के साथ रेंगकर गोलीबारी करते हुए माओवादियों की ओर आगे बढ़े। परंतु इस कार्रवाई से माओवादी विचलित नहीं हुए क्योंकि वे पत्थरों और पेड़ों के सुरक्षित कवर के पीछे छिपे हुए थे तथा उन्होंने ऊंचे प्रभुत्व वाले स्थानों पर कब्जा कर रखा था। माओवादियों ने उनकी ओर आने वाले मार्गों पर आईईडी, जो बीच-बीच में फट रही थीं, बिछाकर अपनी सुरक्षा को भी मजबूत कर रखा था।

स्थिति की गंभीरता और समय की मांग को समझते हुए, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने पूरी ताकत के साथ सामने से हमला करने का एक साहसिक निर्णय लिया। सिपाही टी एच जॉन थ्रो, हेड कांस्टेबल सोमपाल सिंह और हेड कांस्टेबल धनाराजू मट्टा के साथ सामने से नेतृत्व करते हुए, वे गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति का उपयोग करते हुए माओवादियों की रक्षा प्रणाली के सामने की ओर आगे बढ़े। भारी गोलीबारी के बीच ढ़लान पर चढ़ते हुए, सैनिक माओवादियों के ठिकाने के पास पहुंच गए। कोबरा कमांडो की अप्रत्याशित और साहसिक कार्रवाई ने माओवादियों को स्तब्ध कर दिया। इससे पहले की वे कोई कार्रवाई करते, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने अतुलनीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए खड़े रहकर भारी गोलीबारी की और एक माओवादी को मार गिराया। तथापि, चूंकि माओवादियों ने सुरक्षित पोजीशन ले रखी थी, अतः उनको संभलने में ज्यादा समय नहीं लगा। उन्होंने आगे बढ़ रहे सैनिकों के ठीक सामने एक आईईडी से विस्फोट किया। त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन करते हुए, सैनिकों ने न केवल स्वयं को आईईडी के असर से बचाया, बल्कि वे दूसरे जवाबी हमले के लिए तैयार भी हो गए।

उभरती हुई स्थिति और आईईडी के खतरे का विश्लेषण करते हुए, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने दूसरी त्वरित जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। वे हेड कांस्टेबल धनाराजू मट्टा, सिपाही टी एच जॉन थ्रो और हेड कांस्टेबल सोमपाल सिंह के साथ माओवादियों पर बाईं ओर से हमला करने के लिए आगे बढ़े, जबकि हेड कांस्टेबल घोड़के प्रकाश आर, सिपाही/जीडी मुशाहिद अली और सिपाही सिरसठ विकास आनन्दा को दाईं ओर से हमला करने का आदेश दिया। उसी समय, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने शेष सैनिकों को भी माओवादियों के ठिकाने पर यूबीजीएल दागने का आदेश दिया। जब माओवादी बाईं ओर से हमला करने में व्यस्त थे, पीछे की ओर से यूबीजीएल के हमले और दाईं ओर से एक नए जवाबी हमले ने उनको चौंका दिया। इस अवसर का लाभ उठाकर, बहादुर कार्मिकों ने दाईं ओर से माओवादियों पर धावा बोल दिया और उनमें से दो माओवादियों को मार गिराया। इसी बीच, श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट ने उनको पीछे से घेरने के लिए एक छोटी टीम तैयार की। इस भीषण और सामरिक जवाबी हमले ने माओवादियों को तितर-बितर कर दिया और उन्होंने भागना शुरू कर दिया। सैनिकों ने लगभग 300-400 मीटर उनका पीछा किया, परंतु माओवादी घने जंगल और उक्त क्षेत्र के संबंध में अपनी जानकारी का लाभ उठाकर भागने में सफल हो गए।

गोलीबारी बंद हो जाने के बाद, सैनिकों ने उस क्षेत्र की गहन तलाशी ली और 1 एकेएम राइफल, 3 इंसास राइफलों, 1 यूएस कार्बाइन, एक .303 राइफल, 1 कार्बाइन, 4 आईईडी और गोलाबारूद के एक बड़े जखीरे के साथ 03 माओवादियों के शव बरामद किए। मुठभेड़ स्थल पर खून के धब्बों से यह पता चला की लगभग 4-5 अन्य माओवादी गोली लगने से घायल हो गए थे, परन्तु वे बच निकले।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सर्व/श्री धनाराजू मट्टा, हेड कांस्टेबल, घोड़के प्रकाश आर, हेड कांस्टेबल, सोमपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, टी एच जॉन थ्रो, सिपाही, मुशाहिद अली, सिपाही, सिरसठ विकास आनन्दा, सिपाही और हरदेव सैनी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.07.2019 से दिया जाएगा।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 42--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री हरिमोहन सिंह भण्डारी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 जून, 2016 को, गांव-मलवाड़ी (नेवा), पुलिस स्टेशन तथा जिला-पुलवामा, जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस अधीक्षक पुलवामा से सूचना प्राप्त होने पर, श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट, 183वीं बटालियन, सीआरपीएफ की कमान में 183 बटालियन के सैनिकों ने एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा 55 आरआर के साथ एक घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया। संयुक्त सैन्य बलों के कमांडरों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श के बाद एक विस्तृत रणनीति तैयार की गई और तदनुसार, लक्षित घर के चारों ओर रणनीतिक घेराबंदी की गई। श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट की कमान में 183वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैनिकों को 55 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ भीतरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। लक्षित घर के निकट रणनीतिक ढंग में 183वीं बटालियन सीआरपीएफ के दो बंकर भी लगाए गए।

मासूम आम नागरिकों की जान बचाने के लिए, सर्वप्रथम लक्षित क्षेत्र से स्थानीय निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, समुचित सावधानी बरतते हुए, सैनिकों ने निकटवर्ती आवासीय घरों से आम नागरिकों को बाहर निकालकर एक सुरक्षित क्षेत्र में पहुंचाया। उसके बाद, सैनिक लक्षित घर के निकटवर्ती घरों में तैनात हो गए। उप-निरीक्षक हरिमोहन सिंह भण्डारी के साथ श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट ने लक्षित घर के सामने वहां उपलब्ध कवर के पीछे पोजीशन ले ली।

जब सैनिक लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ रहे थे, आतंकवादियों ने सैनिकों की मौजूदगी/गतिविधि को भांप लिया और उन्होंने बच निकलने के प्रयास में सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके बाद ग्रेनेड फेंका। वह ग्रेनेड उस स्थान के नजदीक आकर गिरा, जहां श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट और उनकी टीम ने पोजीशन ले रखी थी। उस स्थिति में तत्काल कार्रवाई करते हुए सैनिकों ने एक चमत्कारिक ढंग में स्वयं को उस मारक हमले से बचाया, क्योंकि गोलियों और ग्रेनेड के छर्रे अपने लक्ष्य से जरा सा चूक गए थे। इसी बीच, सैनिक हरकत में आए और उन्होंने आतंकवादियो की गोलीबारी का जवाब दिया। संभावित खतरों से विचलित हुए बिना, श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट, उप-निरीक्षक हरिमोहन सिंह भण्डारी और सिपाही राजेश शाह ने आतंकवादियों पर प्रभावकारी गोलीबारी की तथा उन्हें बच निकलने के और अधिक प्रयास करने से रोक दिया। इस जवाबी कार्रवाई में 55 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सैनिकों द्वारा सहायता की गई। सुरक्षा बलों की प्रभावकारी और त्वरित जवाबी कार्रवाई ने आतंकवादियों को स्तब्ध कर दिया क्योंकि वे कुछ समय तक जवाबी कार्रवाई नहीं कर सके।

सुरक्षा बलों से चोट खाए आतंकवादियों ने स्थिति की समीक्षा की और एक लम्बी खामोशी के बाद, सैनिकों की पोजीशन का पता लगाकर उन्होंने सैनिकों पर पुनः अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसे एक बार फिर से विफल कर दिया गया। यह देखकर कि सुरक्षा बलों पर गोलियों का कोई भी असर नहीं पड़ रहा है, आतंकवादियों ने श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट, जो उनके बच निकलने के रास्ते में चट्टान की तरह डटे हुए थे और बाधा बने हुए थे, की ओर एक और ग्रेनेड फेंका। सैनिकों की तीव्रता और प्रतिक्रिया ने ग्रेनेड हमले के प्रभाव को फिर से विफल कर दिया। आतंकवादियों के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई करते हुए, श्री विनय आनंद प्रकाश ने यह महसूस किया कि आतंकवादी उस स्थान से बच निकलने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं और सैनिकों पर अपने हमले को तेज कर सकते हैं। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को कोई क्षति पहुंचाने अथवा उस स्थान से बच निकलने से पहले उनका सफाया करने के लिए एक एडवांस रणनीतिक कार्रवाई की आवश्यकता थी। केवल साहसिक प्रयास का ही एक मात्र विकल्प बचा था। इस स्थिति में, श्री विनय आनंद प्रकाश, कमाण्डेंट ने एक कमांडर के सच्चे गुणों का प्रदर्शन करते हुए यह जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया। वे जोखिम की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए और अनुकरणीय बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए अपने कवर से बाहर निकले और आतंकवादियों पर भीषण हमला किया।

इसी बीच, अपने कमांडर का इशारा पाकर उप-निरीक्षक हरिमोहन सिंह भण्डारी भी बहादुरी के इस कार्रवाई में शामिल हो गए और उन्होंने प्रभावकारी गोलीबारी से आतंकवादियों पर हमला किया। उपर्युक्त दोनों कार्मिकों की निर्भीक और साहसिक कार्रवाई में सिपाही

राजेश शाह द्वारा सहायता की गई। आतंकवादियों द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी के बावजूद, उन्होंने शत्रुओं पर गोलियों की बौछार की। बहादुर कार्मिकों द्वारा की गई निर्भीक और साहसिक कार्रवाई ने आतंकवादियों के हौसले को पस्त कर दिया और उनका सफाया कर दिया। इस मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, सैनिकों ने दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के अबु अयान, श्रेणी-'ए', निवासी पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मंजूर अहमद डार, श्रेणी-'बी', पुत्र अब्दुल राशिद डार, निवासी केसरी गांव गुंडीबाग, काकापोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों से एक एके राइफल, मैगजीन के साथ एक पिस्तौल और गोलाबारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के श्री हरिमोहन सिंह भण्डारी, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.06.2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/07/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 43--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं: —

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेन्द्र यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	अमित कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	पुगालेंधी वी	सिपाही	वीरता पदक
4.	रंजन कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	राणा जुल्फकार अली	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28 जून, 2021 को शालतेंग और नरबल के बीच श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों पर एक संभावित आतंकवादी हमले के संबंध में प्राप्त आसूचना के आधार पर, सीआरपीएफ वैली क्यूएटी की 04 एचआईटी ने आतंकवादियों के शैतानी इरादे को विफल करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर अपनी-अपनी पोजीशन ले ली। परिणामस्वरूप, एक वाहन में सवार खूंखार आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया और संयुक्त पूछताछ में यह पता चला कि उसने अपनी एके 47 राइफल मलूरा के किसी घर में छिपा रखी है।

गिरफ्तार किए गए आतंकवादी द्वारा दी गई सूचना के आधार पर, वैली क्यूएटी, सीआरपीएफ, एसओजी और 2 आरआर ने एक ऑपरेशन शुरू किया। उक्त टीमों ने 15:10 बजे लक्षित घर, जो श्रीनगर के बाहरी इलाके में झेलम नदी के किनारे पर स्थित था, के चारों ओर घेराबंदी कर ली। योजना के अनुसार, उक्त टीमों को एक सिविल वाहन का उपयोग करके अचानक भीतरी घेराबंदी करनी थी। तदनंतर, अतिरिक्त टीमें भी शामिल हो जातीं, ताकि घेराबंदी को सुदृढ़ किया जा सके।

योजना बनाने के चरण के दौरान, प्रत्येक टीम को अलग-अलग भूमिकाएं सौंपी गई। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम को संदिग्ध घर को सामने की तरफ से कवर करने का कार्य सौंपा गया। श्री एल.सी. रवि, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व वाली टीम को दाईं तरफ को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी दी गई। पीछे की तरफ की जिम्मेदारी श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी और उनकी टीम को सौंपी गई। श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट को संदिग्ध घर के आंगन के प्रवेश द्वार को कवर करने का कार्य सौंपा गया। अंत में, बाईं दिशा को श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व वाली टीम द्वारा कवर किया जाना था।

श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने संदिग्ध घर के सिविल निवासियों के साथ संपर्क करने के लिए एक यूएवी ब्रॉडकास्टर का उपयोग किया तथा उनसे परिसर को खाली करने का अनुरोध किया। तदनंतर, घोषणाओं का अनुपालन करते हुए एक परिवार, जिसमें एक पुरुष, दो

महिलाएं और एक बच्चा शामिल थे, लक्षित घर से बाहर निकले। तथापि, उनके बाहर आने के तुरंत बाद एक आतंकवादी, जो घर के भीतर छुपा हुआ था, ने श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व वाले घेराबंदी दल पर एके 47 और यूबीजीएल से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हमलावर टीम की प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई ने आतंकवादी को वापस घर के पिछले हिस्से में जाने के लिए विवश कर दिया।

आतंकवादी की गतिविधि को नियंत्रित करने और घर में घुसने का रास्ता बनाने के लिए, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ परामर्श करके क्रमिक ढंग में एमजीएल और आरएल का उपयोग करने का निर्णय लिया। तीन आरएल टुकड़ियां गठित की गईं: पहली टुकड़ी श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में, दूसरी टुकड़ी श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में और तीसरी टुकड़ी श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में थी।

तदनुसार, एमजीएल और आरएल से अलग-अलग दिशाओं से गोलीबारी की गई। प्रभावकारी गोलीबारी में घिर जाने पर छिपे हुए आतंकवादी ने श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व वाले दल पर गोलियों की बौछार की और अपने यूबीजीएल से ग्रेनेड चलाकर लक्षित घर के पीछे की दिशा से घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया।

तथापि, श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट ने साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया और प्रभावकारी ढंग में जवाबी कार्रवाई की, परन्तु एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान वे गोली लगने से घायल हो गए। सिपाही राणा जुल्फकार अली, जो श्री सतेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के साथ ही आगे बढ़ रहे थे, भीषण बंदूक की लड़ाई में अपने कमांडर को घायल होता हुआ देखकर, लगातार हो रही गोलीबारी के सामने आने का जोखिम उठाकर एक खुले क्षेत्र में निकल आए और उन्होंने अपने घायल कमांडर को सुरक्षित निकलने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वहां कुछ ऐसे कमरे थे, जहां एमजीएल का ज्यादा असर नहीं पड़ा और आतंकवादी घर के भीतर आसानी से इधर-उधर आ-जा रहा था। आतंकवादी द्वारा लक्षित घर के भीतर वापस जाने के बाद, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व वाली आरएल टुकड़ी को घर के सामने की तरफ में 84 एमएम आरएल राउंड से हमला करने का निर्देश दिया। आरएल टुकड़ी ने छत पर अपनी पोजीशन ले ली और ड्रोन की सहायता से एक कोने में छिपे हुए आतंकवादी को देखा तथा इस स्थान की ओर आरएल से गोलीबारी की गई।

और विचार-विमर्श करने के बाद, श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने घर में आग लगाने के लिए अग्नि वर्षा नामक एक फ्लेम थ्रोवर का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया। आतंकवादी से मिल रही लगातार धमकियों के बावजूद, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट वैली क्यूएटी की एक टीम के साथ एक बीपी वाहन में लक्षित घर के निकट पहुंचे और अग्नि वर्षा के द्वारा तेल छिड़ककर घर को आग लगा दी। तथापि, आग ज्यादा देर तक नहीं जली। समुचित विचार-विमर्श के पश्चात, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथियों, एसओजी के छोटे घटक और अन्य कार्मिकों को शामिल करके छोटी टीमें गठित करने का निर्णय लिया गया, ताकि घर में प्रवेश किया जा सके।

निरंतर खतरे के बावजूद, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में घर में प्रवेश करने वाली टीमें लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं। अत्यधिक प्रशिक्षित आतंकवादी ने आगे बढ़ रही टीम की ओर गोलियों की बौछार से हमला किया। सौभाग्य से, टीम रणनीतिक ढंग में आगे बढ़ गई और गोलीबारी से बाल-बाल बचने में सफल हो गई। टीम ने दृढ़ निश्चय और निडरता के साथ भारी गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और श्री विनय कुमार, सहायक कमाण्डेंट तथा अन्य कार्मिकों ने अपने संबंधित साथियों के साथ दो टीमों में बंटने और दो दिशाओं से आतंकवादी को घेरने का निर्णय लिया, क्योंकि आतंकवादी लगातार भूतल पर इधर-उधर आ-जा रहा था।

उसी समय, आतंकवादी ने इस टीम की ओर एक ग्रेनेड फेंका। यह ग्रेनेड उनसे कुछ दूरी पर गिरा और टीम ने तत्काल ईंटों के एक ढ़ेर के पीछे कवर ले लिया और वे विस्फोट से बाल-बाल बच गए। श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट और उनका साथी धुंए का लाभ उठाकर उस कमरे की बाईं तरफ आगे बढ़े, जहां से आतंकवादी गोलीबारी कर रहा था और उन्होंने खिड़की को कवर कर लिया। इससे पहले कि आतंकवादी कोई प्रतिक्रिया देता, दोनों टीमों ने उस पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी से जवाबी हमला किया और उक्त टीमें भी जवाबी कार्रवाई करती रहीं। कुछ देर की खामोशी के बाद, टीमों ने घायल आतंकवादी को चीखते हुए सुना। उन्होंने देखा कि आतंकवादी भागकर पीछे की तरफ से घर से बाहर कूद गया।

श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, सिपाही रंजन कुमार और सिपाही पुगालेंधी वी के साथ घेराबंदी से आतंकवादी की ओर आगे बढ़े। आतंकवादी की निरंतर गोलीबारी के बावजूद अडिग टीमों ने उसे उलझाए रखा। सभी दिशाओं से घिरा हुआ पाकर आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादी ने आगे बढ़ रही टीमों की ओर एक ग्रेनेड फेंकने का प्रयास किया, परन्तु श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी ने सिपाही रंजन कुमार और सिपाही पुगालेंधी वी के साथ उसके इरादे को भांपकर टीमों को सतर्क कर दिया। अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए, श्री अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट अपने साथियों और श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, सिपाही राजन कुमार और सिपाही पुगालेंधी वी के साथ अपने कवर से बाहर आ गए। इससे पहले कि आतंकवादी ग्रेनेड फेंकता, सभी तीनों दलों ने गोलीबारी शुरू कर दी और नजदीक से उसे मार गिराया। मुठभेड़ के बाद की तलाशी में एक और आतंकवादी का शव बरामद हुआ। इस मुठभेड़ के दौरान, लश्कर-ए-तैयबा के 02 खूंखार आतंकवादियों का सफाया किया गया और साथ ही 2 एके सीरीज राइफलें, 2 एके मैगजीनें, 13 एके कारतूस और 1 यूबीजीएल

बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के अब्रार नदीम भट्ट, श्रेणी 'ए+' और बाबर नदीम उर्फ हाफिज उर्फ उकाशा उर्फ मुस्लिम श्रेणी 'ए++' के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सर्व/श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, अमित कुमार, सहायक कमाण्डेंट, पुगालेंधी वी, सिपाही, रंजन कुमार, सिपाही और राणा जुल्फकार अली, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.06.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/71/2023-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 44--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	चन्द्रमणि मजूमदार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अमन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	स्व. रवि शर्मा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक (मरणोपरांत)
4.	नरेन्द्र	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23 नवम्बर, 2020 को लगभग 07:30 बजे, जिला उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ के मटला रिजर्व वन क्षेत्र में चल रहे राउघाट रेवले लाइन परियोजना के नजदीक सीओबी कोसरोंदा, 33 बटालियन एसएसबी, केवती के 30 जवानों वाले सड़क सुरक्षा ऑपरेशन (आरएसओ) दल पर लगभग 130-150 नक्सलवादियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया।

श्री बिभू साहा, सहायक कमाण्डेंट की कमान में आरएसओ सह डिमाइनिंग दल निर्माणाधीन रेलवे ट्रैक को सुरक्षा प्रदान करने वाले डिमाइनिंग दल को कवर प्रदान करते हुए पहाड़ी और घने वन क्षेत्र से होकर आगे बढ़ रहा था। जब उक्त सैन्य दस्ता वन में एक पहाड़ी पर से गुजर रहा था, तो इस दस्ते के एक जवान; हेड कांस्टेबल नरेन्द्र ने सामने की ओर कुछ गतिविधि देखी। उन्होंने दल को पोजीशन लेकर रणनीतिक ढंग में आगे बढ़ने का संकेत दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने काली यूनिफार्म में पेड़ों के पीछे छिपे हुए एक नक्सलवादी को देखा, इसलिए उन्होंने नक्सलवादी को बाहर निकलकर आत्मसमर्पण करने को कहा। अचानक, नक्सलवादियों द्वारा एसएसबी के सैन्य दस्तों की दिशा में गोलियों की बौछार की गई। ये वे नक्सलवादी थे, जिन्होंने एसएसबी कार्मिकों को मारने और उनके हथियार लूटने के लिए घात लगा रखी थी और वे स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। अचानक, नक्सलवादियों ने एक रिमोट कंट्रोल्ड-इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आरसी-आईईडी) से विस्फोट किया। अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना, सहायक उप-निरीक्षक चन्द्रमणि मजूमदार ने गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति को अपनाते हुए दुर्गम क्षेत्र को पार किया और नक्सलवादियों की एलएमजी के ठिकाने को ध्वस्त कर दिया। इससे अग्रिम सैन्य दल के सदस्यों अर्थात् हेड कांस्टेबल नरेन्द्र, हेड कांस्टेबल रवि शर्मा और हेड कांस्टेबल अमन कुमार को गोलीबारी करके आगे बढ़ते हुए नक्सलवादियों की घात को तोड़कर नक्सलवादियों को मजबूर करने में मदद मिली। नक्सलवादियों और एसएसबी के सैनिकों के बीच एक-दूसरे पर गोलीबारी में, एसएसबी द्वारा तीन खूंखार नक्सलवादियों का सफाया कर दिया गया और टेलिस्कोपिक साइट के साथ 01 एसएलआर राइफल, 01 एक्स – 95 राइफल, देशी निर्मित एच.ई. बमों को चलाने के लिए परिष्कृत स्वदेश में निर्मित 12 बोर की राइफल, जिंदा कारतूस और अन्य साजो-सामान तथा सहायक सामग्रियां बरामद की गईं। इसके अतिरिक्त, स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में एसएसबी की बीडीडीएस टीम के द्वारा मुठभेड़ स्थल के समीप से 19 आईईडी को भी निष्क्रिय किया गया।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सर्व/श्री चन्द्रमणि मजूमदार, सहायक उप-निरीक्षक, अमन कुमार, हेड कांस्टेबल, स्व. रवि शर्मा, हेड कांस्टेबल और नरेन्द्र, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 23.11.2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/35/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 45--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री सतीश कुमार रैना	चयन ग्रेड फायरमैन	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री सतीश कुमार रैना, जम्मू और कश्मीर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के चयन ग्रेड फायरमैन को दिनांक 29.09.1998 को फायरमैन के रूप में नियुक्त किया गया था और वे सुप्रशिक्षित थे तथा आग लगने की घटना के दौरान वीरगति को प्राप्त होने तक वे 24 वर्षों से अधिक की अवधि से अनुकरणीय सेवा का निर्वहन कर रहे थे। उनकी सेवा का रिकॉर्ड उनके सम्पूर्ण सेवा काल में निष्कलंक रहा। वे एक बहादुर अग्निशमन कर्मी थे और उन्होंने हाल के वर्षों में आग लगने की बड़ी घटनाओं के दौरान अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिनांक 13.01.2023 को 20:39 बजे अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, नियंत्रण कक्ष गांधी नगर जम्मू को कैथोलिक चर्च, प्रेम नगर, जम्मू के निकट एक आवासीय घर में आग लगने के बारे में एक कॉल आई। इस संदेश को नजदीकी अग्निशमन एवं आपातकालीन स्टेशन शहीदी चौक, जम्मू को भेजा गया। रात्रि 20:04 बजे, श्री सतीश कुमार रैना, चयन ग्रेड फायरमैन और क्रू मैंबर्स के साथ अग्निशमन एवं आपातकालीन स्टेशन शहीदी चौक की पंजीकरण संख्या 4612/जेके02सीएक्स वाले फायर टेंडर और क्रू मैंबर्स के साथ अग्निशमन एवं आपातकालीन स्टेशन मुख्यालय गांधीनगर की सीएच संख्या 9782 वाले फायर टैंडर को आग लगने वाले स्थान पर भेजा गया।

अग्निशमन ऑपरेशन के दौरान, श्री सतीश कुमार रैना, चयन ग्रेड फायरमैन ने फायर टैंडर के लिए सीधी पहुंच रहित अत्यधिक भीड़-भाड़ और घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित एक चार मंजिला भवन में अग्निशमन के दौरान हर बार की तरह अपनी जान की परवाह किए बिना उच्चकोटि की पेशेवरता और साहस का परिचय दिया। परन्तु दुर्भाग्यवश, सक्रिय रूप से अग्निशमन करने के दौरान उपर्युक्त कार्मिक चार मंजिला भवन की सीढ़ियों से नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उक्त बहादुर अग्निशमन कर्मी ने आग को फैलने से रोकने के लिए आग बुझाने और एक चार्ज्ड लाइन लेकर आग को भवन में फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आग को फैलने से रोकने के लिए रणनीतिक ढंग से पोजीशन ले ली। तथापि, सतीश कुमार रैना, चयन ग्रेड फायरमैन ने बहादुरी से और अपनी जान की परवाह किए बिना आग बुझाते हुए दुर्भाग्यवश नियंत्रण खो दिया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें विभागीय एम्बुलेंस के द्वारा तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज बक्शी नगर, जम्मू ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत लाया हुआ घोषित कर दिया और इस प्रकार इस बहादुर अग्निशमन कर्मी ने इस विभाग के अन्य अग्निशमन कर्मियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर अग्निशमन सेवा के स्व. श्री सतीश कुमार रैना, चयन ग्रेड फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.01.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/124/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 46--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राहुल पाल	मुख्य अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
2.	कुंवर सिंह	अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
3.	जोगेन्द्र सिंह	फायरमैन	वीरता पदक
4.	सतेन्द्र सिंह	चालक	वीरता पदक
5.	प्रह्लाद सिंह राणा	फायरमैन	वीरता पदक
6.	आयुष्मान कुमार शर्मा	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक महिला नामतः अनामिका ने अग्निशमन केंद्र, वैशाली के लैंडलाइन नम्बर पर प्लॉट सं. 15-16, एमीकेयर अस्पताल, न्यायखंड-1, इंदिरापुरम, गाजियाबाद में आग लगने की घटना के बारे में सूचना दी। एमीकेयर अस्पताल बेसमेंट एवं ऊपरी भूतल सहित एक 04 मंजिला भवन है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर, अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह के नेतृत्व में चालक श्री सतेन्द्र सिंह, फायरमैन श्री जोगेन्द्र सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी श्री मूलचंद सिंह, लीडिंग फायरमैन श्री अरविंद कुमार त्यागी, लीडिंग फायरमैन श्री विरेन्द्र सिंह, चालक श्री पदम सिंह, चालक श्री नरेन्द्र कुमार, फायरमैन श्री प्रह्लाद सिंह राणा, श्री बंटी कुमार, विनय यादव, विजय कुमार, निवेश कुमार, आयुष्मान कुमार, पदम सिंह, शंकर लाल और दीपक कुमार तत्काल घटनास्थल की ओर चल दिए। रास्ते में, अग्निशमन अधिकारी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल को भी घटना के बारे में सूचित किया।

घटनास्थल पर पहुंचने के बाद, अग्निशमन टीम को यह पता चला कि आग एमीकेयर अस्पताल के भूतल पर स्थित इलेक्ट्रिक पैनल में लगी है और फ्रंट एलीवेशन भयंकर आग की चपेट में आ गया है। आग की लपटें और घना काला धुआं आसमान में उड़ रहा था। अस्पताल का पूरा भवन धुएं से भर गया था। इसी बीच, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल घटनास्थल पर पहुंचे और मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल तथा अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह ने बगैर समय गंवाए तत्काल अग्निशमन टीम को आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू करने का निदेश दिया ताकि आग पर काबू किया जा सके। अग्निशमन टीम ने तुरंत एमएफई द्वारा दो पंपिंग लाइनें लगाकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू कर दी। अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह ने अग्निशमन टीम को डिलीवरी हॉज-पाइप लाइनों को रणनीतिक ढंग से लगाने और उपर्युक्त भवन के बाहरी हिस्से के तापमान को कम करने के लिए भवन के प्रत्येक कोने में पानी की भारी बौछार करने का निदेश दिया और साथ ही, बाहर से सभी मोटे शीशों को तोड़ने के लिए भी कहा गया ताकि धुआं बाहर निकल सके और आग नजदीकी भवन में न फैल सके।

उपर्युक्त अस्पताल एक भयानक स्थिति में था और मरीज एवं उनके परिजन मदद के लिए चिल्ला रहे थे। अस्पताल के कर्मचारियों ने यह सूचना दी कि अस्पताल के आईसीयू एवं वार्डों में लगभग 10 मरीज और 05 कर्मचारी फंसे हुए हैं और जहरीले धुएं के कारण उनकी जान खतरे में है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल और अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह भीषण आग की लपटों में घिरे अस्पताल के भवन में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को बचाकर सुरक्षित निकालने के लिए प्रतिबद्ध रहे। बिना समय गवाएं, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल ने शीघ्रता से एक बचाव टीम गठित की, जिसमें अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह, फायरमैन श्री जोगेन्द्र सिंह, चालक श्री सतेन्द्र सिंह, फायरमैन श्री प्रह्लाद सिंह राणा और श्री आयुष्मान कुमार शर्मा शामिल थे तथा उन्होंने बी.ए. सेट एवं हेलमेट पहन रखे थे और उन्होंने अपनी जान को खतरे में डालकर फंसे हुए सभी व्यक्तियों को बचाने के उद्देश्य से अस्पताल के भवन में प्रवेश करने का प्रयास किया। घने, जहरीले, अत्यधिक धुएं और भयंकर आग के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिससे उनके अंदर प्रवेश करने में बाधा पहुंच रही थी। जीरो विजिबिलिटी के बावजूद और आग तथा धुएं की गंभीरता तथा मरीजों के जीवन पर खतरे को देखते हुए, उन्होंने भीषण आग की लपटों में अपनी जान और अंगो की परवाह किए बिना क्रोबार से कांच के मोटे शीशों को तोड़कर घने धुएं से भरी सीढ़ियों से होकर भवन में प्रवेश किया और वे शीघ्रता से ऊपरी तल पर पहुंच गए क्योंकि लोग आईसीयू और वार्ड में फंसे हुए थे, जो भवन के प्रथम और द्वितीय तल पर स्थित थे। उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर और खिड़कियों के शीशों को तोड़कर प्रथम तल पर स्थित आईसीयू में प्रवेश किया। खिड़की के शीशों को तोड़ने के दौरान एक टूटे हुए गरम शीशे से अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह की हथेली और हाथ में चोट लग गई, परंतु अपनी चोट के बावजूद उन्होंने आईसीयू में प्रवेश किया। अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह और बचाव टीम ने देखा कि मरीजों का दम घुंट रहा है और वे आईसीयू में असहाय अवस्था में फंसे हुए हैं। अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह, फायरमैन श्री जोगेन्द्र सिंह, चालक श्री सतेन्द्र सिंह और श्री प्रह्लाद सिंह राणा द्वारा कंबल से ढककर

ह्यूमन क्लच, शोल्डर के जरिए और स्ट्रेचर की मदद से एक-एक करके पांच (05) मरीजों को आईसीयू में से बचाकर बाहर निकाला गया और सभी पांच मरीजों को एम्बुलेंस के द्वारा यशोदा अस्पताल, कौशांबी में पहुंचाया गया।

पुनः, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल और फायरमैन श्री आयुष्मान कुमार शर्मा उस वार्ड, जो द्वितीय तल पर स्थिति था, में फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए चढ़कर उक्त भवन के द्वितीय तल पर पहुंचे और उन्होंने पाया कि वार्ड में 10-11 व्यक्ति फंसे हुए हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने तत्काल बचाव टीम को द्वितीय तल पर आने के लिए कहा। द्वितीय तल पर आते समय जीरो विजिबिलिटी के कारण चालक श्री सतेन्द्र सिंह सीढ़ियों पर चढ़ते हुए गिर गए और उनके घुटने एवं टांग में चोट लग गई। अपने दर्द की परवाह किए बिना, वे टीम के साथ द्वितीय तल पर पहुंच गए। इस दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल सिंह और फायरमैन श्री आयुष्मान कुमार शर्मा ने अस्पताल के फंसे हुए पांच कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। वार्ड में फंसे हुए शेष पांच मरीजों को मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल, अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह, फायरमैन श्री जोगिन्द्र सिंह, चालक श्री सतेन्द्र सिंह, फायरमैन श्री प्रह्लाद सिंह राणा और श्री आयुष्मान कुमार शर्मा द्वारा कंबल से ढककर, ह्यूमन क्लच के माध्यम से, कंधे पर उठाकर और स्ट्रेचर की सहायता से एक-एक करके बचाया गया और सभी मरीजों को एम्बुलेंस के द्वारा विभिन्न निकटवर्ती अस्पतालों में पहुंचाया गया।

बचाव ऑपरेशन के दौरान, द्वितीय तल से मरीजों को नीचे लाते समय फायरमैन श्री जोगेन्द्र सिंह को भी चोट लग गई और जहरीले काले धुएं से मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल का दम घुट गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राहुल पाल, अग्निशमन अधिकारी श्री कुंवर सिंह, चालक श्री सतेन्द्र सिंह, फायरमैन श्री जोगेन्द्र सिंह, श्री प्रह्लाद सिंह राणा और श्री आयुष्मान कुमार शर्मा ने कार्रवाई के दौरान तत्परता दिखाई, विलक्षण साहस का प्रदर्शन किया और वीरतापूर्ण कार्रवाई की तथा भवन के प्रथम एवं द्वितीय तल पर स्थित आईसीयू और वार्ड में फंसे हुए 10 व्यक्तियों को बचाया तथा अस्पताल की लगभग 10.00 करोड़ रुपये की सम्पत्ति की रक्षा की। इस घटना के दौरान, किसी के भी हताहत होने की सूचना प्राप्त नहीं हुई तथा सभी फंसे हुए मरीजों/व्यक्तियों को अग्निशमन टीम द्वारा सुरक्षित बचा लिया गया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री राहुल पाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कुंवर सिंह, अग्निशमन अधिकारी, जोगेन्द्र सिंह, फायरमैन, सतेन्द्र सिंह, चालक, प्रह्लाद सिंह राणा, फायरमैन और आयुष्मान कुमार शर्मा, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 01.08.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/178/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 47--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	दीपक शर्मा	मुख्य अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
2.	कमलेन्द्र कुमार सिंह	अग्निशमन द्वितीय अधिकारी	वीरता पदक
3.	सुदेश कुमार बाबू	फायर सर्विस चालक	वीरता पदक
4.	करवेन्द्र सिंह	फायरमैन	वीरता पदक
5.	शैलेश	फायरमैन	वीरता पदक
6.	आदित्य पाठक	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

अपना पैलेस अपार्टमेंट्स, एक 05 मंजिला वाणिज्यिक-सह-आवासीय भवन, जिसके बेसमेंट, भूतल तथा प्रथम तल पर फुटवेयर वेयरहाउस, बटन-थ्रेड एंड होजरी इंडस्ट्री और ऊपरी तलों पर विभिन्न प्रकार के अनेक आवास हैं, 88/384, हुमायूं बाग, नजदीक रूपम क्रॉसिंग, चमनगंज में स्थित है, जो कि कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश का एक अत्यधिक व्यस्त वाणिज्यिक-आवासीय क्षेत्र एवं घनी आबादी वाला इलाका है। उपर्युक्त भवन में पूरे दिन व्यापारिक चहल-पहल रहती है।

दिनांक 15.01.2024 को देर शाम के दौरान, ये वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अपने अधिकारियों और कर्मचारियों से भरे हुए थे और इस भवन में सामान्य गतिवधियां चल रही थीं, अचानक बेसमेंट में स्थित फुटवेयर वेयरहाउस, बटन-थ्रेड एंड होजरी इंडस्ट्री में आग लग गई, जिसने जहरीले घने धुएं और भीषण आग की लपटों के साथ तेजी से फैलकर पूरे बेसमेंट एरिया, अपार्टमेंट बिल्डिंग एवं ऊपरी तलों को चपेट में ले लिया।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश ने 20:00 बजे फायर मिनी कंट्रोल रूम से आग की सूचना प्राप्त होने पर तुरंत अग्निशमन केंद्र कर्नलगंज और लाटौच रोड तथा विभिन्न नजदीकी अग्निशमन केंद्रों को आग लगने वाले स्थान पर पहुंचने का निदेश दिया और वे स्वयं, फायर सर्विस चालक सुदेश कुमार बाबू और फायरमैन शैलेश के साथ शीघ्रता से घटनास्थल पर पहुंच गए।

श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी, प्रभारी, अग्निशमन केंद्र कर्नलगंज, अग्निशमन सेवा यूनिटों, बचाव उपकरणों एवं जरूरी सामग्री तथा अग्निशमन वाहनों के साथ तत्काल भीषण आग वाले स्थान पर पहुंचे और इसी दौरान अन्य नजदीकी अग्निशमन केंद्रों की अग्निशमन यूनिटें भी वहां पहुंच गईं।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी और श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी ने भवन के आस-पास बड़ी संख्या में एकत्रित उत्तेजित एवं व्याकुल लोगों को देखा तथा इसके बेसमेंट, जिसमें फुटवेयर वेयरहाउस, बटन-थ्रेड एंड होजरी इंडस्ट्री स्थित थी, में आग लगी हुई थी और अपार्टमेंट भवन के ऊपरी तलों को भीषण आग ने चपेट में ले लिया था तथा दम घोंटने वाले घने काले धुएं के गुब्बार तथा आग की लपटें ऊपर उठ रहीं थीं, जिससे फंसे हुए लोगों की जान को खतरा उत्पन्न हो गया था। अत्यधिक भीषण आग का खतरा बढ़ रहा था और निकटवर्ती वाणिज्य तथा आवासीय भवन में आग लग सकती थी, जिससे स्थिति बद-से-बदतर हो सकती थी और सुगम बचाव एवं अग्निशमन ऑपरेशन में अनेक बाधाएं उत्पन्न हो सकती थीं, जिससे यह ऑपरेशन असुरक्षित और कठिन हो जाता। अपार्टमेंट भवन के ऊपरी तलों से सुरक्षा हेतु बचाओ-बचाओ की तेज चीखें चुनाई दे रही थीं और चारों तरफ भगदड़ जैसा, कोलाहल और भय का वातावरण था।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने आग की भीषणता का आकलन करते हुए तुरंत श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के साथ रणनीति तैयार की और फंसे हुए लोगों की कीमती जान को बचाने और साथ ही, कुशलतापूर्वक भीषण आग को बुझाने और नियंत्रित करने के द्वारा सम्पत्ति की रक्षा करने को प्राथमिकता दी।

आग से घिरे हुए भवन में फंसे पीड़ितों की कीमती जान को बचाने के लिए प्रतिबद्ध श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी और श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी, प्रभारी, अग्निशमन केंद्र कर्नलगंज ने भीषण आग को बुझाने और कीमती जानों को बचाने की योजना का निष्पादन करते हुए, मौजूद अग्निशमन इकाइयों को तुरंत 02 डिलीवरी हॉज-पाइप लाइनें लगाने का निदेश दिया, जिसका उन्होंने तत्काल अनुपालन किया और भीषण आग से घिरे भवन के बेसमेंट तथा ऊपरी तलों की ओर रणनीतिक ढंग से पानी की भारी बौछारें करना शुरू कर दिया।

इस संकट के दौरान, श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, जो उक्त ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे, ने श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी और सुदेश कुमार बाबू, अग्निशमन चालक, फायरमैन करवेन्द्र सिंह, शैलेश और आदित्य पाठक के साथ शीघ्रता से एक बचाव टीम का गठन किया, सांस लेने वाले उपकरण पहने और व्याकुल लोगों को पीड़ितों को बचाने का आश्वासन देकर, तेजी से भीतरी सीढ़ियों की ओर आगे बढ़े। परन्तु इसे भारी सामान से अवरूद्ध पाकर, चतुर और समझदार श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी को सीढ़ियां लगाने का निदेश दिया, और उन्होंने शीघ्रता से क्रमश: तीसरे और चौथे तल के लिए सीढ़ियां लगा दीं।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी बचाव टीम का नेतृत्व करते हुए और श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी को तृतीय तल पर चढ़ने का निदेश देते हुए, स्वयं, फायरमैन करवेन्द्र सिंह और शैलेश के साथ अपने जीवन और अंगों की परवाह किए बिना बिजली की गति से निडरतापूर्वक भीषण आग की लपटों और गर्मी तथा घने जहरीले धुएं का सामना करते हुए, आग से घिरे हुए भवन के चौथे तल की बालकनी में चढ़े और विलक्षण साहस एवं वीरता के साथ जहरीले घने काले धुएं और अत्यधिक गर्मी को भेदते हुए बालकनी में से आगे बढ़े और उन्हें अपने जीवन की सुरक्षा के लिए चिल्लाती हुई महिलाओं सहित 12 भयभीत व्यक्ति मिले, जिनको उन्होंने सांत्वना दी और उन्हें सहारा देते हुए कड़े परिश्रम के साथ जल्दी से गर्मी और धुएं से बाहर सीढ़ी के पास ले आए तथा उत्कृष्ट बचाव कौशल के साथ उन्हें कुशलता के साथ सीढ़ी के द्वारा सुरक्षित नीचे उतार लिया।

श्री कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी भी अग्निशमन चालक सुदेश कुमार बाबू और फायरमैन आदित्य पाठक के साथ शीघ्रतापूर्वक भीषण आग की गर्मी एवं लपटों और घने जहरीले धुएं के बावजूद आग से घिरे हुए भवन में रणनीतिक ढंग में लगाई गई एक्सटेंशन सीढ़ी के द्वारा तृतीय तल की बालकनी में चढ़कर अपनी जान की परवाह किए बिना भीतर प्रवेश कर गए तथा उन्हें महिलाओं और बच्चों समेत 09 भयभीत लोग मिले, जिनको उन्होंने सांत्वना दी और उन्हें सहारा देते हुए गर्मी और धुएं से बाहर सीढ़ी के नजदीक बालकनी में ले आए तथा उत्कृष्ट बचाव कौशल के साथ उन्हें कुशलता के साथ लपटों से बचाते हुए सीढ़ी के द्वारा सुरक्षित नीचे उतार लिया।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फायरमैन करवेन्द्र सिंह और शैलेश के साथ भीषण आग में घिरे और धुएं से भरे भवन में फंसे सभी पीड़ितों को बचाने के लिए बिना थके अपना तलाशी ऑपरेशन जारी रखा। कई और व्यक्तियों के भीतर फंसे होने के अनुमान के साथ वे ऊपरी तलों हेतु रणनीतिक तरीके से लगाई गई एक्सटेंशन सीढ़ी की सहायता से ऊपर चढ़ गए और गहन तलाशी के दौरान 03 महिलाओं सहित 04 अन्य व्यक्तियों को बचाया तथा उन्हें सुरक्षित नीचे उतार लिया।

श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी की कमान में और अग्निशमन द्वितीय अधिकारी कमलेन्द्र कुमार सिंह के निदेशन में अग्निशमन इकाइयों ने आग से घिरे बेसमेंट और अपार्टमेंट के ऊपरी तलों की भीषण आग की लपटों पर पानी की जोरदार बौछार करना जारी रखा तथा भयंकर आग को सटे हुए भवन/प्रतिष्ठानों में फैलने से रोक दिया और आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया।

इस संकट की स्थिति में, श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अपनी टीम के साथ अत्यधिक सूझ-बूझ और धैर्य के साथ अपना पैलेस अपार्टमेंट्स में अग्निशमन एवं बचाव ऑपरेशन का सामने से नेतृत्व किया। इस कठिन अग्निशमन एवं बचाव ऑपरेशन के दौरान, उन्होंने कुशलतापूर्वक अग्निशमन और बचाव कौशल के साथ अपने कर्तव्य के प्रति विलक्षण साहस तथा समर्पण का प्रदर्शन किया तथा 25 व्यक्तियों की बहुमूल्य जान बचाई तथा महिलाओं एवं बच्चों समेत लगभग 100 निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला और लगभग करोड़ों रुपये की संपत्ति की रक्षा की।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कमलेन्द्र कुमार सिंह, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी, सुदेश कुमार बाबू, फायर सर्विस चालक, करवेन्द्र सिंह, फायरमैन, शैलेश, फायरमैन और आदित्य पाठक, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.01.2024 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/179/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 48--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अरुण कुमार सिंह	मुख्य अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
2.	श्रीनारायण सिंह	अग्निशमन अधिकारी	वीरता पदक
3.	कपिल यादव	फायरमैन	वीरता पदक
4.	मुकुल	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पर्ल्स प्लाजा, एक 03 मंजिला वाणिज्यिक भवन, जिसमें इंडिया बुल्स हाउसिंग फाइनेंस कंपनी, इंश्योरेंस कंपनी, ट्रैवल एजेंसी और लगभग 50 अन्य वाणिज्यिक कार्यालय तथा भूतल तल पर शोरूम हैं, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के एक अत्यधिक व्यस्त वाणिज्यिक केंद्र के-24-25, सेक्टर 18 में स्थित है। उपर्युक्त सम्पूर्ण भवन में शाम को देर तक व्यापारिक चहल-पहल रहती है।

दिनांक 07.09.2022 को मध्याह्न के दौरान, ये व्यापारिक प्रतिष्ठान और वाणिज्यिक कार्यालय उनके अधिकारियों और कर्मचारियों से भरे हुए थे तथा प्लाजा में आगंतुक ग्राहक आ-जा रहे थे, तभी प्लाजा के द्वितीय तल पर स्थित इंश्योरेंश कंपनी और ट्रैवल एजेंसी के कार्यालय परिसरों में अचानक आग लग गई, जिसने तेजी से कार्यालय परिसरों को अपनी चपेट में ले लिया और जल्दी ही जहरीले धुएं के साथ भीषण आग की लपटें उपर्युक्त तल पर फैल गईं।

अग्निशमन यूनिटों, बचाव उपकरणों तथा सामग्रियों और अग्निशमन वाहनों के साथ श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी, अग्निशमन केंद्र फेज-1, नोएडा, पुलिस आयुक्तालय, गौतमबुद्ध नगर, जो एक फैक्ट्री में किसी अन्य अग्निशमन ऑपरेशन के बाद वापस लौट रहे थे, ने लगभग 14:35 बजे आग लगने की इस घटना की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई की और सहायता भेजने के लिए अग्निशमन केंद्र को निदेश दिया तथा वे श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर को सूचना प्रदान करके शीघ्रता से घटनास्थल पर पहुंच गए।

पर्ल्स प्लाजा पहुंचने पर श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी ने देखा कि उपर्युक्त भवन के सामने उत्तेजित तथा व्याकुल भारी भीड़ एकत्रित थी तथा इंडिया बुल्स के कार्यालय वाले इसके द्वितीय तल पर आग लगी हुई थी और भीषण आग और दम घोंटने वाले घने काले धुएं के गुब्बार ने ऊपरी तलों को अपनी चपेट में ले लिया था तथा आग की ऊंची लपटें उठ रही थीं, जिसके कारण फंसे हुए व्यक्तियों की जान खतरे में थी। आग से घिरे प्लाजा के ठीक सामने एक इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन और प्लाजा के नजदीक हाई टेंशन इलेक्ट्रिक लाइन के इंस्टालेशन और इसके वहां से होकर गुजरने से उनमें तथा निकटवर्ती शोरूमों और दुकानों में आग लगने की संभावना थी और इससे स्थिति बद-से-बदतर हो जाती तथा सुगम अग्निशमन तथा बचाव ऑपरेशन असुरक्षित और कठिन बन सकता था। भवन के ऊपरी तलों से सुरक्षा हेतु चिल्लाने की आवाजें आ रहीं थीं और प्लाजा के भवन में भारी भगदड़ और कोलाहल था तथा चारों तरफ भय का वातावरण बना हुआ था।

इसी बीच, श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी वहां पहुंच गए और उन्होंने आग की भीषणता को देखकर, तुरंत हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मंगाया तथा श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी के साथ रणनीति तैयार की और कुशलतापूर्वक अग्निशमन एवं भीषण आग पर नियंत्रण करते हुए फंसे हुए लोगों की कीमती जान एवं माल की सुरक्षा करने के कार्य को प्राथमिकता दी।

फंसे हुए पीड़ितों की कीमती जान बचाने के लिए प्रतिबद्ध श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी और श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी ने भीषण आग का सामना करने एवं कीमती जानों को बचाने की योजना पर काम करते हुए, वहां मौजूद अग्निशमन यूनिटों को तत्काल हॉज-पाइपलाइन लगाने का निदेश दिया, जिसका उन्होंने शीघ्र अनुपालन किया तथा आग से घिरे प्लाजा के द्वितीय तल की ओर पानी की भारी बौछार फेंकना शुरू कर दिया। उपर्युक्त प्लाजा पूरी तरह वातानुकूलित होने की वजह से अग्निशमन यूनिटों ने सीढ़ियों को भी रणनीतिक ढंग में लगाया और वे निडरतापूर्वक ऊपर चढ़े तथा वेंटिलेशन के लिए कांच के शीशों को तोड़ना शुरू कर दिया।

इस स्तर की आपदा के दौरान अग्निशमन अधिकारी श्री श्रीनारायण सिंह के साथ ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे, फंसे हुए पीड़ितों को बचाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह ने जल्दी से क्रमशः फायरमैन मुकुल और कपिल यादव के साथ 02 बचाव टीमें गठित की। उन्होंने सांस लेने वाले उपकरण पहने और व्याकुल भीड़ को पीड़ितों को बचाने का आश्वासन देकर, वे शीघ्रता और बहादुरी के साथ आग की भीषण गर्मी और सीढ़ियों में फैले घने जहरीले काले धुएं का सामना करते हुए भीतरी सीढ़ियों से चढ़कर आग से घिरे प्लाजा के तृतीय तल पर पहुंचे और उन्होंने अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किए बिना जहरीले घने काले धुएं और अत्यधिक गर्मी को निडरतापूर्वक पार करते हुए भीतर प्रवेश किया तथा 03 व्यक्तियों को बेहोशी की हालत में पाया। उन्होंने शीघ्र 01 व्यक्ति को ह्यूमन-क्लच पर और 02 अन्य व्यक्तियों को कंधों पर उठाया, विलक्षण साहस एवं सक्षम बचाव-कौशल के साथ हाइड्रोलिक प्लेटफार्म के द्वारा उन्हें बाहर लाए और उन्हें सुरक्षित ढंग में नीचे उतारा तथा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भेज दिया। तत्पश्चात, श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी और श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी ने फायरमैन मुकुल और कपिल यादव के साथ मिलकर आग से घिरे एवं धुएं से भरे प्लाजा में फंसे सभी पीड़ितों को बचाने संबंधी अपने अथक प्रयास जारी रखें। वे रणनीतिक ढंग में लगाई गई एक्सटेंशन सीढ़ी के माध्यम से चढ़कर द्वितीय तल पर पहंचे, जो कि आग का केंद्र था, जहां घना धुआं छाया हुआ था और वह स्थान भीषण आग की लपटों में घिरा हुआ था तथा वहां अन्य कई लोगों के फंसे होने की संभावना थी। आग की गर्मी और घने धुएं की परवाह किए बिना उन्होंने भीतर प्रवेश किया और वे विलक्षण साहस के साथ घने काले धुएं को चीरते हुए रेंगकर अंदर गए तथा उन्हें 07 भयभीत व्यक्ति (04 पुरुष एवं 03 महिला) मिले। उन्होंने उन्हें फिजिकल सपोर्ट दिया और परिश्रम से उन्हें एक-एक करके उठाते हुए हाइड्रोलिक प्लेटफार्म तक पहुंचाया तथा उन्हें कुशलतापूर्वक धुएं एवं आग से बचाया और उन्हें सुरक्षित नीचे उतार लिया।

श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी की कमान और श्री श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी के निदेशन में अग्निशमन यूनिटों ने प्लाजा के द्वितीय एवं ऊपरी तलों पर निरंतर पानी की जोरदार बौछार करना जारी रखा, जिससे आग निकटवर्ती वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में नहीं फैल पाई और भीषण आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया। इस कठिन अग्निशमन तथा बचाव ऑपरेशन के दौरान, उन्होंने

कुशलतापूर्वक अग्निशमन तथा बचाव करते हुए अपने कर्तव्य के प्रति विलक्षण साहस एवं समर्पण का परिचय दिया तथा 03 महिलाओं समेत 10 व्यक्तियों की बहुमूल्य जान बचाई और लगभग 25 करोड़ रुपये की संपत्ति की रक्षा की।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री अरुण कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, श्रीनारायण सिंह, अग्निशमन अधिकारी, कपिल यादव, फायरमैन और मुकुल, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.09.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/180/2024-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 49-प्रेस/2025—भारत की राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस, 2025 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओ के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशो / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिको को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री विवेक किशोर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अरुणाचल प्रदेश
2. श्रीमती इंद्राणी बरुआ, उपमहानिर्देशक, असम
3. श्रीमती कासेय सुहिता अनुपम, अपर पुलिस महानिदेशक, बिहार
4. श्री अनिल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
5. श्री महेश राम साहू, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
6. श्री आसिफ मो. अली, संयुक्त निदेशक (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
7. श्री संजय दत्त, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
8. श्री सोम नाथ परूथी, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
9. श्री ब्रजेश कुमार झा, पुलिस आयुक्त, गुजरात
10. श्री दिगविजयसिंह पाथुभा चुडासामा, पुलिस उपाधीक्षक, गुजरात
11. श्री सौरभ सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, हरियाणा
12. श्री बसवराज शरणप्पा ज़िले, उप पुलिस महानिरीक्षक, कर्नाटक
13. श्री हमजा हुसैन, कमांडेंट, कर्नाटक
14. श्री पुथियोट्टिल विजयन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक, केरल
15. श्री माकरन्द दैवउसकर, महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
16. श्रीमती हिमानी खन्ना, महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
17. श्री वीर विक्रम सिंह सेंगर, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
18. श्री नवाब खान, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
19. डॉ. रविन्द्र कुमार सिंगल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र
20. श्री दत्तात्रय राजाराम कराळे, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
21. श्री सुनिल बळीरामजी फुलारी, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
22. श्री रामचद्रं बाबू केडे, समादेशक, महाराष्ट्र
23. श्री सोरोखैबाम रूद्रानारायण सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, मणिपुर
24. श्री ज़ोसांगलियाना, निदेशक, मिजोरम
25. श्री इम्तियाकुम पोंगेन, सहायक कमांडेंट, नागालैंड
26. श्री सरोज कुमार सामल, कार्य प्रभारित आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा

27. श्री सत्यबादी मल्लिक, कांस्टेबल, ओडिशा
28. श्री राजेश कुमार जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब
29. श्री नीलाभ किशोर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब
30. श्री सत्येन्द्र सिंह, महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान
31. श्री सोनाम दीछू भोटिया, पुलिस अधीक्षक, सिक्किम
32. श्री ए. टी. दुरै कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, तमिलनाडु
33. श्रीमती आ. राधिका, पुलिस महानिरीक्षक / अपर पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
34. श्री विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, तेलंगाना
35. श्री एम माणिक राज, पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना
36. श्री गोदुगुलुरी श्रीनिवास राव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, त्रिपुरा
37. श्री रमित शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
38. श्री युध्दवीर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
39. श्री दिलीप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
40. श्री ब्रम्हदेव शुक्ला, सहायक रेडियो अधिकारी, उत्तर प्रदेश
41. श्री नारायण सिंह यादव, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
42. श्री दीप नारायण गोस्वामी, पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
43. श्री समीर कुमार पांजा, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
44. श्री डॉ एस बास्केरेन, पुलिस अधीक्षक, पुदुचेरी
45. श्री आनंद जैन, अतिरिक्त महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर
46. श्री नीतीश कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर
47. श्री नरेन्द्र बहादुर छेत्री, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
48. श्री ब्रजेश कुमार, महानिरीक्षक, बीएसएफ
49. श्री करनी सिंह शेखावत, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
50. श्री सुखदेव राज, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
51. श्री इंद्र देव सिंह, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
52. श्री सुशील कुमार उपाध्याय, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
53. श्री शिखर सहाय, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
54. श्रीमती नीता सिंह, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
55. श्री ज़की अहमद, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
56. श्री अशोक साम्याल, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
57. श्री राजेश कुमार, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
58. श्री संजय यादव, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
59. सुश्री नामेईराकपम कुन्जारानी देवी, कमांडेंट, सीआरपीएफ
60. श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
61. श्री क्ले खोंगसाई, महानिरीक्षक, आईटीबीपी
62. श्री संजय कुमार कोठारी, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
63. श्री सुदेश कुमार राणा, द्वितीय कमान, आईटीबीपी
64. श्री दीपक कुमार केडिया, महानिरीक्षक, एनएसजी
65. डॉ. परेश सक्सेना, महानिरीक्षक, एसएसबी
66. श्री वंदन सक्सेना, उप महानिरीक्षक, एसएसबी
67. सुश्री सत्याप्रिया सिंह, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय

68. श्री बिधु शेखर, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
69. श्री जमाल अहमद खान, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
70. श्री अवधेश कुमार राय, संयुक्त उपनिदेशक/एन पी, गृह मंत्रालय
71. श्री रवि देव उत्तमा, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
72. श्री मिन्टु बरगोहाइ, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
73. श्री दीपक बर्थवाल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
74. श्री केनीडोलहौली, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
75. श्री दतला श्रीनिवास वर्मा, संयुक्त निदेशक, सीबीआई
76. श्री घनश्याम उपाध्याय, संयुक्त निदेशक, सीबीआई
77. श्री नरेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
78. श्री तेजपालसिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, सीबीआई
79. श्री आइकोदन बालाकृष्णन, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
80. श्री भानी सिंह राठौड़, पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
81. श्री अनुज कुमार सिंह, उप निदेशक, बीपीआरएंडडी
82. श्री नरेंद्र सिंह बुंदेला, महानिरीक्षक, एनडीआरएफ
83. श्री पवन भारद्वाज, सहायक निदेशक, एनसीआरबी
84. श्री राजीव कुमार दुआ, निदेशक (सुरक्षा) संसद, राज्य सभा सचिवालय
85. श्री अमिया नंदन सिन्हा, महानिरीक्षक, आरपीएफ

अग्निशमन सेवा

86. डॉ. यूनुस अली कौसर, उप निदेशक फायर प्रिवेंशन, कर्नाटक
87. श्री मधुसूदनन नायर जी, सहायक स्टेशन अधिकारी, केरल
88. श्री राजेन्द्रन पिल्लई के, वरिष्ठ अग्निशमन और बचाव अधिकारी, केरल
89. श्री भमरबर सेठ, मुख्य अग्रिक, ओडिशा
90. श्री अर्जुन सिंह, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड

होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा

91. श्री गिरीश सोननाडा मुरादिमत, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
92. श्री सुनील कुमार गर्ग, वार्डन, नागरिक सुरक्षा, मध्य प्रदेश
93. श्री प्रमोद कुमार राउत, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक, ओडिशा
94. श्री सौभाग्य प्रधान, होम गार्ड कंपनी कमांडर, ओडिशा
95. श्री मंजीत सिंह नायर, सहायक कमांडेंट जनरल, तमिलनाडु
96. श्री चैतन्य जैन, घटना नियंत्रण अधिकारी, उत्तर प्रदेश
97. श्री राजेंद्र कुमार शर्मा, डिवीजनल वार्डन, उत्तर प्रदेश

सुधारात्मक सेवा

98. श्री एलिक जेण्डर, प्रहरी, मध्य प्रदेश
99. श्री प्रेम नाथ पाण्डेय, उप महानिरीक्षक कारागार, उत्तर प्रदेश
100. श्री आलोक सिंह, अधीक्षक कारागार, उत्तर प्रदेश
101. श्री रमाकान्त, हेड जेल वार्डर, उत्तर प्रदेश

2. राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 86-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता हैं |

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 50-प्रेस/2025— भारत की राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस, 2025 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओ के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशो / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिको को सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री इसाक पर्टिन, पुलिस महानिरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
2. श्री भूपेन बुरागोहैन, पुलिस निरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
3. श्री रफ़ीउल आलम लस्कर, पुलिस महानिरीक्षक, असम
4. श्री प्रसान्ता हातीबोरूआह, प्लाटून कमांडर, असम
5. श्री उपेन कलिता, पुलिस उपाधीक्षक, असम
6. श्री खोगेन्द्र रॉय, उप परिदर्शक, असम
7. श्री चित्रमोहन राभा, उप परिदर्शक, असम
8. श्री हेमेन भुइयां, सहायक उपनिरीक्षक, असम
9. श्री बालूराम चौडांग, इंस्पेक्टर, असम
10. श्री हेरम्बा नाथ, हवलदार, असम
11. श्री बिबेकानंद सरमा, उप परिदर्शक, असम
12. श्री बिष्णु प्रसाद छेत्री, सहायक उपनिरीक्षक, असम
13. श्री दीपक काकती, हेड कांस्टेबल, असम
14. श्री संकू चौधरी, हवलदार, असम
15. श्री बापधन राजबोंगशी, लांस नायक, असम
16. श्री गोजेन मोरान, सिपाही, असम
17. श्री हरि मोहन शुक्ला, समादेष्टा, बिहार
18. श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, बिहार
19. श्री मनोज कुमार, पुलिस अधीक्षक, बिहार
20. श्री जय प्रकाश, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
21. श्री संजीत कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
22. श्री शशिकांत, पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
23. श्री अतिमेश कुमार उपाध्याय, सहायक पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
24. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार अवस्थी, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
25. श्री अनिल कुमार कश्यप, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
26. श्री हरिशंकर प्रताप सिंह, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
27. श्री सुशील कुमार चौबे, आरक्षक, छत्तीसगढ़
28. श्री वली मोहम्मद शेख, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
29. श्री नरेश कुमार पैकरा, कंपनी कमाण्डर, छत्तीसगढ़
30. श्री सुशील कुमार श्रीवास, प्रधान आरक्षक, छत्तीसगढ़
31. श्री हरीश चंद्र मरकाम, प्रधान आरक्षक, छत्तीसगढ़
32. श्री समैया चिपनपल्ली, सहायक उप निरीक्षक, छत्तीसगढ़
33. श्री तुलाराम चुरेन्द्र, प्रधान आरक्षक, छत्तीसगढ़
34. श्री हरेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
35. श्री मनोज कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
36. श्रीमती कमलेश बिष्ट, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
37. सुश्री आर नजमा ताहिरा, इंस्पेक्टर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

38. सुश्री शीला शर्मा, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
39. श्री आदर्श कुमार शर्मा, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
40. श्री भूपेन्द्र कुमार, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
41. श्री प्रदीप सिंह, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
42. श्री हरद्वारी लाल, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
43. श्री राकेश कोठियाल, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
44. सुश्री प्रभा, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
45. सुश्री सुमित्रा, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
46. श्री शिवा रामुलू, हेड कांस्टेबल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
47. सुश्री रेखा रानी, सहायक उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
48. श्री इसीदोर तिर्की, सहायक उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
49. श्री जुनेद आलम, सहायक उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
50. श्री राहुल कुमार, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
51. श्री सुदेश सदाशिव नार्वेकर, उप पुलिस अधीक्षक, गोवा
52. श्री चिराग मोहनभाई कोराडिया, महानिरीक्षक, गुजरात
53. श्री नीलेश भीखाभाई जजाडिया, महानिरीक्षक, गुजरात
54. श्री अशोककुमार रामजीभाई पांडोर, डीवाय.एस.पी., गुजरात
55. श्री देवदास भीखाभाई बराड, सहायक कमांडेंट, गुजरात
56. श्री सुरेन्द्रसिंह दिलीपसिंह यादव, सिपाही, गुजरात
57. श्री हिरेनकुमार बाबूलाल वरणावा, सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
58. श्री बाबूभाई जेठाभाई पटेल, उप निरीक्षक, गुजरात
59. श्री मुकेशकुमार आनंदप्रकाश नेगी, आसिस्टंट इंटेलिजेंस ऑफिसर, गुजरात
60. श्री हेमंगकुमार मुकेश कुमार मोदी, हेड कांस्टेबल, गुजरात
61. श्री इंद्रजीत, उप पुलिस अधीक्षक, हरियाणा
62. श्री मोहन सिंह, उप निरीक्षक, हरियाणा
63. श्री रणबीर सिंह, उप निरीक्षक, हरियाणा
64. श्री विश्वजीत, निरीक्षक, हरियाणा
65. श्री औम प्रकाश, उप निरीक्षक, हरियाणा
66. श्री नरेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक, हरियाणा
67. श्री विपिन कुमार, निरीक्षक, हरियाणा
68. श्री जगतार सिंह, सहायक उप निरीक्षक, हरियाणा
69. डॉ. माईकेलराज एस., पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड
70. श्रीमती अन्नेपु विजया लक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड
71. श्री नीरज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड
72. श्री मो. इकबाल, चालक हवलदार, झारखंड
73. श्री बिन्डराय मुण्डरी, चालक हवलदार, झारखंड
74. श्री अरविन्द कुमार पालित, सहायक अवर निरीक्षक, झारखंड
75. श्री वशिष्ठ कुंवर, सहायक अवर निरीक्षक, झारखंड
76. श्री संजीव कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक, झारखंड
77. श्री विजय कुमार, सहायक अवर निरीक्षक, झारखंड
78. श्रीमती मान्ती खलखो, आरक्षी, झारखंड

79. श्रीमती प्रभा देवी, आरक्षी, झारखंड
80. श्री अरूण कुमार, निरीक्षक, झारखंड
81. श्री बी एम प्रसाद, कमांडेंट, कर्नाटक
82. डॉ. संजीव मल्लिकार्जुनप्पा पाटिल, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
83. श्रीमती रेणुका के सुकुमार, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
84. श्री गोपाल डोड्डाकरियप्पा जोगिन, सहायक पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
85. श्री गोपालकृष्ण भीमराव गौडर, पुलिस उपाधीक्षक, कर्नाटक
86. श्री एच गुरूबसवराज हेरेगौडर, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
87. श्री मोहम्मद मुकर्रम, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
88. श्री जयराज हेमानायक, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
89. श्री प्रदीपा बी आर, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
90. श्री वसंत कुमार एम ए, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
91. श्री वरदाननायकनहल्ली गंगैया मंजूनाथ, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, कर्नाटक
92. श्री बालेन्द्रन सी, विशेष रिजर्व हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
93. श्री नयाज अंजुम, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
94. श्री अरूणकुमार, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
95. श्री वीरेंद्र नाइक एन, डिप्टी कमांडेंट, कर्नाटक
96. श्री शिवानंद बी, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
97. श्री श्रीनिवास मरप्पा, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
98. श्री अशरफ़ पुइला मोडलकाडी, हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
99. श्री अल्ताफ हुसैन एन ढखानी, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, कर्नाटक
100. श्री एम. गंगाधरन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
101. श्री षाबु आर, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
102. श्री बी. कृष्ण कुमार, पुलिस अधीक्षक, केरल
103. श्री विनोद एम पी, अपर पुलिस अधीक्षक, केरल
104. श्री रेजी मात्य्यु कुन्निप्परम्पन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
105. श्री गोपकुमार एम एस, पुलिस उपनिरीक्षक, केरल
106. श्री श्रीकुमारन जी, सहायक कमांडेंट, केरल
107. श्री सुरैष कुमार राजप्पन, सशस्त्र पुलिस उपनिरीक्षक, केरल
108. श्रीमती बिन्दु एम, वरिष्ठ सिविल पुलिस, केरल
109. श्री वर्गीज के जे, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
110. श्रीमती रुचि वर्धन मिश्रा, महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
111. श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
112. श्री विक्रांत मुराब, सहायक महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
113. श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मध्य प्रदेश
114. श्री राकेश खाखा, अपर पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
115. श्री विनय प्रकाश पाल, सहायक महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
116. श्री पंकज कुमार राजवैद्य, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
117. श्री मनोज कुमा शर्मा, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
118. श्री मनोज बैस, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
119. श्री रितुराज गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक, मध्य प्रदेश

120. श्रीमती दीपिका शिंदे, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
121. श्री देवबहादुर सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
122. श्री सतीश मंडिया, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
123. श्री ए जानकी राव, सिपाही, मध्य प्रदेश
124. श्री राज कुमार तिवारी, उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
125. श्री योगेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
126. श्री होशियार सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
127. श्री संजय भास्कर दराडे, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
128. श्री विरेन्द्र मिश्र, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
129. डॉ. आरती सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
130. श्री चद्रं किशोर मीणा, पुलिस महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
131. श्री दीपक कृष्णाजी साकोरे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
132. श्री राजेश रामचंद्र बनसोडे, पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र
133. श्री सुनिल जयसिंग तांबे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
134. श्रीमती ममता लॉरेन्स डिसोजा, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
135. श्री धर्मपाल मोहन बनसोडे, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
136. श्री मधुकर माणिकराव सावंत, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
137. श्री राजेंद्र कारभारी कोते, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
138. श्री रोशन रघुनाथ यादव, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
139. श्री अनिल लक्ष्मण लाड, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
140. श्री अरूण केरभाऊ डुंबरे, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
141. श्री नजीर नसीर शेख, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
142. श्री श्रीकांत चंद्रकांत तावडे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
143. श्री महादेव गोविंद काळे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
144. श्री तुकाराम शिवाजी निंबाळकर, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
145. श्री आनंदराव पुंजाराव मस्के, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
146. श्री रविंद्र बाबुराव वानखेडे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
147. श्री सुरेश चिंतामण मनोरे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
148. श्री राजेंद्र देवमन वाघ, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
149. श्री संजय अंबादासराव जोशी, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
150. श्री दत्तु एकनाथ गायकवाड, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
151. श्री नंदकिशोर ओंकार बोरोले, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
152. श्री आनंद रामचंद्र जंगम, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
153. श्रीमती सुनिता विजय पवार, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
154. श्री जितेंद्र विठ्ठिल म्हात्रे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
155. श्री प्रफुल्ल रामचंद्र सुर्वे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
156. श्री राजेंद्र शंकर काळे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
157. श्री सलिम गणी शेख, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
158. श्री तुकाराम रावसाहेब आव्हाळे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
159. श्री रामभाऊ संभाजी खंडागळे, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
160. श्री संजय भास्कररराव चोबे, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र

161. श्री सैय्यद ईकबाल हुसेन सैय्यद मथर हुसेन, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
162. श्री विजय दामोदर जाधव, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
163. श्री रामराव वामनराव नागे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
164. श्री दिलीप भोजुसिंग राठोड, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
165. श्री अयुबखान अकबर मुल्ला, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
166. श्री लैशराम चाओबा सिंह, निरीक्षक, मणिपुर
167. श्री नाओरेम शैलेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, मणिपुर
168. श्री सोरोखैबाम संतोष सिंह, उप निरीक्षक, मणिपुर
169. श्री खैदेम चन्द्र सिंह, सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक, मणिपुर
170. श्री लेनपू कोम, हवलदार, मणिपुर
171. श्री लामथियानसन चोंगलोई, राइफलमैन, मणिपुर
172. श्री अथोकपाम तेज सिंह, सहायक उप निरीक्षक, मणिपुर
173. श्री ऐवेल एन मारक, आर्म्ड पुलिस सब इंस्पेक्टर, मेघालय
174. श्री टोमोल च संगमा, आर्म्ड पुलिस सब इंस्पेक्टर, मेघालय
175. श्री राजेश थापा, हवलदार, मेघालय
176. श्री डेविड लालथांगलियाना हमार, पुलिस अधीक्षक, मिजोरम
177. श्री जोसेफ लालरेमाविया, सहायक कमांडेंट, मिजोरम
178. श्री ज़ोरमसंगा, इंस्पेक्टर, मिजोरम
179. श्री शौका काखेतो, डिप्टी कमांडेंट, नागालैंड
180. श्री ज़सिली अंगामी, उप निरीक्षक, नागालैंड
181. श्री मेत्सेइरोवी साखरी, नायक, नागालैंड
182. श्री परितोष मंडल, कांस्टेबल, ओडिशा
183. श्री शेख अब्दुल फयाज, आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
184. श्री मोहम्मद तोशिफ रबानी, कांस्टेबल, ओडिशा
185. श्री शरत चंद्र बेहेरा, सहकारी आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
186. श्री त्रिलोचन बुधिया, कांस्टेबल, ओडिशा
187. श्री तेज बहादुर गुरुंग, सहकारी आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
188. श्री अतुल कुमार बिश्वाल, सी. आइ. हवलदार, ओडिशा
189. श्रीमती जयंती सुना, हवलदार, ओडिशा
190. श्री मनोज कुमार जेना, हवलदार, ओडिशा
191. श्री नरेश कुमार चौधरी, कांस्टेबल, ओडिशा
192. श्री देब प्रसाद महान्ति, ड्राइवर हवलदार, ओडिशा
193. श्रीमती धनप्रीत कौर, पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब
194. श्री तेजिंदरजीत सिंह, सहायक महानिरीक्षक, पंजाब
195. श्री सतीश कुमार, थानेदार, पंजाब
196. श्री सुखबीर सिंह, सहायिक थानेदार, पंजाब
197. श्री इकबाल सिंह, थानेदार, पंजाब
198. श्री बलवीर चदं, थानेदार, पंजाब
199. श्री जगरूप सिंह, इंक्पेक्टर, पंजाब
200. श्री हरपाल सिंह, सहायिक थानेदार, पंजाब
201. श्री बलबीर चदं, थानेदार, पंजाब

202. श्री अमरीक सिंह, इंक्पेक्टर, पंजाब
203. श्री लखवीर सिंह, सहायिक थानेदार, पंजाब
204. श्री हरविंदर कुमार, हैड कांस्टेबल, पंजाब
205. श्री बलविंदर सिंह, इंक्पेक्टर, पंजाब
206. श्री इंद्रदीप सिंह, इंक्पेक्टर, पंजाब
207. श्री डिम्पल कुमार, सहायिक थानेदार, पंजाब
208. श्री विकास कुमार, महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान
209. श्री पीयूष दीक्षित, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
210. श्री मनोज कुमार शर्मा, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
211. श्री राजेन्द्र प्रसाद दिवाकर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, राजस्थान
212. श्री राम प्रताप विश्नोई, उप अधीक्षक पुलिस, राजस्थान
213. श्री विजय सिंह चौधरी, उप अधीक्षक पुलिस, राजस्थान
214. श्री हनवन्त सिंह राजपुरोहित, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
215. श्रीमती शीला, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
216. श्री राजवीर सिंह, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
217. श्री रेवन्ता राम, कांस्टेबल, राजस्थान
218. श्री सुरेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
219. श्री श्याम लाल, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
220. श्री पवन कुमार, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
221. श्री स्वर्ण सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
222. श्री पुरुषोतम लाल शर्मा, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
223. श्री सुरेश कुमार शर्मा, कांस्टेबल, राजस्थान
224. श्री हेम राज राई, पुलिस उप महानिरीक्षक, सिक्किम
225. श्रीमती ह. जयलक्ष्मी, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
226. श्री गो. स्टालिन, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
227. श्री सौ. दिनकरन, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
228. श्री रा. मैथियलगन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
229. श्री ति. प्रभाहरन, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
230. श्री अ. वीरापांडी, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
231. श्री मा. बाबू, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
232. श्री बा. चंद्रशेखरन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
233. श्री टी. एच. गणेश, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
234. श्री जे. जेदिडिया, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
235. श्री जे. पी. प्रभाकर, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
236. श्री जे. प्रताप प्रेमकुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
237. श्री न. तेन्नरसु, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
238. श्री कु. वेलू, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
239. श्रीमती सु. अकीला, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तमिलनाडु
240. श्री मा. कुमार, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तमिलनाडु
241. श्री सी. असोकन, डिप्टी कमांडेंट, तमिलनाडु
242. श्री वे. सुरेश कुमार, सहायक कमांडेंट, तमिलनाडु

243. श्रीमती म. विजयलक्ष्मी, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तमिलनाडु
244. श्री एम. सी. शिवकुमार, पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
245. श्री रा. कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
246. श्री कार्तिकेय, पुलिस महानिरीक्षक, तेलंगाना
247. श्री ए. मुत्यम रेड्डी, एडिशनल सुपरिन्टेन्डेन्ट ऑफ पुलिस, तेलंगाना
248. श्री के. राम कुमार, अतिरिक्त पुलिस डिप्टी आयुक्त, तेलंगाना
249. श्री मोहम्मद फजलुर रहमान, अतिरिक्त पुलिस डिप्टी आयुक्त, तेलंगाना
250. श्री के वी रमण, पुलिस उपाधीक्षक, तेलंगाना
251. श्री ए. वेणुगोपाल, पुलिस उपाधीक्षक, तेलंगाना
252. श्री रणवीर सिंह ठाकुर, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, तेलंगाना
253. श्री पीटर जोसेफ बहदुर, सहायक रिर्जव सब-इंस्पेक्टर, तेलंगाना
254. श्री मोहम्मद मोइनुल्लाह खान, सहायक रिर्जव सब-इंस्पेक्टर, तेलंगाना
255. श्री वी पथ्या ऩायक, हेड कांस्टेबल, तेलंगाना
256. श्री अनुमाला निरंजन रेड्डी, पुलिस के सर्कल इंस्पेक्टर, तेलंगाना
257. श्री मोहम्मद अयूब खान, हेड कांस्टेबल, तेलंगाना
258. श्री बिजय देबबर्मा, पुलिस अधीक्षक, त्रिपुरा
259. श्री माणिक दास, पुलिस अधीक्षक, त्रिपुरा
260. श्री पन्ना लाल सेन, पुलिस उपाधीक्षक, त्रिपुरा
261. श्री अजय देबबर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, त्रिपुरा
262. श्री श्यामल देबबर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, त्रिपुरा
263. श्री निरंजन देबबर्मा, सूबेदार, त्रिपुरा
264. श्री एल0 आर0 कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
265. श्री मोहित गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
266. श्री अरूण कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
267. श्री दिगम्बर कुशवाहा, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
268. श्रीमती ममता रानी चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
269. श्री सुभाष चन्द्र गंगवार, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
270. श्री बृजेश कुमार गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
271. श्री महेन्द्र कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
272. श्री मुन्ना लाल, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
273. श्री कृष्णा नन्द वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
274. श्रीमती कंचन श्रीवास्तव, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
275. श्रीमती चन्द्रावली यादव, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
276. श्री जगवीर सिंह चौहान, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
277. श्री आनन्द कुमार शुक्ला, सहायक रेडियों अधिकारी, उत्तर प्रदेश
278. श्री समर सिंह, सहायक रेडियों अधिकारी, उत्तर प्रदेश
279. श्री सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक रेडियों अधिकारी, उत्तर प्रदेश
280. श्री सत्येन्द्र कुमार, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
281. श्री हृषिकेश यादव, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
282. श्री विजय कुमार राना, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
283. श्री कुलदीप कुमार, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश

284. श्री देवेन्द्र सिंह चौहान, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
285. श्री रमेश कुमार, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
286. श्री ब्रजेन्द्र भारद्वाज, सहायक रेडियों अधिकारी, उत्तर प्रदेश
287. श्री आशेन्द्र कुमार सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
288. श्री हरिमोहन राय, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
289. श्री हरिभान सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
290. श्री उदय प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
291. श्री हनुमान प्रसाद शर्मा, उपनिरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
292. श्री ओम प्रकाश सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
293. श्री सुर्जन सिंह यादव, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
294. श्री भोला, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
295. श्री दिनेश कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
296. श्री गिरिराज सिंह, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
297. श्री इरशाद अहमद, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
298. श्री कालिन्दर यादव, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
299. मु0 सादिक अली, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
300. श्री प्रमोद कुमार, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
301. श्री रामनाथ पाल, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
302. श्री सुभाष चन्द्र, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
303. श्री सुलह सिंह, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
304. श्री अनुपम, प्रतिसार निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
305. श्री जीत बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
306. श्री अजय कुमार सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
307. श्री दयाराम, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
308. श्री कृष्ण पाल सिंह चौहान, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
309. श्री विरेन्द्र पाल सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
310. श्री ध्रुव कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
311. श्रीमती अन्जना शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
312. श्री अपरबल सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
313. श्री राजा सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
314. श्री कमलेश चन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
315. श्री प्रमोद सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
316. श्री राजवीर सिंह यादव, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
317. श्री शिवपाल सिंह यादव, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
318. श्री अशोक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
319. श्री रामवीर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
320. श्री दिनेश कुमार, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
321. श्री ईश्वर सिंह, दलनायक, उत्तर प्रदेश
322. श्री परमेश्वरी दयाल त्रिपाठी, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
323. श्री शैलेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
324. श्री विनोद कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक, उत्तर प्रदेश

325. श्री अनिल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
326. श्री त्रिलोकी नाथ यादव, शिविरपाल, उत्तर प्रदेश
327. श्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
328. श्री श्याम नारायण पाण्डेय, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
329. श्री रवेन्द्र सिंह चौहान, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
330. श्री चन्द्र मोहन सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
331. श्री लखपत सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
332. श्री धर्मपाल, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
333. श्री सत्य कुमार, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
334. श्री धर्मेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
335. श्री राकेश कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
336. श्री धर्मपाल, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
337. श्रीमती शाहजहां जावेद खान, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तराखंड
338. श्री प्रमोद कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तराखंड
339. श्री बीरेन्द्र सिंह कठैत, दलनायक, उत्तराखंड
340. सुश्री सुमन पन्त, उप निरीक्षक, उत्तराखंड
341. श्री राजेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, उत्तराखंड
342. श्री द्युतिमान भट्टाचार्य, पुलिस अधीक्षक, पश्चिम बंगाल
343. श्री देबाशीष घोष, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
344. श्री सुभाशीष भट्टाचार्जी, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
345. श्री सोमजीत सुर, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
346. श्री जयंत कुमार साहा, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
347. श्री सुमित दासगुप्त, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
348. श्री नन्द दुलाल घोष, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
349. श्री बिभास देब, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
350. श्री मनोज कुमार रॉय, सिपाही, पश्चिम बंगाल
351. श्री अनिमेष घोष, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
352. श्री गौतम हालदार, सिपाही, पश्चिम बंगाल
353. श्री मो: साहिद मोल्ला, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
354. श्री सिद्धार्थ मंडल, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
355. श्री मानस मुखर्जी, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
356. श्री विश्वजीत पाल, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
357. श्री रंजीत छेत्री, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
358. श्री विद्युत कर्मकार, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
359. श्री तुहिन सुभ्रा राहा, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
360. श्रीमती सुजाता मंडल, सहायक महिला पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
361. श्रीमती सुतापा पात्र सरकार, महिला सिपाही, पश्चिम बंगाल
362. श्री के. नागेंद्र राव, निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
363. श्री अमल कुमार दास, प्रधान सिपाही, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
364. श्री दिलिप कुमार सील, उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
365. श्री बलजिंदर सिंह, उप निरीक्षक, चंडीगढ़

366. श्री मनजीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक, चंडीगढ़
367. श्री मोहम्मद यूसुफ, निरीक्षक, लद्दाख
368. श्री मोहम्मद शफी, सहायक उप निरीक्षक, लद्दाख
369. श्री एस आनंदन, पुलिस उपनिरीक्षक, पुदुचेरी
370. श्री गोपेथी, चयन ग्रेड पुलिस उप-निरीक्षक, पुदुचेरी
371. श्री मोहम्मद यासीन किचलू, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
372. श्री मंज़ूर अहमद भट्ट, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
373. श्री परदीप गुप्ता, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
374. श्री संजीव सिंह सलाथिया, उप अधीक्षक पुलिस, जम्मू और कश्मीर
375. श्री सोम राज, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
376. श्रीमती रोहिणी धर, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
377. श्री राजपाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
378. श्री गुलाम हसन बेग, हेडकांस्टेबल, जम्मू और कश्मीर
379. श्री मोहम्मद इकबाल मीर, सहायक उपनिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
380. श्री कुलदीप सिंह, चयन ग्रेड कांस्टेबल, जम्मू और कश्मीर
381. श्री संतोष कुमार सिंह, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
382. श्री दीप चन्द, सूबेदार, असम राइफल्स
383. श्री अमिय कुमार प्रधान, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
384. श्री अजय कुमार पाण्डेय, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
385. श्री हेम बहादुर थापा, सूबेदार, असम राइफल्स
386. श्री छोटे सिंह, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
387. श्री रविन्द्र रे, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
388. श्री रोशन लाल, वारंट ऑफिसर, असम राइफल्स
389. श्री जितेन्द्र कुमार, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
390. श्री जय भगवान, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
391. श्री विनोद आर्या, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
392. श्री जय भगवान, वारटं ऑफिसर, असम राइफल्स
393. श्री सुनील कुमार राय, डिप्टी कमांडेन्ट, असम राइफल्स
394. श्री शशांक आनंद, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
395. श्री लखमिंदर गिल, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
396. श्री धनन्जय मिश्रा, कमांडेंट, बीएसएफ
397. श्री सुरेन्द्र कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
398. डॉ. रजनीश शर्मा, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), बीएसएफ
399. श्री राजवंत सिंह ठाकुर, कमांडेंट, बीएसएफ
400. श्री रवीन्द्र सिंह भंडारी, कमांडेंट, बीएसएफ
401. श्री विपिन विलास नाईक, कमांडेंट, बीएसएफ
402. डॉ. सुचंद्रा डे, कमांडेंट/ मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बीएसएफ
403. श्री अच्छर सिंह सैनी, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
404. श्री देवेन्द्र कुमार, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
405. श्री जबर सिंह भाटी, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
406. श्री अशोक कुमार, निरीक्षक, बीएसएफ

407. श्री राम कृष्ण बधोक, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
408. श्री पंकज मणि सक्सेना, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
409. श्री गिरीश चन्द्र, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
410. श्री राजेंद्र कुमार, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
411. श्री अनीष एम पी, निरीक्षक, बीएसएफ
412. श्री जगन्नाथ सिंह चौहान, निरीक्षक, बीएसएफ
413. श्री निरार ई पी, निरीक्षक, बीएसएफ
414. श्रीमती आभा शर्मा, उप निरीक्षक, बीएसएफ
415. श्री मनीष राज, निरीक्षक, बीएसएफ
416. श्री के संपथु, उप निरीक्षक, बीएसएफ
417. श्री तेज बहादुर सिंह, निरीक्षक, बीएसएफ
418. श्री ज्योतिष चंद्र सरकार, उप निरीक्षक, बीएसएफ
419. श्री जी रवि कुमार मैनन, निरीक्षक, बीएसएफ
420. श्री बन्डी अरजुनुडु, उप निरीक्षक, बीएसएफ
421. श्री चतर सिंह, निरीक्षक/सूबेदार मेजर, बीएसएफ
422. श्री अमर सिंह, निरीक्षक, बीएसएफ
423. श्री वी आर मोहोनशांग, कांस्टेबल, बीएसएफ
424. श्री दुलमोहन सैकीया, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
425. श्री नेतर प्रकाश, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
426. श्री अरूण कुमार रॉय, निरीक्षक, बीएसएफ
427. श्री लक्ष्मी नारायण मीणा, डिप्टी कमांडेंट, बीएसएफ
428. श्री एमयू रजब खान, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
429. श्री सुरेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
430. श्री सरदार सिंह, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
431. श्री सुशांत कुमार मंडल, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
432. श्री एन पी उदय कुमार, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
433. श्री शरत चंद्र जेना, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
434. श्री संतोष कुमार चौधरी, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
435. श्री सुनील सिंह, निरीक्षक, बीएसएफ
436. श्री राजीव कुमार सिंह, निरीक्षक, बीएसएफ
437. श्री ब्रह्मदेव यादव, निरीक्षक, बीएसएफ
438. श्री अर्जुन प्रसाद, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
439. श्री चैन सिंह, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
440. श्री अवधेश प्रताप सिंह, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
441. श्री जय प्रकाश अजाद, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
442. श्री तुषार ज्ञानेश्वर साखरे, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
443. श्री सुनील कुमार रघुवंशी, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
444. श्री विशाल दुबे, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
445. श्री नरेन्द्र कुमार जोशी, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ
446. श्री शराफत अली खान, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ
447. श्री सुनील कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ

448. श्री एम रमेश, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ
449. श्री सुशील कुमार, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ
450. श्री धर्म चन्द व्यास, निरीक्षक, सीआईएसएफ
451. श्री अजया कुमार बी, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ
452. श्री वी तमिल सेलवम, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
453. श्री बैध्र नाथ शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
454. श्री आर जय कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
455. श्री वे थंगाराजा, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
456. श्री एम आरूमुगम, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
457. श्री कुलदीप कुमार, उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
458. श्री उत्पल बनर्जी, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
459. श्री महेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
460. श्री शिशपिन्दर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
461. श्री दुर्गा प्रसाद चंद्र, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
462. श्री मुकेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
463. सुश्री प्रतिमा देवी, महिला निरीक्षक, सीआईएसएफ
464. डा. जगबीर सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस.जी)/ कमांडेंट, सीआरपीएफ
465. डा. नयनतारा मिलि, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस.जी)/ कमांडेंट, सीआरपीएफ
466. श्री संजय कुमार सिंह, कमांडेंट, सीआरपीएफ
467. श्री देव पीयूष भारद्वाज, कमांडेंट, सीआरपीएफ
468. श्री केवल कृष्ण, कमांडेंट, सीआरपीएफ
469. श्री पंकज चौधरी, कमांडेंट, सीआरपीएफ
470. श्री साधु सरन यादव, कमांडेंट, सीआरपीएफ
471. श्री डब्ल्यू. आर. जोसुआ, कमांडेंट, सीआरपीएफ
472. श्री हरज्ञान सिंह गुर्जर, कमांडेंट, सीआरपीएफ
473. श्री अजय कुमार वर्मा, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
474. श्री योगेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
475. श्री कमल चन्द, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
476. श्री ललित मोहन बिलवाल, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
477. श्री अशोक पी. एम., उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
478. श्री सर्वेन्द्र सिंह, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
479. श्री रणवीर कुमार मिश्रा, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
480. श्री अमर पाल सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
481. श्री भागीरथ मीना, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
482. श्री अजय कुमार, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
483. श्री उपेन्द्र कुमार, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
484. श्री आसुतोष कुमार, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
485. श्री संजय कुमार रावत, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
486. श्री बालाजी बाल कृष्ण प्र. सिन्हा, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ
487. श्री अनिल कुमार कम्बोज, निरीक्षक, सीआरपीएफ
488. श्री प्रसान्ता फौजदार, निरीक्षक, सीआरपीएफ

489. श्री बसुदेव घोष, निरीक्षक, सीआरपीएफ
490. श्री यम बहादुर थापा, निरीक्षक, सीआरपीएफ
491. श्री राम बाबु सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
492. श्री ओंकार मल जांगिड, निरीक्षक, सीआरपीएफ
493. श्री राजेन्द्र सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
494. श्री महेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
495. सुश्री एस मणिमेगलाई, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
496. श्रीमती रक्षिता ब्रिजवाल, निरीक्षक, सीआरपीएफ
497. श्री बाबू एम, निरीक्षक, सीआरपीएफ
498. श्री श्रीवास चन्द्र पाल, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
499. श्री के. एन. कृष्णन, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
500. श्री सिराजुद्दीन सौदागर, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
501. श्री सथिश कुमार ए, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
502. श्री सुरेन्द्र, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
503. श्री रोताश कुमार कासवान, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
504. श्री अशोक कुमार, निरीक्षक, सीआरपीएफ
505. श्री गोहेल बलवंतसिंह भुरूभा, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
506. श्री मणीराम देववर्मा, हवलदार, सीआरपीएफ
507. श्री प्रदीप सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
508. श्री ओम प्रकाश सरोज, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
509. श्री संजीव सिंह सेंगर, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
510. श्री महेन्द्र कुमार पारिक, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
511. श्री राजन टी., सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
512. श्री संदीप कुमार सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
513. श्री डी. सनल, सहायक उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
514. श्री योगराज, हवलदार, सीआरपीएफ
515. श्री दिग्विजय प्रताप सिंह, हवलदार, सीआरपीएफ
516. श्री ईश्वर सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
517. श्री नन्द भंवर सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
518. श्री अकोईजम सामानन्दा सिंह, हवलदार, सीआरपीएफ
519. श्री कार्तिक पात्रा, हवलदार, सीआरपीएफ
520. श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह, हवलदार, सीआरपीएफ
521. श्री मनु महाराज, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
522. श्री इन्दु भूषण झा, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
523. श्री चन्दन सिह भण्डारी, सेनानी, आईटीबीपी
524. श्री संजय कुमार, सेनानी, आईटीबीपी
525. श्री शोभन सिंह राणा, सेनानी, आईटीबीपी
526. श्री रामबीर सिंह, सहायक सेनानी (राजभाषा), आईटीबीपी
527. श्री बालक राम डोगरा, सहायक सेनानी, आईटीबीपी
528. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार भारद्वाज, निरीक्षक, आईटीबीपी
529. श्री कृष्ण चन्द, निरीक्षक, आईटीबीपी

530. श्री सतेन्द्र सिंह रावत, निरीक्षक, आईटीबीपी
531. श्री गारू राम, सहायक उप निरीक्षक, आईटीबीपी
532. श्री राकेश नेगी, सहायक उप निरीक्षक, आईटीबीपी
533. श्री सतीश कुमार, हैड कॉस्टेबल, आईटीबीपी
534. श्री ओम वीर सिंह, स्क्वाड्रन कमांडर, एनएसजी
535. श्री पाटीदार विशाल, द्वितीय कमान अधिकारी, एनएसजी
536. श्री सुनील शर्मा, ग्रुप कमांडर, एनएसजी
537. श्री सुरेश कुमार पिलानियाँ, रेंजर – I (जीडी), एनएसजी
538. श्री दीपक सिंह, कमांडेंट, एसएसबी
539. श्री दिनेश चन्द्र यादव, कमांडेंट, एसएसबी
540. श्री सुनील कुमार, कमांडेंट, एसएसबी
541. श्री राकेश चन्द्र सिंह, कमांडेंट, एसएसबी
542. श्री मेजर सिंह, उप निरीक्षक, एसएसबी
543. श्री पैरीमल भौमिक, निरीक्षक, एसएसबी
544. श्री वाई. लालमोहन सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एसएसबी
545. श्री गिरधर गोपाल, सहायक उप निरीक्षक, एसएसबी
546. श्री मोईबम बिजॉय कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एसएसबी
547. श्री मदन लाल स्वामी, मुख्य आरक्षी, एसएसबी
548. श्री परम जीत सिंह, मुख्य आरक्षी, एसएसबी
549. श्री आकाश जिंदल, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
550. श्री अनूप कृष्णा, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
551. सुश्री मैथिली झा, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
552. सुश्री टी. अमोंगला अईयर, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
553. श्री डोन के जोस, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
554. सुश्री पुष्पांजलि देवी, उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
555. श्री तिरुज्ञान सम्बंदन एस., उपनिदेशक, गृह मंत्रालय
556. श्री कृष्णस्वामी पत्मनाभन, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
557. श्री प्रकाश बाबु नडुपरम्बत्त्, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
558. श्री राजेश सिंह, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
559. श्री संजय दास, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
560. श्री शंकर कुमार दास, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
561. श्री रविंद्र शंकर पाटिल, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
562. श्री मनीष कौशलम, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
563. श्री सुजीत कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
564. श्री अन्तु कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
565. श्री शशि शेखर, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
566. श्री संजय कुमार पात्र, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
567. श्री कोचिरि वसंता राव, संयुक्त उपनिदेशक/एन पी, गृह मंत्रालय
568. श्री नीरज शर्मा, निजी सचिव, गृह मंत्रालय
569. श्री जॉर्ज वर्गीस, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/तकनीकी, गृह मंत्रालय
570. श्री फणिराजा शर्मा भारतुला, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय

571. श्री हवलदार सिंह, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
572. श्री रघुबीर सिंह, सहायक अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
573. श्री पाल्मै नुंग्शिखम कबुई, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
574. श्री छेरिंग स्तोबदान, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
575. सुश्री दीपा शर्मा, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
576. श्री मनीष रंजन, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
577. श्री अरविन्द तिर्की, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
578. श्री कुलदीप द्विवेदी, उप निदेशक (प्रशासन एवं कार्मिक), सीबीआई
579. श्री राजीव रंजन, संयुक्त निदेशक, सीबीआई
580. सुश्री जयालक्ष्मी रामानुजम, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
581. सुश्री सुधा सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
582. श्री अश्विन आनंद शेणवी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
583. श्री अमृत पाल सिंह, उप कानूनी सलाहकार, सीबीआई
584. श्री मानिकवेल सुंदरमूर्ति, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
585. श्री विवेक, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
586. श्री सूरज मजूमदार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
587. श्री संजीव शर्मा, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
588. श्री राज कुमार, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
589. श्री विष्णु ओम विक्रम, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
590. श्री नरेश कुमार कौशिक, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
591. श्री वहेंग्बम सुनील सिंह, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
592. श्री अलोक कुमार मजुमदार, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
593. श्री राजिंदर कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
594. श्री एन कृष्णा, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
595. श्री सुभाष किसन खतेले, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
596. श्री शेख खमरूद्दीन, आरक्षक, सीबीआई
597. श्री राजेश कुमार, आरक्षक, सीबीआई
598. श्री पुष्पेंद्र सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
599. श्री बलदेव कुमार, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
600. श्री कुलदीप कुमार भारद्वाज, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, सीबीआई
601. श्री विनोद कुमार चौधरी, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
602. श्री दया राम यादव, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
603. श्री रमेश चन्द्र, सुरक्षा अधिकारी-I, एसपीजी
604. श्री अनिल कुमार, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
605. श्री यश वर्धन भट्ट, सुरक्षा अधिकारी-I, एसपीजी
606. श्री अजय कुमार, सुरक्षा अधिकारी-I, एसपीजी
607. श्री सुनीत वार्ष्णेय, पुलिस अधीक्षक, बीपीआरएंडडी
608. श्री अनुप क्षेत्री, सहायक निदेशक, बीपीआरएंडडी
609. श्री नेल्लिकंटि अंजनेयुलु, हवलदार, एसवीपीएनपीए
610. श्री बलजिन्दर सिंह, कमांडेंट, एनडीआरएफ
611. श्री प्रवीण कुमार तिवारी, कमांडेंट, एनडीआरएफ
612. श्री मन्टु कुमार दास, उप निरीक्षक, एनडीआरएफ
613. श्री देव दर्शन बेलवाल, उप कमांडेंट, एनडीआरएफ

614. श्री बासुदेव राणा, निरीक्षक, नेपा
615. श्री रविन्द्र सिंह बिष्ट, सहायक निदेशक, एनसीबी
616. श्री अनिल कुमार गायनर, उप अधीक्षक, एनसीआरबी
617. श्री अमित कुमार, उप महानिरीक्षक, एनआईए
618. श्री राजेश कुमार, निरीक्षक, एनआईए
619. श्री सेंथिल कुमार वेंकटेशन, पुलिस उपाधीक्षक, एनआईए
620. श्री सचिन अशोक भालोडे, उप महानिरीक्षक, आरपीएफ
621. श्री संथाराम वेंकट श्रीधर पेंटाकोटा, उप महानिरीक्षक, आरपीएफ
622. श्री ए इब्राहिम शेरिफ, उप महानिरीक्षक, आरपीएफ
623. श्री सुनील चंद, निरीक्षक, आरपीएफ
624. श्री श्रीनिवास राव डोन्थागनी, निरीक्षक, आरपीएफ
625. श्री चंद्रकांत तिवाडी, निरीक्षक, आरपीएफ
626. श्री कालू सेठी, निरीक्षक, आरपीएफ
627. श्री दिनेश चौधरी, उप निरीक्षक, आरपीएफ
628. श्री उत्तम कुमार ब्रह्मा, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ
629. श्री महमूद हसन, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
630. श्री आलोक रंजन मित्रा, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
631. श्री गुरबिंदर सिंह, उप निरीक्षक, आरपीएफ
632. श्रीमती आशा, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ
633. श्री रविचंद्रन पुत्तूर, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
634. श्री रोहिताश आर्य, उप निरीक्षक, आरपीएफ

अग्निशमन सेवा

635. श्री जय राम बोरो, ड्राइवर, असम
636. श्री जतिन्द्र नाथ कलिता, उप अधिकारी, असम
637. श्री नासिद अली, स्टेशन अधिकारी, असम
638. श्री बिपुल कलिता, स्टेशन अधिकारी, असम
639. श्री गणेश डेका, स्क्वाड कमांडर, असम
640. श्री प्रबीन चंद्र दास, स्टेशन अधिकारी, असम
641. श्री केशव चंद्र कलिता, उप अधिकारी, असम
642. श्री सतीश कुमार, फायरमैन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
643. श्री राजेंद्र सिंह, लीडिंग फायरमैन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
644. श्री रमेश कुमार, लीडिंग फायरमैन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
645. श्री रामनिवास, लीडिंग फायरमैन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
646. श्री ठाकर दास, स्टेशन फायर अधिकारी, हिमाचल प्रदेश
647. श्री थिप्पेस्वामी जी, उप निदेशक, कर्नाटक
648. श्री सूरज एस, जिला अग्निशमन अधिकारी, केरल
649. श्री प्रेमन पी सी, वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव अधिकारी, केरल
650. श्री साली के टी, वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव अधिकारी, केरल
651. श्री सेबास्टियन वी, स्टेशन अधिकारी, केरल
652. श्री बाबू पी के, वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव अधिकारी, केरल
653. श्री लालबियाखनुना, फायर फाइटर, मिजोरम
654. श्री प्रशांत कुमार साहू, मुख्य अग्निक, ओडिशा
655. श्री बिश्वरंजन भोई, मुख्य अग्निक, ओडिशा

656. श्री अभिमन्यु प्रधान, मुख्य अग्निक, ओडिशा
657. श्री नगेन्द्र कुमार भल, मुख्य अग्निक, ओडिशा
658. श्री बिष्णु भक्त शर्मा, सहायक उप अग्निशमन अधिकारी, सिक्किम
659. श्री वेंकटेश्वर राव मोरुबोयना, अग्रणी फायरमैन, तेलंगाना
660. श्री सुब्बैया चावला, अग्रणी फायरमैन, तेलंगाना
661. श्री जनार्दन करूकूरी, अग्रणी फायरमैन, तेलंगाना
662. श्री उदयभान सिंह, लीडिंग फायरमैन, उत्तर प्रदेश
663. श्री लोकेन्द्र सिंह, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
664. श्री गजफ्फर अब्बास, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
665. श्री राजीव कुमार पाण्डेय, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, उत्तर प्रदेश
666. श्री संजीव कुमार सिंह, अग्निशमन अधिकारी, उत्तर प्रदेश
667. श्री राम प्रसाद, सहायक उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
668. श्री अवधेश कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट/ अग्नि, सीआईएसएफ
669. श्री प्रेम चंद शर्मा, सहायक कमांडेंट/ अग्नि, सीआईएसएफ
670. श्री विजेद्र यादव, निरीक्षक/ अग्नि, सीआईएसएफ
671. श्री रणधीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक/ अग्नि, सीआईएसएफ

होम गार्ड एवं नागरिक सुरक्षा

672. श्री भुबन कलिता, प्लाटून कमांडर, असम
673. श्री उत्पल घोष, आश्मरिक प्रतिरक्षा स्वयंसेवक, असम
674. श्री दीपांकर बोर्गोहाई, आश्मरिक प्रतिरक्षा स्वयंसेवक, असम
675. श्री महेश कुमार मिश्रा, सैनिक, छत्तीसगढ़
676. श्री विकासभाई रामकृष्ण पाटिल, ऑफिसर कमांडिंग, गुजरात
677. सुश्री गीताबेन सावजीभाई गोहिल, प्लाटून कमांडर, गुजरात
678. श्री तुलसीभाई अलाभाई जाला, हवलदार, गुजरात
679. श्री जालंभाई वशरामभाई मकवाना, डिवीजनल वार्डन, गुजरात
680. श्री जयेश देवजीभाई वेगाड़ा, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
681. श्री नंदूभाई बाबाभाई पटेल, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
682. श्री दिनेश कुमार, कंपनी कमांडर, हिमाचल प्रदेश
683. श्री बुध राज, प्लाटून कमांडर, हिमाचल प्रदेश
684. डॉ. मैथ्यू वरुगीस, ऑफिसर कमांडिंग ट्रेनिंग सर्विस, कर्नाटक
685. श्री मोहम्मद अजीमुल्ला, डिवीजनल वार्डन, कर्नाटक
686. श्री इस्माइल मोहम्मद मिर्जा, डिवीजनल वार्डन, कर्नाटक
687. श्री निंगाराजू पी, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
688. श्री बाबूराव बी ई, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट, कर्नाटक
689. श्री चंदर सिंह चंदेरिया, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
690. श्री संजीव कुमार शर्मा, सैनिक स्वयंसेवक, मध्य प्रदेश
691. श्री संजीव कुमार नायक, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक, ओडिशा
692. श्री घनश्याम सिंह, उप कमांडेंट, राजस्थान
693. श्री मन्त्री ईश्वरय्या, होम गार्ड, तेलंगाना
694. श्री मेडिपल्ली यादगिरी, होम गार्ड, तेलंगाना
695. श्री कोमटि लक्षमन, होम गार्ड, तेलंगाना
696. श्री कल्लेमला आईलाय्य, होम गार्ड, तेलंगाना
697. श्री रोइसिआमा दार्लंग, होम गार्ड, त्रिपुरा

698. श्री नैरूयर आलम सिद्दीकी, डिवीजनल वार्डन, उत्तर प्रदेश
699. श्री सौरभ सिंह, स्टॉफ अधिकारी, उत्तर प्रदेश
700. श्री रमन सक्सेना, स्टॉफ अधिकारी, उत्तर प्रदेश
701. श्री कश्मीर सिंह, उप नियंत्रक, उत्तर प्रदेश
702. श्री नीरज श्रीवास्तव, सहायक उप नियंत्रक, उत्तर प्रदेश
703. श्री गिरीश जोशी, प्लाटून सार्जेंट, उत्तराखंड
704. श्री धर्म सिंह नेगी, प्लाटून कमांडर, उत्तराखंड
705. श्रीमती के. कलई चेल्वी, गृह रक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
706. श्री रियाज अहमद मीर, डिविजनल वार्डन, जम्मू और कश्मीर
707. श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, उप मुख्य वार्डन, रेल मंत्रालय
708. श्री बी रमन्ना, टीएम-II/सीडीवी, रेल मंत्रालय
709. श्री शिव नाथ श्रीवास्तव, नागरिक सुरक्षा निरीक्षक, रेल मंत्रालय
710. श्री धर्मेश चंद्र श्रीवास्तव, मुख्य नागरिक सुरक्षा निरीक्षक, रेल मंत्रालय

सुधारात्मक सेवा

711. श्री कडलि अर्जुन राव, मुख्य हेड वार्डर, आंध्र प्रदेश
712. श्री उंड्राजवरपु वीरा वेंकट सत्यनारायण, वार्डर, आंध्र प्रदेश
713. श्री ढाल सिंह कोसरे, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, छत्तीसगढ़
714. श्री हुकम चन्द, उप अधीक्षक (कार्यालय), हरियाणा
715. श्री दीपक कुमार, हैड वार्डर, हरियाणा
716. श्री भीम सिहँ, वार्डर, हरियाणा
717. श्री कुलदीप पठान, वार्डर, हरियाणा
718. श्री राजीव टी आर, अधीक्षक, केरल
719. श्री उदयकुमार वी, उप अधीक्षक, केरल
720. श्री राधाकृष्णन एम, उप अधीक्षक, केरल
721. श्री शाजी सी, उप अधीक्षक, केरल
722. श्री उन्नीकृष्णन पी, सहायक अधीक्षक ग्रेड-I, केरल
723. कुमारी भारती राठौर, सहायक ग्रेड-II, मध्य प्रदेश
724. श्री राजरूप सिंह मार्को, मुख्य प्रहरी, मध्य प्रदेश
725. श्री लोकेश उदे , प्रहरी, मध्य प्रदेश
726. श्री विमल कुमार सिंह, प्रहरी, मध्य प्रदेश
727. श्री कैलाश कर्मा, प्रहरी, मध्य प्रदेश
728. श्री विवेक वसंत झेंडे, अतिरिक्त अधीक्षक, महाराष्ट्र
729. श्री अहमद शमशुद्दीन मणेर, हवालदार, महाराष्ट्र
730. श्री गणेश महादेव गायकवाड, हवालदार, महाराष्ट्र
731. श्री प्रल्हाद दत्तात्रय कुदळे, हवालदार, महाराष्ट्र
732. श्री तुळशीराम काशिनाथ गोरवे, हवालदार, महाराष्ट्र
733. श्री कुअँर मारंडि, वरिष्ठ अधीक्षक, ओडिशा
734. श्रीमती सुचित्रा दास, अधीक्षक, ओडिशा
735. श्री के. ज्योतिरामलिंगम, मुख्य प्रधान वार्डर, तमिलनाडु
736. श्री ए. कालीअप्पन, सहायक जेलर, तमिलनाडु
737. श्री एम. के. सरवणन, सहायक जेलर, तमिलनाडु
738. श्री के. कन्नन, मुख्य प्रधान वार्डर, तमिलनाडु
739. श्री सत्य प्रकाश, अधीक्षक कारागार, उत्तर प्रदेश

740. श्री राजकुमार, कारापाल, उत्तर प्रदेश

741. श्री मुन्ना लाल सुमन, हेड जेल वार्डर, उत्तर प्रदेश

742. श्री दिलशाद हुसैन, हेड जेल वार्डर, उत्तर प्रदेश

743. श्री शैलेन्द्र कुमार, जेल वार्डर, उत्तर प्रदेश

744. श्री मनोज कुमार सिंह, जेल वार्डर, उत्तर प्रदेश

745. श्री विजय कुमार, अनुभाग अधिकारी, जम्मू और कश्मीर

746. श्री नजीर अहमद शेख, वार्डर, जम्मू और कश्मीर

2. सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 87-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता हैं |

एस. एम. समी
अवर सचिव

शिक्षा मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

(आईसीआर प्रभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 2025

सं. 10-3/2025-यू.3(ए)—जबकि, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (सम विश्वविद्यालय संस्थान), मुंबई ने यूजीसी (सम विश्वविद्यालय, संस्थान) विनियम, 2023 के अनुसार प्लॉट नंबर 1, मेडिसिटी, न्यू चंडीगढ़, जिला- एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब में ऑफ-कैंपस सेंटर शुरू करने के लिए यूजीसी पोर्टल पर अपना आवेदन अपलोड किया था।

2. और जबकि, यूजीसी ने दिनांक 02.01.2025 के अपने पत्र संख्या 30-6/2024 (सीपीपी-I/डीयू) के माध्यम से सूचित किया कि अध्यक्ष, यूजीसी ने आवेदन की जांच करने के लिए एक स्थायी समिति का गठन किया। समिति ने संस्थान के प्रस्तुतीकरण के बाद और प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के आधार पर कतिपय शर्तों के साथ होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई को आशय (एल ओ आई) पत्र जारी करने की सिफारिश की।

3. और जबकि, मंत्रालय ने यूजीसी की सलाह पर, प्लॉट नंबर 1, मेडिसिटी, न्यू चंडीगढ़, जिला - एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब में ऑफ-कैंपस शुरू करने से पहले 3 वर्ष की अवधि के भीतर कुछ शर्तों को पूरा करने के लिए होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई को दिनांक 21.01.2025 का आशय पत्र (एलओआई) जारी किया।

4. और आगे, जबकि कुलपति, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई ने दिनांक 18.02.2025 के अपने पत्र के माध्यम से, एलओआई की शर्तों को पूरा करने के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसे सत्यापन और आगे की सलाह के लिए यूजीसी को अग्रेषित किया गया था। यूजीसी ने दिनांक 18.03.2025 के पत्र सं एफ. 30-6/2024 (सीसीपीपी-I/डीयू) के माध्यम से, सूचित किया कि अनुपालन रिपोर्ट स्थायी समिति द्वारा स्वीकार कर ली गई थी।

5. अब, इसलिए, यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी की सलाह पर, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई को प्लॉट नंबर 1, मेडिसिटी, न्यू चंडीगढ़, जिला-एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब में ऑफ-कैंपस सेंटर शुरू करने के लिए इस शर्त के साथ अनुमोदन देता है कि विद्यार्थियों को प्रासंगिक सांविधिक परिषदों के अनुमोदन के बाद ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा।

6. होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई इस मंत्रालय की पूर्व की अधिसूचना (ओं) में उल्लिखित अन्य सभी शर्तों के साथ-साथ यूजीसी और अन्य सांविधिक परिषदों के समय-समय पर जारी नियमों/विनियमों के प्रावधानों का पालन करेगा।

पूर्णेंदु किशोर बनर्जी
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2025

No. 19-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Lalji Sinha	Inspector	GM
2.	Bhuneshwer Sahu	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.06.2021, continuous information was being received from informers and various sources that Maoists, in large numbers, are planning to attack in order to harm the police by holding a big meeting in the presence of senior Maoists of Kanger Valley Area Committee and Katekalyan Area Committee of Darbha Division in the border areas of district Sukma, Odisha and villages Chandameta's Patelpara, Gadmepara, Andalpara, Payarbhat under Bastar district's Darbha police station and Tulsi hills and Daldali areas.

After verifying the above information, a joint force of District Force, DRG, CAF and CRPF was sent for anti-Naxal operation in different areas under the guidance of senior officers, in which a team headed by the then station in-charge Lalji Sinha along with police station Darbha's 02 constables, DRG 01 Commander Sub-Inspector Bhuneshwer Sahu and DRG 02 Commander Sub-Inspector Manoj Tirkey along with other personnel were sent towards Patelpara, Patnampara, Payarbhat on 17.06.2021 in the night for anti-Nnaxalite operation after proper briefing and planning with sufficient arms ammunition, communication equipment and daily use items. According to the plan, under the leadership of Inspector Lalji Sinha, on 18.06.2021 in morning; the team was heading towards Payarbhat by closely searching the area, where on reaching 1 km before the possible meeting site of naxals, the teams were divided in two parts for a planned cordoning of naxals. Along with DRG 01 commander Sub-Inspector Bhuneshwer Sahu, a team of 36 men were moving forward for a planned cordoning. Around 08:30 AM, as soon as the team under the leadership of Inspector Lalji Sinha entered the dense forest of Chandameta near Patnampara to Payarbhat, the camp of Maoists was seen in Jungle hills between Patnampara to Payarbhat. The whole team under the leadership of Inspector Lalji Sinha and Sub-Inspector Bhuneshwer Sahu cordoned the naxal camp by establishing mutual coordination. The armed naxals of banned Maoist organizations started firing indiscriminately on the police party with the common intention of killing the police force and looting the weapons. On which, the then station in-charge Darbha Inspector Lalji Sinha promptly acted and directed his fellow Sub-Inspector Bhuneshwer Sahu and team members with wireless set to take guard and retaliate. The team members of police party warned the naxals and asked to surrender and stop firing but the naxals ignored the warning and continued firing indiscriminately upon the police team. On which, as there was no other option for the safety of life and property, the police party fired on the naxals in retaliation for self-protection. Inspector Lalji Sinha, the then police station in-charge Darbha and Sub-Inspector Bhuneshwer Sahu showed their great leadership skills in the middle of firing from the front with the soldiers of their own party, extraordinary courage and bravery risking their own lives, continuously motivated their team members and responded to the firing of the naxals with firing. On seeing the increasing pressure and cordoning from police party, naxals ran away under the cover of dense forest by naming each other.

The firing between the police and the naxals continued for about an hour, where the naxalites seeing themselves weak due to the strict action of the police, started running towards the forest hills. They were chased for a long distance by the police party who jumped into the drain and took the cover of the forest hills and succeeded in running away. After the firing was over, the police party searched the crime scene of Chandameta's Payarbhat, where on the spot, dead body of a female uniformed naxal Mangli, aged about 30 years was recovered. One piece AK-47 rifle with magazine 25 live rounds, a black pouch and a pitthu was recovered from her. At a distance of about 10 meters from the dead body, one piece of 12 bore gun, one piece of 12 bore country made katta small barrel and 05 live rounds of 12 bore. At some distance, one 315 bore country made katta with 06 live rounds with pouch was recovered. At a distance of 30 meters, one 315-bore country-made pistol with 06 live rounds, pouch and daily use items were recovered.

In this operation, S/Shri Lalji Sinha, Inspector and Bhuneshwer Sahu, Sub-Inspector of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18.06.2021.

(F. No.-11020/18/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 20-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sanjay Potam	Inspector	GM
2.	Budhram Korsa	Head Constable	GM
3.	Kamlesh Markam	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the 15th July 2021, precise human intelligence was received by SP Dantewada regarding the presence of banned CPI (Maoists) including the dreaded 08-10 Maoists and members of the Bhairamgarh Area Committee- Mohan, Lachhu, Shankar, Anil in the forest area of Dholkal Peddapal under the Faraspal Police Station. Dholkal Peddapal is one of the high sensitive naxal affected villages and a core area of banned CPI (Maoists) activities. A detailed operational plan was formulated and the DRG party with the total strength of 60 personnel advanced at 14:00 hrs. under the command of Inspector Sanjay Potam, Sub Inspector Tati Mukesh and Sub Inspector Saket Banjare.

As the police party reached the forest area of Dholkal Hill, naxalites who had laid an ambush suddenly started firing indiscriminately on the police forces. The DRG troop under the command of Inspector Sanjay Potam and Sub Inspector Tati Mukesh retaliated strongly. After some time, the firing stopped and a detailed search operation was conducted in the exchange of fire area. During this operation, the bodies of three male Maoists were recovered and later positively identified as 1. Militia Company Platoon Command in Chief/Bhairangarh Area Committee Member Birju Kakem s/o Bare @ Budru, r/o Tamodi PS Miratur, District Bijapur, 2. Militia Section B Commander Jaggu Kakem s/o Sukku @Kukal, age 26 r/o Tamodi PS Miratur, District Bijapur and 3. Bechapal RPC Doctor Team Commander Sudru Telam s/o Chhannu @ Sannu Telam, age 25 r/o Tamodi PS Miratur. District Bijapur and one revolver, one 7.65 mm pistol with 3 live rounds and one country made pistol were also recovered from the exchange of fire site.

The role of Inspector Sanjay Potam, Head Constable Budhram Korsa and Constable Kamlesh Markam were crucial in the success of the security forces. This operational success in the den of maoists pushed them back and helped the police to gain a strong foothold in the area. In this operation, S/Shri Sanjay Potam, Inspector, Budhram Korsa, Head Constable and Kamlesh Markam, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15.07.2021.

(F. No.-11020/152/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

———————

No. 21-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Smt. Anju Kumari	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Shri Dinesh Bhaskar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the 18th December 2021, precise human intelligence was received by SP Dantewada regarding the presence of banned CPI (Maoists) including the dreaded 50-60 Maoists and Darbha Division Secretary Deva, DVC Member Jayalal, Somdu, Ransai Malanger Area Committee Member Kamlesh, Raju, Hidme, Bhima, Mukesh, Nandkumar, Sunny, Pojje, Rakesh, Muye, Bhime, Kesha along with 50 of Platoon No. 24 and Platoon No. 26 in the forest area of village Potali Michipara

under PS Aranpur and village Gonderas of district Sukma. Potali Michipara forest and village Gonderas are highly sensitive Naxal-affected villages and core areas of banned CPI (Maoists) activities.

Accordingly, a detailed operational plan was made and the DRG party with the total strength of 187 personnel advanced at 01:10 pm under the command of DySP Anju Kumari, Inspector Sanjay Potam and Sub Inspector Hajari Lal Mourya. As the Police party reached the forest area of Michchipara and Gonderas, Naxalites who had laid down an ambush suddenly started firing indiscriminately on the police forces. The DRG troop, under the command of DySP Anju Kumari, Inspector Sanjay Potam and Sub Inspector Hajari Lal Mourya, retaliated strongly. After some time, the firing stopped and a detailed search operation was conducted in the exchange of fire area.

During the search operation, the bodies of two female Maoist were recoveredand later positively identified as (1) Press team member Pojje Korram, resident of Nilavaya Milkanpara, PS Aranpur District Dantewada (2) Malangir area committee member Hidme Mandavi, resident of Daud Paria PS Gadiras, District Sukma and 01 No. 315 bore country-made pistol, 01 No. 7.62 MM Pistol with a magazine containing 02 live rounds, 02 Nos Tiffin bombs and 10 meters wire recovered from the incident site.

The role of DySP Anju Kumari and Constable Dinesh Bhaskar was crucial in the success of the security forces. This operational success in the den of Maoists pushed them back and helped the police to gain a strong foothold in the area.

In this operation, Smt. Anju Kumari, Deputy Superintendent of Police and Shri Dinesh Bhaskar, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18.12.2021.

(F. No.-11020/153/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 22-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Chaitram Gurupanch	Sub-Inspector	GM
2.	Hemla Nandu	Head Constable	GM
3.	Pyaras Minj	Head Constable	GM
4.	Manoj Punem	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the 14th March 2022, precise human intelligence was received by SP Dantewada regarding the presence of banned CPI (Maoists) including the dreaded 40-50 Maoists and the Kanger Area Committee's 31 No. Platoon Commander Linge and 26 No. Platoon Commander Jayalal and Peddaras LOS Commander Manjula, Pradeep, Deve Soni, Baman, Sunil, Mahesh. They crossed Dantewada Sukma Road and went to the Malangir area, heading to a significant location. This area is one of the most sensitive naxal-affected villages and a core area of banned CPI (Maoists) activities. Accordingly, a detailed operational plan was made and the DRG party with the total strength of 284 personnel advanced at 20:30 under the command of Inspector Sanjay Potam, Sub-Inspector Chaitram Gurupanch, Saket Banjare, Ramavtar Patel.

The police party was divided into two parts in the forest of village Jiyakorta of Police Station Katekalyan. On 15.03.2022 at 06:00 am while searching for a position maintaining contact with each other, they were moving towards the hillock in the forest of village Aitepal- Jiyakorta. Party No. 01, Inspector Sanjay Potam's companion DRG 02, 04, 05 Commander; Sub Inspector Saket Banjare, Suni along with a total force of 127 moved towards the North and a total force of 157 along with Party No. 02, Inspector Santosh Hemla, DRG No. 01, 03, 06 Commander Chaitram Gurupanch, Sub Inspector Ram Avtar Patel moved towards the South. Around 10:30 in the morning, there was an exchange of fire with Maoists in the dense area between village Gorli and Mutheli. The DRG troop under the command of Inspector Santosh Hemla and Sub Inspector Chaitram Gurupanch retaliated strongly. After some time, the firing stopped and a detailed search operation was conducted in the incident area.

During the search operation, the bodies of two female Maoists were recovered and later positively identified as (1) Katekalyan Area Committee Meinber/Pedaras LOS Commander, Manjula Punem, daughter of Kova, resident of village Savnar PS Gangalur district, Bijapur, and (2) DVC Surksha Dalam, Gangi Muchaki, daughter of Deva, resident of village Mesdabba PS Kukanar district, Sukma and 2 Nos. 12 bore guns, 8 Nos. live rounds of 12 bore guns, 1 Bharmar, 2 Nos. tiffin bombs with electric wire and 4 Nos. firecrackers were recovered from the exchange of fire site.

The roles of Sub Inspector Chaitram Gurupanch, Head Constable Hemla Nandu, Head Constable Pyaras Minj and Constable Manoj Punem was crucial in the success of the security forces. This operational success in the den of Maoists pushed them back and helped the police to gain a strong foothold in the area.

In this operation, S/Shri Chaitram Gurupanch, Sub-Inspector, Hemla Nandu, Head Constable, Pyaras Minj, Head Constable and Manoj Punem, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15.03.2022.

(F. No.-11020/159/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 23-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Azhar Rashid	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Maajid Afzal Wani	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.11.2021, Police Kulgam received a credible input about the presence of terrorists at village Chancer. Accordingly, Kulgam Police with the assistance of 9 RR and 18th Bn CRPF under the command of Dr. G.V.Sundeep Chakravarthy-IPS, SSP Kulgam cordoned off the whole area that terrorists will not get any chance to flee from the target area. The area was cordoned off on war footing basis; SSP Kulgam gave special priority to save the precious lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places as the target area was highly populated. In the meanwhile, QRTs reached the spot and supervise the operation personally and chalked out operation plan in order to conduct the operation without any collateral damage. As per the operational plan, two operational teams were constituted to neutralize the trapped terrorists as well as to evacuate the civilians from the cordoned area to ensure their safety and security first. One team, consists of Shri Azhar Rashid DySP HC Maajid Afzal Wani along with adequate nafri of District Police Kulgam, 9 RR & CRPF 18lh and 2nd team consists of SSP Kulgam along with adequate nafri of District Police Kulgam, 9 RR & CRPF 18th Bn. Both the operational teams moved closer to the target house to caught holed terrorists but in the meantime, the terrorists lobbed grenades towards the operational teams followed by heavy firing with their automatic illegal weapons and tried to escape from the spot by taking the advantage of dense population.

However, both the operational teams followed the footprints of terrorists and engaged them in a close pitched battle. The brave operational teams retaliated tactfully without caring for their lives, faced a volley of burst fires from terrorists and miraculously escaped from the bullets and grenades lobbed on the party. The trapped terrorists tried every possible tactic to flee from the spot but the operational plan worked out successfully and resulted in neutralizing two hardcore categorized terrorists on spot without any collateral damage. During the fierce gunfight, Shri Azhar Rashid, DySP PC Kulgam and HC Maajid Afzal Wani along with QRTs of District Police Kulgam, 9 RR & CRPF 18th Bn showed spirit of unity, close coordination, enthusiasm, team work as well as passion to neutralize the terrorists on spot by putting their lives and limb in risk in the interest of security of state and national integrity.

The coherence showed by the Police party played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring about safety of their personal lives. Besides, the teams showed presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorists on spot without any collateral damage. Such clean operations are need of hour to eradicate the menace of terrorism and to ensure safety and security of peace-loving people of our country. The identification of slain terrorists of HM outfit were later on identified as Sheraz Ahmad Lone @ Sheraz Molvi/Haris (District Commander) S/o Abdul Rashid Lone R/o Chancer Kulgam and Yawar Ahmad Bhat S/o Abdul Samad Bhat R/o Panipora Kulgam

Due to outstanding efforts made by the teams, a huge terror threat was eliminated. The huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A Case FIR 237/2021 U/S 307 IRC, 7/27A.Act, 13, 16, 20, 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam for further investigation. The death of these terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of respective banned terror outfits. They were involved in cop killings, bank loots and attacks on police guards and establishments. Thus, their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Azhar Rashid, DySP PC Kulgam and HC Maajid Afzal Wani played a conspicuous role and gallant action beyond the call of their normal duties who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant act. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil causalities by presence of mind and good policing. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape.

In this operation, S/Shri Azhar Rashid, Deputy Superintendent of Police and Maajid Afzal Wani, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11.11.2021.

(F. No.-11020/15/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 24-Pres/2025—The President of India is pleased to award 1st Bar to Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Safeer Lone	Constable	1st BAR TO GM
2.	Shahnawaz Ahmad Deedad	Constable	1st BAR TO GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.05.2022, based on a specific information generated by police Kupwara regarding presence of terrorist(s) hiding inside the forest patch adjoining to area of village Jumgund PS Trehgam, a joint operation was launched by troops of army 04 SIKH and police Kupwara under the supervision of Shri Udayabhaskar Billa-IPS, DIG NKR Baramulla, Shri Yougal Manhas-JKPS, SSP Kupwara. After chalking out an actionable plan by meticulously analyzing the input and as per evolved strategy, police search party assisted by other forces cordoned the area and started the search operation of the suspected area. All the possible escape routes were plugged off tactically and clandestinely to negate escape of terrorist by breaking cordon. Since the area being highly vulnerable in view of dense forests and upper reach, search operation by the joint forces of police Kupwara and army was launched effectively.

The terrorists who had recently infiltrated into district Kupwara as per intelligence input, were hiding in the forest and it was highly challenging for the police party to locate them in view of the hilly and tough terrain. The search operation was extended in various areas and the police party under the command and control of DIG Udayabhaskar Billa and Army without caring for their personal efforts, moved forward and noticed the movement of terrorists. On being exposed completely, the hidden terrorist fired indiscriminately with automatic weapons upon the search party with the aim to inflict causalities and to escape by breaking cordon and a heavy exchange of fire took place between the army/police. By exhibiting great synergy with different operational parties, the composite assault party of DIG Udayabhaskar Billa-IPS, assisted by ASP Pardeep Singh,

DySP Rashid Younis, HC Gulzar Ahmad, Ct. Safeer Lone, Ct. Shahnawaz Ahmad Deedad requisitioned themselves in the tactically viable position and initiated a face-to-face close gun battle eliminating all the three terrorists.

During the ensuing encounter 01 army porter namely Abdul Lateef Qurashi S/o Abdul Majeed Qurashi R/o Jumgund Tehsil Trehgam and District Kupwara also got injured who later on succumbed to his injuries. The identity of the eliminated terrorists was later on Identified as Usman @ Parvaiz (FT), LeT Operating in District Kupwara since 2015 exfiltrated to PoK in 2018, Mustafa (FT) LeJ and local terrorist namely Waseem Ahmad Wani (LT) S/o Mushtaq Ahmad Wani R/o Meerpora Beerwah Budgam. The elimination of these three terrorists broke the back bone of terrorist outfits in district Kupwara. Ct. Safeer Lone and Ct. Shahnawaz Ahmad Deedad while fighting with the terrorists have a narrow escape but showing daring efforts all the three terrorists were eliminated, thus preventing a huge damage to the SFs in the area. Good amount of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR 33/2022 U/S 307 IPC,7/27 I.A.Act, 13, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Trehgam for further investigation.

In this operation, S/Shri Safeer Lone, Constable and Shahnawaz Ahmad Deedad, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.05.2022.

(F. No.-11020/17/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 25-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police: —

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Suresh Kumar Bhat	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Aqib Qayoom Yatoo	SgCT	GM
3.	Manzoor Ahmad Bajard	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night 20/21.06.2022, Police Pulwama alongwith 53 RR and 183 Bn CRPF have launched a CASO of Village New Colony Tujan, Pulwama on a specific intelligence about the presence of terrorists,. After plugging off all the interior roads, lanes and path ways strongly, two joint teams, one headed by SSP Gh Jeelani Wani along with HC Sudhir Pandita, SgCt. Sheeraz Ahmad Pal, Ct Rouf Ahmad Parray, SPO Quiser Bashir, SPO Zaffar Iqbal 144/SPO (P) and component of 53 RR / CRPF 183 Bn and another party headed by ASI Suresh Kumar Bhat along with SgCt Aqib Qayoom Yatoo, SgCt Manzoor Ahmad Bajard, Mohd Aslam Mir, SPO and Peer Aaqib Hassan, SPO and component of QRTs of 53 RR and CRPF 183 Bn were formed for conducting searches in the suspected area.

As soon as the search party led by SSP Pulwama approached the target location, the terrorists hiding there, started indiscriminate firing upon the said party with the aim to break down the cordon and to escape from the spot. However, the search party immediately took cover and retaliated the terrorist fire with dedication due to which the besieged terrorist could not find any gap to escape from the cordoned area. Another search party led by ASI Suresh Kumar Bhat immediately reached on the spot for assistance of the initial search. In order to avoid human loss, a Police team on the directions of SSP Pulwama has evacuated all the civilians trapped in the cordoned area to safer places successfully. The initial party after coming out of the target area has been advised to remain deployed in first cordon and provide direction to other officers/officials in first cordon with regard to presence and movement of terrorists inside the target area. Thereafter, the Operational commander (SSP Pulwama) offered surrender appeal to the besieged terrorists repeatedly but the terrorists instead of accepting the offer, fired upon the troops indiscriminately in which the joint parties had a narrow escape. However, the teams did not lose their concentration and retaliated the terrorist fire with dedication and courage from the front without caring for their lives and neutralized two terrorists of Al-Badr Outfit of C-category identified as Abid Ahmad Sheikh S/o Bashir Ahmad Sheikh R/o Barpora Pulwama and Majid Nazir Wani S/o Nazir Ahmad Wani R/o BanporaLadoo PD Awantipora. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 48/2022 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 I.A. Act, 16, 18, 19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Rajpora for further investigation.

The neutralization of above-named hardcore terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially Al-Badr outfit and a great achievement for security agencies.

In this operation, S/Shri Suresh Kumar Bhat, Assistant Sub-Inspector, Aqib Qayoom Yatoo, SgCT and Manzoor Ahmad Bajard, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 21.06.2022.

(F. No.-11020/127/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 26-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vijay Kumar, IPS	Inspector General of Police	GM
2.	Rakesh Balwal, IPS	Senior Superintendent of Police	GM
3.	Iftkhar Talib	Superintendent of Police	1st BAR TO GM
4.	Faroz Ahmad Dar	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO GM
5.	Sudish Singh	Head Constable	GM
6.	Pawan Kumar	Head Constable	GM
7.	Irshad Ahmad Lohar	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.06,2022 a specific input was received from an asset of IGP Kashmir regarding movement/ presence of terrorists carrying illegal arms/ammunition in Bernina area of Srinagar. It was also revealed that the terrorists have a plan to carry out fidayeen attack type action on NHW from Tangpora-Parimpora axis by attacking police/ SFs/ convoy/ deployment in view of the Shri Amamath Ji Yatra. Acting on the input and to get the positive location/proper identification of the terrorists, immediately Police teams of District Police/ SOG Srinagar were constituted and deployed to the area so that action into the matter is taken without any collateral damage.

Immediately, an operational plan was chalked-out by IGP Vijay Kumar, IPS, SSP Rakesh Balwal, IPS, SP Iftkhar Talib. As per the operational plan, a special team comprising of IGP Kashmir Zone Srinagar, SSP Srinagar, SP SOG Srinagar, DySP Mohan Lal, PSI Aqib Ahmad, ASI Faroz Ahmad Dar, HC Sudish Singh, HC Pawan Kumar, SgCt Irshad Ahmad Lobar and others were constituted for taking appropriate necessary action against the terrorists.

At this stage, in order to chase the terrorists and to avoid any untoward incident and to take appropriate action, the special team was subdivided into 03 assault teams. 1st team under the supervision of IGP Kashmir, 2nd team under the supervision of SP SOG Srinagar and 3rd team under the supervision of SSP Srinagar were assigned to establish naka/ambush at JVC Bernina Bypass, Srinagar.

All the 03 assault parties under the overall supervision of IGP Kashmir, SSP Srinagar, SP SOG Srinagar respectively placed/positioned at the front of the 03 ambush parties on both sides of the NHW so as to cover-up the most possible route which was leading to nearby Government Hospital (full of civilians and patients) which could have been taken up by terrorists for escape during exchange of fire. The terrorists, being a "fidayeen squad' when reached near the naka/ambush party, resorted to indiscriminate firing on naka parties and ran into the nearby bushy area flanked by Government Hospital on one side and NHW on the other side.

On this occasion, IGP Kashmir & DySP SOG Srinagar along with their teams kept on advancing towards the targeted area amid crawling and operational tactics. IGP Kashmir & DySP Mohan Lal along with their teams/ parties reached close to the locality where the terrorists were hiding. Noticing the movement of police party, the hiding terrorists lobbed grenades and started firing indiscriminately towards the police party, in between one of the terrorists flew towards other side of bushy area. During the process, some police personnel sustained multiple splinter injuries.

Further leading his team from the front and displaying exemplary leadership, IGP Kashmir along with his team/ party remained determined and showed nerves of steel. In order to restrict the movement of terrorists towards the Govt. Hospital (which always remain frill of civilians including women & children) and to avoid any hostage like situation, challenged the terrorists during which the IGP Kashmir and his team faced retaliation and indiscriminate fire and grenades from terrorists.

Sensing imminent threat to the lives of civilians, IGP along with his team kept advancing in the volley of fire, without caring for their personal lives and displaying indomitable courage, neutralized one of the terrorists in a face of gunfight from very close range whose identification was latter on revealed as Pakistani terrorist Commander namely Rahi Bhai @ Abdullah Gojri R/o Pak, an "A+' category terrorist of LeT outfit.

Soon after the elimination of terrorist commander namely Rahi Bhai @ Abdullah Gojri R/o Pale, the 2nd and 3rd teams headed by SSP Srinagar and SP SOG Srinagar along with small team approached towards the nearby bushy area where the second terrorist had taken position in a strategic location with concrete cover on three sides. Noticing the movement of police party, said hiding terrorist resorted to indiscriminate fire and lobbed grenades towards the advancing party resulting injuries to more personnel of the advancing party. Sensing imminent threat to the lives of his team members, SSP Srinagar and SP SOG Srinagar along with the small assault team without caring for lives left cover and advanced towards the terrorist amid bravery and neutralized second terrorist from a very close-range gun fight whose identification was later on revealed as Adil Hussain Mir @ Musaib S/o Altaf Hussain Mir R/o Liver Srigufwara Anantnag, a B-Category PTM of LeT outfit.

In the instant operation, 05 police personnel sustained multiple splinter injuries. Later on, the dead bodies of foe killed terrorists were recovered from the site of encounter. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 52/2022 U/S 7/27 Arms Act, 307 IPC, 16,18,38 ULA (P) Act stands registered in P/S Bernina Srinagar for further investigation.

The operation was concluded without any collateral damage and the elimination of the said terrorists is a big jolt to foe LeT terrorist network in South/Central Kashmir Range. These terrorists were also involved in a number of terrorist related activists/attacks in the valley.

The role and foe leadership shown by the police parties and other operational parties in the instant operation was exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between foe parties of police right from foe beginning of the operation till its culmination. They remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz, safety and safeguard/ evacuation of civilians, chalking out best possible operational plan, prioritizing On the lives of operational parties and assaulting on terrorist without any collateral damage. The anti-terrorist operation near JVC Bernina locality of Srinagar was most daunting and challenging operation for Police as Army/ CAPFs were not associated in this operation.

In this operation, S/Shri Vijay Kumar, IPS, Inspector General of Police, Rakesh Balwal, IPS, Senior Superintendent of Police, Iftkhar Talib, Superintendent of Police, Faroz Ahmad Dar, Assistant Sub-Inspector, Sudish Singh, Head Constable, Pawan Kumar, Head Constable and Irshad Ahmad Lohar, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14.06.2022.

(F. No.-11020/73/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 27-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Himayun Muzzammil	Deputy Superintendent of Police	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.06.2021 at 0615 hours, Police Srinagar received a specific tip-off to the effect that some terrorists carrying illegal arms/ammunition have plans to shift from north Kashmir to Central Kashmir Srinagar and are travelling from Baramulla towards Srinagar via NHW (Parimpora-Baramulla axis). Acting on the tip-off, multiple joint Nakas were laid by Police Component Srinagar/ Police Srinagar/ Police Baramulla along with Army (24-RR/02-RR) and Valley QAT CRPF on Srinagar-Baramulla National Highway at Parimpora near Toyota Crossing Srinagar to check any such movement/ entry of terrorists in city Srinagar. During checking of a number of vehicles coming from Baramulla towards city Srinagar, the joint Naka party stopped an Alto-800 Car (White). During the checking of the said vehicle, the suspected person who was driving the vehicle tried to escape from the spot but the alert joint Naka parties overpowered and meticulously apprehended him. During the searches of the said person, 01 Chinese Pistol along with rounds and 01 hand grenade were recovered from his possession.

Accordingly, he was taken to Police Station Parimpora for further questioning during which his identification was revealed as Abrar Nadeem Bhat @ Khitab S/o Mohd Ramzan Bhat R/o Kaloo Mohalla Narbal District Budgam, an A-Category terrorist of LeT outfit. During sustained questioning, he also revealed of having concealed AK-47 rifle and some ammunition in a residential house situated at Gousia Mohalla Maloora locality of Srinagar prompting the police/SFs to conduct joint search operation in the said area along with the apprehended terrorist to affect the recoveries.

Immediately, the operation was chalked out by SSP Baramulla, SP Sajjad Ahmad Shah and SP Perbeet Singh. Accordingly, all the nafri was divided into 02 parties. The 1st Party comprising Police, Valley QAT CRPF, nafri of Army (24-RR), was tasked to lay inner cordon of the target house. The 2nd party comprising operational police parties of South Zone Srinagar/ West Zone Srinagar, nafri of Army (02-RR) was tasked to lay the outer cordon of the target area.

In the first instance, the intervention of the target house was planned and the intervention party comprising Baramulla Police/ Srinagar Police/ Police Component Srinagar and adequate manpower of Army (24 RR/02 RR) and Valley QAT CRPF having taken all precautions, started the process of intervention. During indiscriminate firing by the hidden terrorist, 03 security forces personnel AC Satender Kumar, SI Shivam Chouhan and Const. Mohd Waseem of CRPF along with the apprehended local terrorist Abrar Nadeem Bhat @ Khitab S/o Mohd Ramzan Bhat R/o Kaloo Mohalla Narbal Budgam sustained serious injuries. Immediately, the joint parties took positions, retaliated the fire bravely besides evacuating the injured SFs personnel and injured apprehended local terrorist towards 92-Base Hospital Srinagar. However, while evacuating the injured towards the hospital injured apprehended local terrorist namely Abrar Nadeem Bhat @ Khitab S/o Mohd Ramzan Bhat R/o Kaloo Mohalla, Narbal District Budgam succumbed to his grievous injuries. During the course, the hidden terrorist was also offered to surrender which he denied and instead continued to resort to attack on the force's parties.

At this stage, SSP Baramulla and the then SP PC Srinagar who were supervising the operation directed the joint operational parties for halting of the operation for the night (June 28/29, 2021) in view of darkness and congested populated area. A proper operational plan was prepared to flush-out the hidden terrorist from the targeted residential house. Lights were installed in the cordoned area and all lanes/bye-lanes were properly blocked/ plugged. Moreover, the residents of the nearby residential houses were also evacuated to safer places and it was decided to resume the operation in the first light so as to neutralize the hidden terrorist without any collateral damage.

In the first light on 29.06.2021, the operation was resumed and as per the operational plan, the supervising officers decided that the operational parties to advance towards the target house. The first party was asked to approach the target house from South East side while as the 2nd party was to enter/ approach the target house from South West side. The holed-up terrorist noticed movement of forces personnel approaching towards the house, lobbed grenades which, however, didn't cause any damage to own side owing to the tactful approach of operational parties. The hidden terrorist, with the intention to break the cordon and to manage his escape from the spot, resorted to indiscriminate firing upon the operational parties and the parties retaliated the fire effectively & bravely and sensibly amid highly operational tactics and finally neutralized the hidden terrorist.

Later on, the killed terrorists were identified as Babar Nadeem R/o PaK, an "A ++" category terrorist of LeT outfit and Abrar Nadeem Bhat S/o Mohd Ramzan Bhat R/o Kaloo Mohalla Narbal Budgam, an "A" category terrorist of LeT outfit. In connection with the apprehension of terrorist and encounter at Gousia Mohalla Maloora Srinagar, 02 case FIRs stands registered in P/S Parimpora viz; 1) FIR No. 188/2021 U/S 13 ULA (P) Act; 7/25 Arms Act and 2) FIR No. 189/2021 U/S 307 IPC; 7/27 Arms Act; 16, 18, 20 ULA (P) Act stand registered in Parimpora Srinagar. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists.

The neutralized terrorists were involved in a number of terrorist attacks/incidents besides had remained involved in strengthening of LeT/TRF outfit base in city Srinagar. They were also involved in motivation of local youth for joining in LeT/TRF folds in Maloora, Parimpora, Tengpora, Old Barzulla, Natipora and other areas of District Srinagar.

The role and the leadership shown by the police and other operational parties especially DySP Himayun Muzzammil in the instant operation were exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between joint operational parties of Police and Valley QAT CRPF/Army right from the beginning of the operation till its culmination and remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz; evacuation of nearby civilians to safer place, chalking out of the best possible operational plan, prioritizing the lives of operational parties and assault on terrorists without any collateral damage.

In this operation, Late Shri Himayun Muzzammil, Deputy Superintendent of Police of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.06.2021.

(F. No.-11020/107/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 28-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Girish Chandra Majhi	Sub-Inspector	GM
2.	Pabitra Kumar Sahoo	Havildar	GM
3.	Umesh Munda	Havildar	GM
4.	Pitambar Satnami	Constable	GM
5.	Kabi Chandra Rout	Constable	GM
6.	Susanta Kumar Sagar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.11.2022, credible input was received regarding movement and assembly of 8-10 armed cadres of the CPI (Maoist) organization of B.B.M division led by Sudarshan @ Muppidi Sambalah @ Banbanna @ Jangu @ Bikash in Gandhamardan R.F. area under Khaprakhol PS limit of Bolangir district.

In view of the above, an Anti-naxal operation was planned and launched on 23.11.2022 by utilizing five units of SOG teams to apprehend these Maoists, who were wanted in large number of criminal cases. While SOG AT No. 38 under the leadership of SI Girish Chandra Majhi, 2 I/C SI T.Sahu and 34 commandos were conducting search operation at about 11.30 AM on 24.11.2022. All of a sudden, a group of 8-10 armed Maoist cadres wearing olive green colour Maoist uniform started indiscriminate firing at the police party without any provocation. The Police party took cover strategically and identified themselves as Police and asked them to surrender in loud Odia, Hindi and English languages, but instead of surrendering the Maoist continued indiscriminate firing from sophisticated weapons with an intention to kill the Police party. Finding no way, the Police party took position and initiated controlled and restricted firing in self-defence. The firing from the Maoist side continued intermittently for about half an hour. After the firing was stopped, taking all strategic and precautionary measures the Police party advanced and searched the area. During search, the dead bodies of two female persons wearing olive green colour uniform were found lying with gunshot injuries on their person on the spot and 2 INSAS Rifle, 35 rounds 5.56 mm live ammunitions, 02 rounds 7.62 mm live ammunitions, 01 no of empty case, 02 INSAS Magazine, one SLR magazine and other Maoist articles were also recovered near the dead body. The leader and the team members rose to the occasion when it was most needed and acted in adverse circumstances to such a perfection and tactical skills so that not only the enemy had to retreat but the police team could inflict heavy casualty on them with little collateral damage. The successful operation led to the death of two female Maoist cadres namely Geeta (ACM) aged about 28 and Rajeetha (ACM) aged about 32 both were of BBM division of CPI (Maoist) on whom the Government of Odisha had declared a reward of Rs 4,00,000/- each.

The team leader as well as the commandos displayed great degree of courage and determination in the face of enemy and did not care for their personal safety on the line of duty. During the process, they had exposed themselves to enemy fire several times, yet that had not deterred them from discharging their duty. Their fearless action not only ensured safety of the Police team from a surprise attack by the enemy but also confirmed the success of the operation.

In this operation, S/Shri Girish Chandra Majhi, Sub-Inspector, Pabitra Kumar Sahoo, Havildar, Umesh Munda, Havildar, Pitambar Satnami, Constable, Kabi Chandra Rout, Constable and Susanta Kumar Sagar, Constable Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24.11.2022.

(F. No.-11020/ 142/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

———————

No. 29-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Devdutt Singh	Constable	GM
2.	Rajan Kumar	Constable	GM
3.	Ritul Kumar Verma	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

The STF Uttar Pradesh has been working against tribal gangs. In continuation, STF team under leadership of SI Brahm Prakash was collecting intelligence to unveil the crimes committed by nomadic gangs. During intelligence collection, it was learnt that a gang is active who is committing robberies by throwing axels on highways and puncturing tyres and has committed several sensational and gruesome incidents. Further, a tipoff was received on 26.10.2020 that gang is going to commit some sensational crime on Yamuna express way under PS Naujheel District Mathura. On this information, STF team sprang into action and reached Kasba Bajna with team mates Constables Devdutt Singh, Rajan Kumar and Ritul Kumar Verma etc. where SHO Naujheel was met. After discussion, incharge OP Bajna was sent to the Yamuna Express way for vigil, who informed that a suspicious vehicle is standing in the forest near village Parsauli on the service road from Bajna cut to Agra. Joint team of STF and PS Naujheel rushed to the said place. At a little distance, a car was standing on the way to tube-well situated on left side. Team quickly reached near the tube-well at Chakroad driving their vehicles fast. Assessing the police, suddenly 04 suspects ran to the car. Police personnel got down from their vehicles and pounced to nab the suspects. On being warned to surrender warning, one criminal shouted that this is police and started indiscriminate firing at the police personnel to kill. By that time, police personnel reached near and had a narrow escape from sudden firing by the criminals. On being challenged to surrender two of the criminals, reached near Ertiga car, turned back and started firing at police and rest 02 moved to the front of car and opened fires. 01 bullet fired by the criminals hit Ritul Kumar Verma who could be saved due to BP Jacket. The bullets fired by the criminals also hit Devdutt Singh on his left arm and Rajan Kumar on his stomach in right side and they got injured. Being with in the firing range of criminals and their indiscriminate firing, Ritul Kumar Verma and injured Devdutt Singh and Rajan Kumar in passion to arrest the criminals and taking the duty as supreme, combatted the criminals bravely and showed exemplary courage by putting their lives in danger. Repeated warnings and challenges made the criminals more desperate and furious and they continued to fire indiscriminately. Having no alternative to overpower the criminals Devdutt Singh, Ritul Kumar Verma and Rajan Kumar fired in self-defence in a controlled manner from their service pistols. As a result of which, the criminal firing from the Ertiga staggered and fell down injured at around 19.10 hrs. The rest of the criminals escaped in the forest in cover of firing.

When the firing was stopped, police approached the criminal who was lying injured and was moaning. The injured criminal and police personnel were sent to hospital to save their lives, where the injured criminal succumbed. He was identified as a dreaded criminal Anil @ Amit @ Amit Jutra @ Ankit Chauhan @ Jhumra on whom reward of Rs. 1,00,000/- was announced by ADG of Police Agra Zone, Rs.50,000/- by the DIG of Police, Aligarh Range and Rs 50,000/- from Haryana state.

One revolver .32 bore with 04 empty and 02 miss cartridges, one Ponia gun single barrel 12 bore with 01 empty, 01 miss and 15 live cartridges, one CMP .315 bore, 02 empty, 02 live cartridges, 02 axels, 08 sharp nails both sides and one Ertiga car were recovered.

In this face-to-face furious encounter with nomadic gang Constables Civil Police Devdutt Singh, Ritul Kumar Verma and Rajan Kumar have displayed exemplary courage, gallantry and devotion to duty. Constables Devdutt Singh and Rajan Kumar combatted the criminals firing indiscriminately despite being injured.

In this operation, S/Shri Devdutt Singh, Constable, Rajan Kumar, Constable and Ritul Kumar Verma, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.10.2020.

(F. No.-11020/171/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 30-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Nipun Agarwal, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Swatantra Kumar Singh	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Munnesh Singh	Sub-Inspector	GM
4.	Neeraj Kumar Pal	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Nipun Agarwal, IPS, SP District Ghaziabad, UP accompanying his S.O.G. Team during patrolling in Ghaziabad City area to inspect law & order and deployment of Patrolling Police during night of 27/28.05.2022, found SI Munnesh Singh S.O. PS Madhuba Bapudham with his Police Team near Bunkar Mart, Bapudham Crossing and there he was commanding Police Team, started intensive vehicle-check there.

Shri Nipun Agarwal SP-City, Ghaziabad, commanding Police Team, while engaged in checking, he, having received an information from SI Incharge SWAT Team, of the effect that Pulsar Motorcycle-ridden 02 Criminals, when intercepted near Ratna Filling Station for checking did not stop and instead pillion-rider Criminal wearing checkered shirt & black trouser, opened fire and Criminals run away towards Kanshiram Project, immediately, sprang into action and quickly deliberated with S.O. & SOG Team and strategically organized Striking Team headed by himself and Outer Cordon Team and as Shri Swatantra Kumar Singh Dy.S.P./Police Circle Officer-City-I, who reached on information from SWAT Team, also joined Striking Team under command of S.P. City and started intensive checking and vigilantly waiting arrival of Criminals near Bunkar Mart, Crossing to besiege them.

Motorcycle-ridden 02 persons were sighted coming fast from CNG Pump side at about 03:50 hrs. and alert Shri Nipun Agarwal, SP City & Shri Swatantra Kumar Singh, DySP vigilantly & fearlessly moved ahead to intercept and pointed with torch-light to stop, but seeing unexpected presence of Police in front, dumb-found Criminals-Duo irritatingly tried a fast U-turn. However, Motorcycle skidded near Bunkar Mart Crossing, yet crime-clever Criminals abandoning it, got up and as chasing SWAT Team arrived closely, baffled Criminals-Duo abruptly & daringly opened incessant vigorous firing towards Police with intention to kill & Police escaped providentially.

Police Teams escaping incessant firing by Criminals, strategically took position & under direction of SP City; Outer Cordon Team started closing blockade. One Insas Rifle shot was fired to arrest Criminals alive. Accompanying Striking Team strategically but boldly moved ahead & loudly challenged Criminal to stop firing & surrender, but crime-clever Criminals moved backward & tried to escape and intensified their firing offensive in which Shri Nipun Agarwal, IPS, SP & Shri Swatantra Kumar Singh, DySP were hit in front and Constable Neeraj Kumar Pal of SWAT Team was hit & injured.

Shri Nipun Agarwal, IPS, SP & Shri Swatantra Kumar Singh, DySP during this crisis-level of continued incessant firing offensive of barbarous Criminals causing them to be hit and Constable Neeraj Kumar Pal to be hit & injured, determined to restrain their firing & arrest them alive. They accompanying Shri Munnesh Singh, SI tactically with policing-skill without caring for their lives & limbs, moved forward boldly in their firing range. They dauntlessly led the attack, resorting firing in self-defence and fought back with indomitable courage & strategically rallied causing one Criminal to fell down fluttered & injured at 04.20 hrs. Striking Team, immediately, forcefully captured him who later died in hospital and identified to be Dreaded Armed Absconder Gangster of Notorious Anil Dujana Gang Rakesh S/o Jaipal absconding Criminal having a reward of' 50,000/- and illicit sophisticated fire-arms & ammunition were recovered.

In this operation, S/Shri Nipun Agarwal, IPS, Superintendent of Police, Swatantra Kumar Singh, Deputy Superintendent of Police, Munnesh Singh, Sub-Inspector and Neeraj Kumar Pal, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.05.2022.

(F. No.-11020/172/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No.31-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ashok Kumar Meena, IPS	Assistant Superintendent of Police	GM
2.	Kuldeep Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Geetesh Kapil	Inspector	GM
4.	Praveen Ahlawat	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sensational incidence of dacoity of 15,00,000/- with firing in morning of 07.01.2019, at densely populated area of Police Station Kotwali, Bareilly, U.P. had thrilled Bareilly City and horrified inhabitants. DySP Kuldeep Kumar & Inspector Geetesh Kapil along with Assistant SP Ashok Kumar Meena, IPS having received information of dacoity, immediately sprang into action and accompanying Police Force, started surveillance, patrolling & intense vehicle checking in area.

Dy SP Kuldeep Kumar & Inspector Geetesh Kapil determined to crack down dacoity, while checking suspected persons & vehicles, accompanying Constable Praveen Ahlawat and others at Delhapeer Tri-Junction, OS persons, riding on 02 Motorcycles were sighted coming fast from the side of Shiamganj Bridge and as DySP Kuldeep Kumar & Inspector Geetesh Kapil boldly moved ahead to Intercept cunning Motorcycles Riders, speedily drove towards Vilay Dham Flyover, but an alert DySP Kuldeep Kumar & Inspector Geetesh Kapil, accompanying Police party, informing Police Control Room, promptly chased them and during chase, Shri Ashok Kumar Meena ASP/Cirde Officer, City-Ill, accompanying Police party and PRV, deployed on road, joined and strategically continued chasing Motorcycle-Rider/Criminals, closely.

Crime Clever Motorcycle-Rider/Criminals, driving ahead, fast, crossing Police O.P. Ahladpur, P.S. Izzatnagar, abruptly turned on unmetalled road and whereas, Police Team led by Shri Kuldeep Kumar, DySP followed them closely, Shri Ashok Kumar Meena ASP, accompanying PRV, prudently moved fast to block them from front and as fast-driving Motorcycle-Rider/Criminals moved on Chak Road to come on highway, seeing Police closely chasing them and also in front, baffled & excited Criminals, drove near sugarcane field, abandoned motorcycles and piercing into field & opened incessant firing towards Police with intention to kill.

Shri Ashok Kumar Meena ASP & Shri Kuldeep Kumar, DySP themselves and Police Team under their command vigilantly alighted in front of firing by Criminals & loudly challenged them to stop firing and surrender, but they dared incessant sharp firing, yet Shri Ashok Kumar Meena ASP & Shri Kuldeep Kumar, DySP undeterred of dangerous firing offensive by Criminals, leading and inspiring Police Team along with Inspector Geetesh Kapil fearlessly moved ahead, but fire shots of sharp firing by rude & harsh Criminals, hit Shri Ashok Kumar Meena ASP & Shri Kuldeep Kumar, DySP in front, but escaped injuries, whereas, Shri Geetesh Kapil, Inspector & Constable Praveen Ahlawat were injured.

Shri Ashok Kumar Meena ASP & Shri Kuldeep Kumar, DySP being hit in chest and Shri Geetesh Kapil, Inspector & Constable Praveen Ahlawat being hit & injured in vigorous firing by dreaded Dacoit/Criminals in front during this crisis situation of 'do & die', they themselves determined to arrest Cruel Dacoit/Criminals alive and boldly moved ahead with field-craft tactics in their firing range, displaying conspicuous courage, gallant & devotion to duty and fought back with indomitable courage in utter disregard of safety & security of their lives & limb, resorting controlled firing in self-defence, causing two Criminals, identified to be-dreaded Gangster Dacoits, Armed Criminals Kapil & Ashok to fell-down injured at 14.30 hrs., later declared dead in hospital. Illicit fire-arms & ammunition and recently robbed 15,00,000/-, were recovered successfully.

In this operation, S/Shri Ashok Kumar Meena, IPS, Assistant Superintendent of Police, Kuldeep Kumar, Deputy Superintendent of Police, Geetesh Kapil, Inspector and Praveen Ahlawat, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07.01.2019.

(File No-11020/173/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 32-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ameet	Inspector	GM
2.	Angad Singh Yadav	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Deepak Verma, resident of Varanasi was a dreaded criminal and sharp shooter of Mafia Munna Bajrangi gang with a long criminal history of more than two dozens of heinous offences like robbery, murder, attempt to murder, extortion etc. After the murder of Munna Bajrangi, Deepak held the command of gang, formed his own gang and committed a series of sensational

crimes. He spread terror and panic among the leading businessmen of Eastern UP. In view of his criminal activities, Addl. Director General of Police, Varanasi Zone declared a bounty of Rs. 1,00,000/- for his arrest.

In pursuit of intelligence, STF team led by Inspector Ameet near Bariyasanpur underpass, PS Chaubepur, received an input on 13.09.2021 that two armed criminals are about to go from village Sandaha to Shankarpur on an unnumbered Apache motorcycle to commit some sensational incident. Believing the input, Inspector Ameet started checking with his team members. At about 13.35 hrs., two persons were sighted coming on a white Apache motorcycle, who were confirmed to be the same criminals. The said motorcycle was signaled to stop but the criminals turned their motorcycle and tried to flee from inside the under-construction underpass on opposite service lane towards Chandauli. Inspector Ameet with his team chased the fleeing criminals. As soon as criminals reached about 400 meters away from underpass towards Chandauli, the criminal's motorcycle slipped and wobbled due to the rain. The driver left the motorcycle and ran away in the cover of farm drains, bushes and shrubs, while pillion rider started indiscriminate firing. By that time, Inspector Ameet and his team also reached there and showing exemplary courage and bravery alighted from the vehicle and challenged the criminal to surrender. In devotion to duty and passion to arrest the criminal alive, Inspector Ameet moved forward. The criminal continued to fire indiscriminately from the left, right and front. The criminal did not pay any heed to the repeated warnings given by the police and kept on firing by changing his positions and directions, ducking and turning. Finding no alternative to arrest the criminal Inspector Ameet and SI Angad Singh Yadav showing exemplary courage, bravery and putting their lives in danger entered in the direct line of fire of criminal and fired in self-defence. Bullets fired by the criminals whizzed past next to the bodies of Inspector Ameet and SI Angad Singh Yadav but they did not care for their lives and combated the criminal firing indiscriminately. As a result of retaliatory firing in this face-to-face encounter, criminal rolled to one side and fell down. When the firing was stopped from the adversary, the STF team approached the criminal and saw him lying injured. One 9 mm pistol was lying next to him and one revolver .38 bore was tucked in his waist and blood was flowing from his body.

The deceased was identified as Deepak Verma, a dreaded criminal and a rewardee of Rs. 1 lac. One 9 MM pistol factory made with magazine and 06 empty cartridges & 02 live cartridges, one .38 bore revolver with 04 live cartridges and TVS Apache motorcycle were recovered.

In this operation, S/Shri Ameet, Inspector and Angad Singh Yadav, Sub-Inspector of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.09.2021.

(F. No.-11020/174/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 33-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dr. Deeksha Sharma, IPS	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Abdur Rahman Siddiqui	Inspector	GM
3.	Sandeep Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Avanish @ Billu Dujana of Gautam Buddha Nagar was a hard-core interstate criminal. With more than two dozen criminal cases of murder, robbery, extortion etc. registered against him in Uttar Pradesh and Delhi, he was one of the most dreaded and ruthless gangsters in NCR and had created panic among the local industrialists and businessmen. On 20.04.2022, he committed a double murder in Ghaziabad (Kavinagar PS) after which a reward of Rs. 1,00,000/- was also declared by ADG of Police, Meerut Zone for his arrest.

Intelligence collection in this case was being done by Addl. SP (Crime) Dr. Deeksha Sharma, IPS and SWAT team to capture him. On 28.05.2022, an actionable input was received that Billu, equipped with arms, was seen travelling towards Pushta road with one accomplice. As a result, Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP started checking in the area with the SWAT team. After some time, two persons matching the description were seen coming towards Kanavni from NH-24 on a motorcycle

at 4:05AM. Informing CO and SHO Indirapuram to intercept the fleeing individuals, Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP with the team, gave chase. Near Hindon Barrage Bridge, the criminals found themselves cornered by CO/SHO Indirapuram and Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP/ SWAT team from both sides and started to run on Kachcha-Pakka way, entangled in the wires lying on the road and fell down. The pillion rider fled towards the forest taking advantage of darkness, while the motorcycle driver started indiscriminate firing at police personnel trying to escape. In view of sudden firing by the criminal, the team put on their BP Jackets and Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP constituted three parties, leading the first as striking party while the other two acting as covering cordon teams. Deeksha repeatedly warned and challenged the criminal to surrender but he ignored all the warnings and continued indiscriminate firing. The team took cover of nearby trees, showed extraordinary courage, fearlessness and put their lives in danger. Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP, Inspector Abdur Rahman Siddiqui and Constable Sandeep Kumar moved forward with the team and entered in the firing range of criminal to arrest him amidst the incoming barrage of bullets. In the process, bullets fired by the criminal hit Inspector Abdur Rahman Siddiqui (left arm) and Constable Sandeep Kumar (left leg). The bullets also hit Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP but she was saved by the BP Jacket. In spite of the injuries, the team pressed forward in the face of danger. Finding no alternative to overpower the criminal, Dr. Deeksha Sharma, IPS, Addl. SP, Inspector Abdur Rahman Siddiqui and Constable Sandeep Kumar showed indomitable courage and tactically entered the firing range of the criminal and fired in retaliation in a controlled manner, upon which the criminal fell down injured. On approach, he was identified as Billu Dujana and sent to the hospital so that he could be saved, where he succumbed. This encounter took place from 04.05 AM to 04.36 AM.

In this operation, Dr. Deeksha Sharma, IPS, Additional Superintendent of Police, S/Shri Abdur Rahman Siddiqui, Inspector and Sandeep Kumar, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.05.2022.

(F. No.-11020/175/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 34-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Ripudaman Singh	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.02.2021, when SI Ashok Kumar and Constable Devendra Singh of PS Sidhpura went to arrest criminal Moti resident of Nagla Dhimar PS Sidhpura, District Kasganj. Moti with his accomplices attacked on police party with sticks and spears and lethal weapons. Criminals also fired at police party resulting grievous injuries to SI Ashok Kumar while constable Devendra lost his life.

The criminals snatched service pistol of SI Ashok. This incident had been a great challenge for police. A reward of Rs. One lac was announced by the ADG of Police, Agra Zone for the arrest of dreaded/wanted criminal Moti.

In order to arrest the accused persons involved in this incident, so many teams were collecting intelligence against the accused persons. Collection of intelligence revealed the presence of Moti hiding in the Katri of river Kali. Acting on the inputs, SHO Ripudaman Singh with accompanying force departed from PS Sidhpura on 21.02.2021 at about 01:10 AM and reached near Dhundhra tri-junction ahead to village Hamirpur on Kartala road where SO Sidhpura Prem Pal Singh met with accompanying force searching accused Moti. Further, an input was received that Moti is present in the forest of Katri of river Kali. Believing the input Inspector Ripudaman Singh and others sprang into action and were about to rush for the place reported in the input, SI Mukesh with SOG team also reached there. After exchange of inputs and planning strategy, all the police force reached near temple besides Ram Manohar Smriti Dwar on Kartala Road. Three teams led by Inspector Ripudaman Singh, SO Sidhpura Prem Pal Singh and SI Mukesh were constituted, which moved on foot towards river Kali. Informer told that Moti is hiding with his accomplices in a reed tree. The second team was sent to the left side of the road towards the Eucalyptus trees, while the third team was sent on the left side of the road straight on unpaved way.

The first team led by Inspector Ripudaman Singh went down on the left side of road and moved forward. At about 02.30 AM, when the team was about 35-40 steps before the Kekar trees, two persons came out of the bushes, one of them shouted that it is police, kill them and started indiscriminate firing by moving, ducking and turning. Inspector Ripudaman Singh and his team saved their lives by taking cover of mound. Inspector Ripudaman Singh showing extraordinary courage and gallant

warned the criminals to surrender but all the warnings went in vain and criminals kept on firing intermittently. As soon as Inspector Ripudaman Singh putting his life in danger came out of the cover and attempted to arrest the criminals firing at police indiscriminately from which Inspector Ripudaman Singh had a narrow escape by using field craft and tactics. Even then Inspector Ripudaman Singh continued to combat the criminals indiscriminate firing bravely. Finding no alternative to overpower the criminals, Inspector Ripudaman Singh showing extraordinary courage and bravery fired in self-defence in a controlled manner. As a result of retaliatory firing, a scream was heard. On nearing, a criminal was found lying injured on the grass and was moaning. The injured criminal was identified as Moti a rewardee of Rs. 1,00,000/- main culprit of incident of attack on police. The injured criminal was sent to hospital where he succumbed. The 9 MM service pistol looted from SI Ashok Kumar was recovered from the scene of occurrence.

In this operation, Shri Ripudaman Singh, Inspector of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 21.02.2021.

(F. No.-11020/176/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 35-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Assam Rifles:—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Neelam Singh	Lance Naik	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Lance Naik Neelam Singh has served with unmatched professionalism and devotion to duty while handling complex situations with absolute maturity.

Based on specific input related to NSCN cadres, series of domination patrols were launched since 08 September 2023. At approximately 2230 hours, 13 September 2023, Lance Naik Neelam Singh, part of Quick Reaction Team, while moving from Miao Ghat to Dharampur challenged two suspected individuals near Kali Mandir, who opened fire and one bullet hit the spare wheel of the Gypsy. Displaying conspicuous courage, heroism and utter disregard to personal safety, the soldier jumped out of the running vehicle, charged towards the cadre who was still firing and retaliated with fire leading to bullet injuries to one of the individuals, who later died and was identified as Self-Styled Lieutenant Thongtsi alias James of NSCN (K-Nikki) involved in extortion related activities. His act has cemented the belief of locals on Indian Security Forces.

In this operation, Shri Neelam Singh, Lance Naik of Assam Rifles displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.09.2023.

(F. No.-11020/169/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 36-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Bhagirath Singh Rathore	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26th October, 2023, CT Bhagirath Singh Rathore deployed at Border Out Post Vikram, 120 Bn BSF, District-Jammu (J&K) was detailed to perform naka duty at BSF's Forward Defended Post (FDP) No.06/24 along the Indo-Pak International Boundary. CT(GD) Bhagirath Singh Rathore left BOP Vikram at about 1930 hrs for naka duty at FDP No. 06/24

along with his personal weapon and ammunition. When he was enroute between FDP No.06/62 and 06/63, suddenly heavy fire of flat trajectory weapons as well as 82mm Mortar came from Pakistan.

Sensing the exigent situation, CT Bhagirath Singh Rathore immediately took position behind a small mound of a nearby agriculture field for almost one and half hour. He was evacuated by a Quick Reaction Team (QRT) of BOP Vikram led by Shri Keshav Pandey, DC, 120 Bn BSF and he was instructed to return to BOP Vikram, but he expressed his willingness to support his fellow troops and requested to be dropped off at FDP No.06/64 instead of BOP Vikram. Accordingly, he was dropped at FDP No.06/64 on his request and despite heavy fire from post of Pakistan Rangers, he remained steadfast and did not return to his BOP.

After reaching FDP 06/64, CT Bhagirath Singh Rathore opened fire towards Pakistan from 7.62 mm LMG. The said LMG stopped firing due to a technical fault. In order to pin down/dominate Pakistan Rangers Post Iqbal Saheed which is located about 500 mtrs away from FDP No.06/64, CT Bhagirath Singh Rathore came out from FDP in the open along with 51mm Mortar, amidst heavy fire without caring for his life and fired 05 Nos. High Explosive (HE) bombs targeting Pakistan Rangers Post Iqbal Saheed for approx. 08-12 minutes. Due to the valiant action and accurate firing by CT Bhagirath Singh Rathore, enemy was forced to stop firing. He saved loss of life and property.

In this operation, Shri Bhagirath Singh Rathore, Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.10.2023.

(F. No.-11020/161/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 37-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Girjesh Kumar Uddey	Head Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19th August 2022, Late HC Girjesh Kumar Uddey was deployed at sensitive Border Out Post (BOP) SIMNA-II of 145 Bn BSF, Tripura on the Indo-Bangladesh border. There were intelligence reports suggested about increasing activities of National Liberation Front of Tripura (NLFT) terrorists in counterpart area of Simna region.

An area domination patrol party led by HC Girjesh Kumar Uddey as scout left BOP Simna-ll at 0810 hrs. The Ops party tactically navigated on the dilapidated track along IBBF in the treacherous and forested terrain.

At around 0850 hrs, while on move, the tactical instinct of HC Girjesh Kumar Uddey sensed ambush by NLFT militants on Bangladesh side of IBBF. Realizing call of duty, he immediately alerted troops behind through field signal. Moreover, to secure lives of fellow soldiers he approached IBBF for ceasing initiative of firing upon the militants.

As the first responder, he kept his tactical skill to the fore, advanced towards the IBBF taking ground cover but before he could fire from his Rifle, he came under heavy burst of fire from militants. Bullets not only damaged his weapon, rendering it unusable but also pierced his right arm pit and thigh. But even before slumping he trained his weapon towards the militants for giving befitting reply showcasing indomitable courage even on the face of death.

The conspicuous bravery and combat audacity in adverse situation on the line of duty by Late HC Girjesh Kumar Uddey not only saved his brothers in arms but also pervaded them eventuating nonpareil retaliation which foiled misadventure of militants, but unfortunately, he sustained serious bullet injuries on his body and succumbed to injuries.

In this operation, Late Shri Girjesh Kumar Uddey, Head Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19.08.2022.

(F. No.-11020/162/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 38-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jitu Deori	Inspector	GM
2.	Ratan Kumar Yogi	Constable	GM
3.	Awdhesh Kumar Yadav	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Inspector Jitu Deori of 61 Bn BSF was part of 15th rotation of Indian Formed Police Unit-ll (INDFPU-2) deployed at Coy Operated Base (COB) Butembo as part of United Nations Organization Stabilization Mission in the Democratic Republic of Congo (MONUSCO). His platoon was part of the detachment of INDFPU-2 which was sent to Butembo to take over security of United Nations Establishments and personnel.

On 26 July, 2022, a mob of over 500 protestors encircled COB Butembo. In no time, the mob turned violent after withdrawal of Police National Congolese. The aggressive mob attacked COB Butembo with stones and Molotov cocktails (Petrol Bombs). They were able to breach the perimeter wall and set fire to the tents inside the COB. Anticipating the imminent danger of life to the INDFPU members, Inspector Jitu Deori marshaled his troops by moving from one security point to another under small arms fire from the rebels who had infiltrated the campus. The authorities immediately decided to evacuate the 38 unarmed UN personnel, who had taken shelter inside the COB to Butembo Airport for further airlifting to Beni. The task was given to Inspector Jitu Deori by the Contingent Commander. In immediate action, Inspector Jitu Deori organized a Quick Response Team (QRT) of two sections in three armoured vehicles to evacuate the UN personnel.

The evacuation party came under heavy gunfire immediately on leaving the COB.

They had to face numerous road-blocks and remained under constant fire of small arms and Molotov Cocktails for the entire 08 Kms journey to the evacuation point.

Despite such overwhelming odds and grave threat to life, Inspector Jitu Deori displayed acute tactical acumen and courage in leading his QRT from the front in negotiating all the obstacles and fire enroute. His highest level of courage and composure set an example for his team members, which in turn resulted in safe evacuation of 38 unarmed UN personnel without any casualty of troops and evacuees.

Constable Ratan Kumar Yogi, 75 Bn BSF was deployed at COB Butembo as part of the 15th rotation of Indian Formed Police Unit for UN peacekeeping Mission in Democratic Republic of Congo (MONUSCO).

On 26 July 2022, COB Butembo came under heavy attack by over 500 protesters. The protesters attacked the COB by stone pelting, throwing Molotov cocktails (Petrol Bomb) and fire of small arms. Constable Ratan Kumar Yogi displayed exemplary courage and bravery under overwhelming odds and steadfastly continued to execute his allotted task of defending the Eastern corner of the COB. He not only displayed raw courage but also acute tactical acumen in countering the aggressive action of the protesters and armed rebels. He was also part of the QRT which made multiple trips to evacuate 38 UN personnel to Butembo Airport despite being under constant attack. His resolute action under heavy odds contributed majorly in defending the COB and saving lives of unarmed United Nations personnel.

Constable Awdhesh Kumar Yadav of 123 Bn BSF was selected as part of Indian Formed Police Unit for UN peacekeeping mission in Dominic Republic of Congo (MONUSCO). The INDFPU-2 was deployed in D R Congo since 04th May 2022.

On 26th July 2022, more than 500 violent protesters simultaneous attacked on the COB Butembo at D R Congo from three different directions. Despite being under heavy attack by means of stone pelting, Molotov Cocktails (Petrol Bombs) and automatic fire by armed rebels, Constable Awdhesh Kumar Yadav of 123 Bn BSF kept countering rebels, firing and denying protestors / rebels ingress through breached portion of perimeter wall. Constable Awdhesh Kumar Yadav displayed exemplary courage, devotion to duty without caring his personal safety and saving lives of UN Officials and further facilitating their evacuation to Butembo Airport. His professional conduct and sound tactical decisions under extreme pressure resulted in preventing the COB being run over by the violent agitators and armed rebels.

In this operation, S/Shri Jitu Deori, Inspector, Ratan Kumar Yogi, Constable and Awdhesh Kumar Yadav, Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.07.2022.

(F. No.-11020/163/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 39-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vinay Kumar	Assistant Commandant	1st BAR TO GM
2.	Gobinda Baro	Constable	GM
3.	Khushi Ram Choudhary	Constable	GM
4.	Khandare Roshan Ramdas	Constable	GM
5.	Virendra Singh Rajput	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30th December, 21 at about 2230 hrs, an intelligence input was received about the presence of heavily armed terrorists in Gamandar Mohalla under PS Pantha Chowk, Srinagar. Accordingly, 02 HITs (House intervention teams) of valley QAT, CRPF under overall command of Shri Vinay Kumar, AC and Shri Satendra Singh, AC along with SOG Srinagar and Police component of PS Pantha Chowk reached and laid cordon in the Gamander Mohalla at around 2359 hrs.

Upon reaching the spot, the suspected area was cordoned off by a team of valley QAT. During the house-to-house search, one particular house was zeroed in on, as there was no response to the calls made by the troops to open the house. As the search party led by Shri Vinay Kumar, AC approached the suspected house, they were fired upon by terrorists hiding inside. The attack was swiftly retaliated by the team of valley QAT, CRPF.

After evacuating the civilians from the adjacent houses, HIT, under the command of Shri Vinay Kumar, AC advanced towards the target house with the help of the Marksman BP vehicle being driven by Ct/Dvr Virendra Singh Rajput through the narrow lane. As the Marksman BP vehicle's headlights illuminated the path, the terrorists abandoned the target house and took cover behind the boulders, lobbed grenades followed by heavy firing, which was later found to be an armour piercing round on the advancing party, as a result of which, the front tires of the vehicle was damaged and Shri Vinay Kumar, AC, Ct Gobinda Baro and Ct Khushi Ram Choudhary suffered splinter injuries.

Shri Vinay Kumar, AC and his buddies, thereafter noticed the terrorists sneaking out taking advantage of the darkness and smoke to the main road, firing upon the team. Ct/Dvr Virendra Singh Rajput strategically positioned his vehicle to provide maximum cover to the team as bullets hit the Marksman vehicle. However, one bullet fired by a terrorist hit Ct Gobinda Baro in the right leg. Shri Vinay Kumar, AC with the assistance of his buddy, tactically evacuated Ct Gobinda Baro from the operation site and evacuated him to 92 Army Base Hospital, Srinagar in another vehicle.

Despite the terrorists' attempt to break the cordon with indiscriminate firing and grenade lobbing, Shri Vinay Kumar, AC and his buddies Ct Khushi Ram Choudhary and Ct Khandare Roshan Ramdas taking cover behind the Marksman BP Vehicle, advanced to block the escape routes. Ct/Dvr Virendra Singh Rajput, displaying exceptional courage and professional acumen, drove the Marksman vehicle through the volley of fire, despite knowing that the terrorists were using armour-piercing rounds.

Shri Vinay Kumar, AC along with his buddies, with utter disregard to their safety valiantly retaliated and neutralized the remaining terrorists from close quarter. Subsequently, on conducting a thorough search of the entire area post encounter, dead bodies of three terrorists who were later identified as Suhail Ahmad Rather, Category C, Abu Lukmaan, Category A+ and Razak Bhai, Category A+, all of JeM outfit were recovered from the encounter site along with AK 56 Rifle 03, AK 56 Rifle magazines 07, AK 56 rounds 50 and Chinese grenade 01.

There was no collateral damage or civilian injuries at the encounter site. The operation was executed in a professional manner with extreme grit and courage, following a real-time planned approach. The neutralized terrorists were involved in numerous activities and were also instrumental in inflicting casualties on Security Forces (SFs), notably in an attack on a bus of J&K Armed Police on 13 Dec 21 near Zewan Camp, Pantha Chowk, where three JKAP personnel were martyred and others sustained grave injuries. Thus, the elimination of these terrorists is considered a significant and commendable achievement for the troops.

In this operation, S/Shri Vinay Kumar, Assistant Commandant, Gobinda Baro, Constable, Khushi Ram Choudhary, Constable, Khandare Roshan Ramdas, Constable and Virendra Singh Rajput, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.12.2021.

(F. No.-11020/14/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 40-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Sunil Kumar Pandey	Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Constable Sunil Kumar Pandey was performing duty in F coy of 186 CRPF located vii Bordumsa, Changlang District, Arunachal Pradesh since 28.02.2020. On 06.09.2023, a specific intelligence was received from reliable source regarding smuggling of contraband substances in the general area of Assam-Arunachal Pradesh border. At approximately 1615 hours, CT Narendra Singh, CT Ashutosh Ojha and CT Sunil Kumar Pandey of F/186 led by HC Sujoy Nandi went to verify the intelligence input and one strong party was kept reserved at Coy location to meet any contingency. The party led by HC Sujoy Nandi was divided into two groups: one group comprising of HC Sujoy Nandi and CT Sunil Kumar Pandey placed themselves at T-junction of Madhapur market of Bordumsa (Assam) which is 100 meters away from the Arunachal Pradesh border.

They got alert on getting further information from the source that suspected persons were heading towards the market on a motor bike. Suddenly, suspected persons arrived on a bike at the point where HC Sujoy Nandi and CT Sunil Kumar Pandey were positioned. On observing the bikers and matching the description narrated by the informer, they tried to stop them. However, bikers tried to escape but could not do so and fell down from the bike. Despite being unarmed. CT Sunil Kumar Pandey displayed extraordinary courage, determination and nabbed the suspected individuals without caring for his personal safety. However, during this effort; the other suspects launched a deceptive and vicious attack with a knife on CT Sunil Kumar Pandey. This unprovoked knife attack tragically led to the martyrdom of CT Sunil Kumar Pandey while he was bravely performing his duty. On receipt of information, QAT/ 186 stationed at Namsai, Zonal QAT-I stationed at Nampong, team of PS- Bordumsa (Assam) and team of PS- Bordumsa (Arunachal Pradesh) rushed for reinforcement to the incident site. CT Sunil Kumar Pandey was evacuated to Govt. Civil Hospital, Bordumsa where treating Doctors declared him brought dead. FIR No. 0037 dated 06/09/2023 was lodged at PS Bordumsa. Distt Tinsukia (Assam). Subsequently, both assaulters were arrested by local police and produced before the court by the Bordumsa Police (Assam).

In this operation, Late Shri Sunil Kumar Pandey, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 06.09.2023.

(F. No.-11020/190/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

———————

No. 41-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dhanaraju Matta	Head Constable	GM
2.	Ghodke Prakash R	Head Constable	GM
3.	Sompal Singh	Head Constable	GM
4.	TH John Thro	Constable	GM
5.	Mushahid Ali	Constable	GM
6.	Sirsath Vikas Ananda	Constable	GM
7.	Hardev Saini	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an intelligence input regarding the movement of a group of CPI Maoist cadres, led by Abhijeet Yadav @ Banwari, ZCM, in Chakarbandha Forest, under district of Gaya and Aurangabad, Bihar, an op was launched by 205 CoBRA. 153 and 159 CRPF along with Bihar Police, on 24/25 July 2019.

As per the plan, the CoBRA Strike Teams reached close to the target area in civilian pattern vehicles and thereafter, advanced towards the target while taking all precautions and maintaining surprise and secrecy. After traversing in the dark night and manoeuvring through dense thorny forest, while braving incessant rain and treacherous terrain, the Strike Teams entered their respective target areas and commenced tactical search. On 25 July 2019 morning, Strike Team 1 while searching the area, reached Satnadia Nallah and bifurcated into 2 sub teams. They continued the search, moving parallelly to cover a larger area. After searching the area around Satnadia Nallah, sub team 1 moved towards a hill, South of Satnadia Nallah. While negotiating the slope, the troops noticed an IED, planted on a track going uphill.

Immediately, Team Cdr Shri Dilip Malik, DC alerted the troops and after quick planning, started to approach the height from two directions. Hardly had the teams advanced a few paces, a heavy volume of fire came on the leading Section of Team 1 from the dominating heights. Before the troops could react, the firing was followed by the blasting of 5 IED in a series. The leading section, comprising of Shri Dilip Malik, DC, HC Dhanaraju Matta, Ct TH John Thro, HC Sompal Singh, HC Ghodke Prakash R, Ct Mushahid Ali, Ct Hardev Saini and Ct Sirsath Vikas Ananda were badly trapped in the killing zone of Maoists. Acting promptly, they immediately took cover and started retaliating the attack.

A serious threat loomed over the lives of the troops. Assessing the situation, Shri Dilip Malik, DC, intensified the counter attack and relayed the information to the Command Base about the encounter. Amidst the heavy exchange of fire, Shri Dilip Malik, DC along with other trapped team personnel, advanced by crawling and firing toward the Maoists. But the move did not deter them, as they were entrenched behind the safe cover of boulders and trees and occupying dominating heights. The Maoists had also fortified their defence by planting IED on the approach routes, which were being blasted intermittently.

Assessing the critical situation and the need of the hour, Shri Dilip Malik, DC took a bold decision to launch a full throttle frontal attack. Leading from the front along with Ct TH John Thro, HC Sompal Singh and HC Dhanaraju Matta, he advanced right into the face of Maoist defence using fire and move tactics. Negotiating the slope, under heavy firing; the troops reached near the Maoist position. The unexpected and audacious move of CoBRA commandos stunned the Maoists. Before they could respond, Shri Dilip Malik, DC displaying unparalleled bravery, fired heavily from standing position and shot down one Maoist. However, as the Maoists were occupying safe positions, it didn't take them long to recover. They blasted an IED just in front of the advancing troops. Exhibiting sharp reflexes, the troops not only saved themselves from the impact of the IED but prepared for another counter attack.

Analyzing the emerging situation and threat of IED, Shri Dilip Malik, DC chalked out another quick counter action plan. He along with HC Dhanaraju Matta, Ct TH John Thro and HC Sompal Singh moved to attack the left flank of the Maoists, while ordering HC Ghodke Prakash R, Ct/GD Mushahid Ali and Ct Sirsath Vikas Ananda to attack from the right flank. At the same time Shri Dilip Malik, DC also ordered the remaining troops to fire UBGL at the Maoist position.

While the Maoists were busy attacking the left flank, the UBGL fire from the rear Section and a new counter attack from the right flank left them shocked. Using this opportunity, the brave personnel on the right flank charged towards the Maoists and neutralized two of them. Meanwhile, Shri Dilip Malik, DC mobilised a small team to encircle them from behind. The ferocious and tactical counter attack broke the Maoist ranks and they started fleeing. The troops chased them for about 300-400 m but the Maoists managed to escape, taking advantage of the dense jungle and their familiarity with the terrain.

After the firing ceased, the troops thoroughly searched the area and recovered 3 dead bodies of Maoists along with 1 AKM Rifle, 3 INSAS Rifles, 1 US Carbine, 1 .303 Rifle, 1 Carbine, 4 IED and a huge cache of ammunition. The bloodstains at the encounter site suggested that, at least, another 4-5 Maoists had sustained bullet injuries but managed to escape.

In this operation, S/Shri Dhanaraju Matta, Head Constable, Ghodke Prakash R, Head Constable, Sompal Singh, Head Constable, TH John Thro, Constable, Mushahid Ali, Constable, Sirsath Vikas Ananda, Constable and Hardev Saini, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25.07.2019.

(F. No.-11020/69/48/2022 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 42-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve olice Force (CRPF):—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Harimohan Singh Bhandari	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30th June 2016, on receipt of information from SP Pulwama, about presence of terrorists in Village-Malwari (Newa), PS & Distt-Pulwama, Jammu & Kashmir, troops of 183 Bn under command of Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, 183 Bn, CRPF, launched a Cordon and Search Operation (CASO) along with SOG, JKP and 55 RR. A detailed strategy was chalked out after mutual consultations with the commanders of joint forces and accordingly, a tactical cordon was laid around the target house. Troops of 183 Bn CRPF under command of Shri Vinay Anand Prakash, Comdt were assigned the task of laying inner cordon with 55 RR and SOG, JKP. Two bunkers of 183 Bn CRPF were also placed tactically adjacent to the target house.

To save the lives of innocent civilians, it was decided to first evacuate the local residents from the target area. Accordingly, taking due cautions, troops evacuated the civilians from the nearby residential houses to a safe zone. After that, troops occupied the houses nearby the target house. Shri Vinay Anand Prakash, Comdt along with Sub Inspector Harimohan Singh Bhandari took position in front of the target house behind the available covers.

While the troops were closing in towards the target area, the terrorists sensed the presence/activities of the troops, and in an attempt to escape, opened indiscriminate fire followed by the grenade lobbing upon the troops. The grenade landed close to the place where Shri Vinay Anand Prakash, Comdt. and his team were positioned. Giving a lightening reaction to the situation, in a miraculous escape troops saved themselves from the deadly attack as the bullets and grenade splinters missed their target by a whisker. In the meantime, troops swung into the action and retaliated to the militant's fire. Undeterred to the impending threats, Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, Sub Inspector Harimohan Singh Bhandari and Constable Rajesh Shah fired effectively upon the militants and prevented them from making any more attempts to escape. The counter action was duly augmented by the troops of 55 RR and SOG, JKP. The effective and prompt retaliation from the SFs left the militants astonished as they couldn't respond for a while.

Stricken by the SFs, militants reviewed the situation and after a prolonged lull; ascertaining the position of the troops, they once again resorted to indiscriminate fire upon the troops which was once again thwarted. Finding the bullets are not making its worth against the SFs, militants lobbed another grenade towards Shri Vinay Anand Prakash, Comdt. who have stood rock solid in their way to escape and became a manacle. The agility and reflexes of the troops again dulled the effect of grenade attack. While retaliating against the militants, Shri Vinay Anand Prakash sensed that the terrorists were making desperate attempts to escape from the site and may intensify their attack on the troops. An advance tactical move was the need of hour to eliminate the militants before they could cause any damage to the SFs or make escape from the site. A daring initiative was only option left with. At this moment, Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, exhibiting true characters of a commander, decided to shoulder the responsibility. Throwing all cautions into air and displaying exemplary bravery he came out of his cover and attacked ferociously on the militants.

Meanwhile, Sub Inspector Harimohan Singh Bhandari taking cue from his commander joined the league of bravery and attacked militants with his effective fire. The fearless and audacious action of the duo was augmented by Constable Rajesh Shah. Despite being heavily fired upon by the militants, he untied barrage of bulletin the adversaries. The bold and courageous action by the brave hearts broke the resistance of the militants and eliminated them. During post encounter search, dead bodies of two militants were recovered by the troops who were later identified as Abu Ayaan of LeT, Cat-'A', R/o Pakistan and Manzoor Ahmad Dar of LeT, Cat-'B', S/o Abdul Rashid Dar, R/o Kesrigam Gundibagh, Kakapora. One AK rifle, one pistol with Magazine and ammunition were recovered from the slain militants.

In this operation, Shri Harimohan Singh Bhandari, Sub-Inspector of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.06.2016.

(F. No.-11020/07/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 43-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Narender Yadav	Second-In- Command	1st BAR TO GM
2.	Amit Kumar	Assistant Commandant	1st BAR TO GM

3.	Pugalendhi V	Constable	GM
4.	Ranjan Kumar	Constable	GM
5.	Rana Zulffqar Ali	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28th June 2021, based on intelligence inputs regarding a possible terrorist attack on SF at Srinagar-Baramulla National Highway between Shalteng and Narbal, 04 HITs of CRPF Valley QAT positioned themselves at strategic points to neutralise the evil designs of the terrorists. Consequently, a dreaded terrorist, travelling in a vehicle, was apprehended and in the joint interrogation revealed that he had kept his AK 47 in a house, at Maloora.

Based on the input of the apprehended terrorist, an operation was launched by Valley QAT, CRPF, SOG and 2 RR. The teams laid a cordon around the target house at 1510 hrs, which was located near an embankment of river Jhelum in the outskirts of Srinagar. As planned, the teams were to lay the initial cordon with surprise using a civil vehicle. Subsequently, additional teams would join to strengthen the cordon.

During the planning phase, distinct roles were assigned to each team. Shri Amit Kumar, AC, and his team were tasked with covering the front side of the suspected house. Shri L.C Ravi, AC led a team responsible for securing the right side. The rear side was assigned to Shri Narender Yadav, 2IC, and his team. Shri Satendra Singh, AC was designated to cover the entrance of the courtyard of the suspected house. Lastly, the left side was to be covered by a team led by Shri Vinay Kumar, AC.

Shri Amit Kumar, AC utilized a UAV broadcaster to communicate with the civilian occupants of the suspected house, urging them to exit from the premises. Subsequently, following the announcements, a family consisting of a man, two women and a child emerged from the targeted house. However, immediately after their exit, a terrorist who had been hiding inside the house started indiscriminate fire at the cordon party led by Shri Vinay Kumar, AC using an AK-47 and UBGL. Due to effective retaliation from the firebase team, the terrorist was forced to retreat to the rear part of the house.

To limit the terrorist's mobility and create openings in the house, Shri Narender Yadav, 2IC in consultation with JKP and CRPF officers, decided to employ MGL and RL in a progressive manner. Three RL detachments were formed: one led by Shri Amit Kumar, AC another by Shri Vinay Kumar, AC, and the third by Shri Satendra Singh, AC.

Accordingly, MGL and RL were fired from different directions. Coming under effective fire, the hiding terrorist tried to break the cordon from the rear side of the target house by spraying bullets and firing grenades from his UBGL on the party led by Shri Satendra Singh, AC.

However, Shri Satendra Singh, AC showed nerves of steel and indomitable will and retaliated effectively, but during exchange of fire, he sustained bullet injury. Ct Rana Zulffqar Ali, who was also moving along with Shri Satendra Singh, AC, on seeing his commander injured in a fierce gun fight, moved to an open area at the risk of exposing himself to continuous fire and played a crucial role in evacuation of his injured commander.

There were some rooms where the MGL had not made much impact and the terrorist was moving freely inside the house. After the terrorist managed to retreat inside the target house, Shri Narender Yadav, 2IC instructed the RL detachment led by Shri Amit Kumar, AC to fire 84mm RL rounds at the front side of the house. The RL detachment positioned them on the roof and with the use of a drone, the terrorist was spotted hiding in a corner and RL were fired again towards this location.

Following further deliberation, Shri Narender Yadav, 2IC decided to utilize a flame thrower called Agni Varsha to set the house on fire. Despite constant threats from the terrorist, Shri Amit Kumar, AC accompanied by a team from Valley QAT, approached the target house in a BP vehicle and sprayed oil using the Agni Varsha, setting the house ablaze. However, the fire couldn't sustain for long. After a due discussion, it was decided to form small teams comprising of Shri Amit Kumar, AC, along with their buddies, small component of SOG and others to undertake the house intervention.

Despite the constant threat, the house intervention teams led by Shri Amit Kumar, AC tactically advanced towards the target house. The highly trained terrorist fired a barrage of bullets towards the advancing team. Fortunately, the teams managed to advance tactically and narrowly escaped the gunfire. Determined and unfazed, the team retaliated with heavy fire. Shri Amit Kumar, AC, and Shri Vinay Kumar, AC and others decided to split into two teams with their respective buddies and corner the terrorist from two sides, as the terrorist continued to move on the ground floor.

At that moment, the terrorist threw a grenade towards the team. The grenade landed a few yards away and the team quickly took cover behind a stack of bricks, narrowly- escaping the explosion. Taking advantage of the smoke, Shri Amit Kumar, AC and his buddy moved towards the left side of the room, where the terrorist was firing and covered the window. Before the terrorist could react, both teams unleashed heavy fire upon him. The terrorist retaliated indiscriminately and the teams continued their response. After a brief moment of silence, the teams could hear the injured terrorist's screams. They noticed that the terrorist fled and jumped out of the house from the rear side.

Shri Narender Yadav, 2IC along with Ct Ranjan Kumar and Ct Pugalendhi V advanced towards the terrorist from the cordon. The determined teams continued engaging the terrorist despite his relentless firing. The terrorist realizing of being trapped from all sides, started indiscriminate firing. The terrorist attempted to lob a grenade towards the advancing teams, but Shri Narender Yadav, 2IC along with Ct Ranjan Kumar and Ct Pugalendhi V noticed his intentions and alerted the teams. Displaying immense courage, Shri Amit Kumar, AC along with their buddies, and Shri Narender Yadav, 2IC along with Ct Ranjan Kumar and Ct Pugalendhi V, left their cover. Before the terrorist could throw the grenade, all three parties opened fire and eliminated him at close quarters. In the post encounter search, dead body of another terrorist was retrieved. During the encounter 02 dreaded LET terrorists were neutralized along with recovery of 2 AK series rifle, 2 AK magazines, 13 AK rounds and 1 UBGL. The slain terrorists were identified as Abrar Nadeem Bhat, category A+, and Babar Nadeem @ Hafiz @ Ukasha @ Muslim Category A++, both of LeT.

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In- Command, Amit Kumar, Assistant Commandant, Pugalendhi V, Constable, Ranjan Kumar, Constable and Rana Zulffqar Ali, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.06.2021.

(F. No.-11020/71/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 44-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and GM, Posthumously to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB):—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Chandramoni Majumder	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Aman Kumar	Head Constable	GM
3.	Late Ravi Sharma	Head Constable	GM (Posthumous)
4.	Narender	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23rd November, 2020 at about 0730 hrs, a Road Security Operation (RSO) party comprising 30 Jawans of COB Kosronda, 33 Bn SSB, Kewti was ambushed by approximately 130-150 Naxals near ongoing Rowghat Railway Line Project in the Matla Reserve Forest area of district Uttar Bastar Kanker, Chhattisgarh.

RSO cum Demining party under command of Shri Bibhu Saha, Assistant Commandant was advancing through the hilly and dense forest area, providing cover to the demining party which was sanitizing the under-construction railway track. When the section was negotiating a hillock in the forest, a Jawan of the section; HC Narender observed some movement ahead. He signaled the party to take position and advanced tactically. Further, he observed one Naxal in black uniform hiding behind trees so he challenged the Naxal to come out and surrender. Suddenly, a volley of bullets came in the direction of SSB troops fired by Naxals. There were Naxals who had laid ambush to kill SSB personnel and to loot weapons and were indiscriminately firing with automatic weapons. Suddenly, Naxals blasted one Remote Controlled- Improvised Explosive Device (RC-IED). Impervious of his own safety, ASI Chandramoni Majumder tactfully maneuvered the difficult terrain by fire and move tactics and subdued the Naxals' LMG position. This helped advancing team members i.e, HC Narendra, HC Ravi Sharma and HC Aman Kumar to pin down the Naxals by fire and move and breaking the Naxal Ambush. In the crossfire between Naxals and SSB troops, three hardcore Naxals were neutralized by SSB along with recovery of SLR rifle-01 No. with telescopic sight, X-95 rifle-01 No., country made 12 Bore Rifle improvised to fire country made H.E. Bombs, country made H.E. Bombs-12 Nos., live cartridges and accessories with other paraphernalia. Further, 19 Nos lEDs which were planted near ambush site were disposed by BDDS team of SSB in presence of local police.

In this operation, S/Shri Chandramoni Majumder, Assistant Sub-Inspector, Aman Kumar, Head Constable, Late Ravi Sharma, Head Constable and Narender, Head Constable of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 23.11.2020.

(F. No.-11020/35/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 45-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Fire Service:—

Sl No	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Satish Kumar Raina	Selection Grade Fireman	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Satish Kumar Raina, SG Fireman of J&K Fire & Emergency Services was initially appointed as Fireman on 29.09.1998 and was well trained and performing exemplary service during over twenty four years till he attains martyrdom at the scene of fire. His service record remained unblemished throughout his service career. He was brave fire fighter and took crucial part while performing his duties at major fires in recent past. On 13.01.2023 at 20.39 hours, a fire call was received by Fire & Emergency Services, Control Room Gandhi Nagar Jammu about the fire having broken in a residential house near Catholic Church, Prem Nagar Jammu. The same message was conveyed to the nearest Fire & Emergency Station Shaheedi Chowk Jammu. At 20.04 hours, fire tender bearing Regd. No. 4612/JK02CX of Fire & Emergency Station Shaheedi Chowk along with crew members including Satish Kumar Raina, SG Fireman and fire tender bearing Ch. No. 9782 of Fire & Emergency Station Hqrs. Gandhi Nagar along with crew members made turnout to the scene of fire.

During the firefighting operation, Satish Kumar Raina, SG Fireman, as usual without caring his life showed highest degree of professionalism and valour in fighting fire in a four storeyed building located in a highly congested and densely populated area having no direct access for the Fire tenders. But unfortunately, the said official during active firefighting fell down from stair case of the involved four storeyed building and got critically injured. The brave firefighter played a vital role in firefighting to curtail the spread of fire and restricting the same to the involved building by taking a charged line and positioned himself strategically to restrict spread of fire. However, Satish Kumar Raina, SG Fireman, while fighting the fire bravely and without caring for his life, unfortunately lost control and got critically injured. He was immediately shifted to Govt. Medical College Bakshi Nagar Jammu in the departmental Ambulance, where the doctors declared him as brought dead and thus the brave fire fighter leaves an exemplary example for other fire fighters of this department.

In this operation, Late Shri Satish Kumar Raina, Selection Grade Fireman of J&K Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.01.2023.

(F. No.-11020/124/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 46-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Fire Service:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rahul Pal	Chief Fire Officer	GM
2.	Kunvar Singh	Fire Station Officer	GM
3.	Jogendra Singh	Fireman	GM
4.	Satendra Singh	Driver	GM
5.	Prahlad Singh Rana	Fireman	GM

6.	Ayushman Kumar Sharma	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

One person namely Anamika informed to the landline number of Fire Station, Vaishali, about the fire incident at Plot No. 15-16, Amicare Hospital, NyayKhand - 1, Indirapuram, Ghaziabad. Amicare Hospital is a 04 storeyed building including basement & upper ground floor. On the receipt of the information, immediately, under the leadership of FSO Shri Kunvar Singh, Driver Shri Satendra Singh, Fireman Shri Jogendra Singh, FSSO Shri Mulchand Singh, Leading Fireman Shri Aravinda Kumar Tyagi, Leading Fireman Shri Virendra Singh, Driver Shri Padam Singh, Driver Shri Narendra Kumar, Fireman Shri Prahlad Singh Rana, Shri Bunti Kumar, Vinay Yadav, Vijay Kumar, Nivesh Kumar, Ayushman Kumar, Padam Singh, Sankar Lal, and Deepak Kumar rushed to the spot. On the way, FSO has informed to the CFO Shri Rahul Pal about the incident.

After reaching the spot, the firefighting team found that the fire was in the electric panel located at the Ground Floor of Amicare Hospital and the front elevation was in fierce fire. The burning flame and black dense smoke is blowing on the sky. Complete hospital building was filled with smoke. In the meantime, CFO Shri Rahul Pal reached the spot and immediately, without wasting time CFO Shri Rahul Pal and FSO Shri Kunvar Singh directed the fire-fighting team to start the fire-fighting to control the fire. The fire-fighting team immediately started fire-fighting by laying two lines pumping by MFE. FSO Shri Kunvar Singh has directed the fire-fighting team to strategically lay down the delivery hose-pipe lines and throw the heavy shower of water on each and every corner of the building to cool the outside of the building and also directed to break all the thick glasses from the outside so that the smoke can go outside and fire may not be spread to the neighbouring building.

The hospital was in a horrible situation and the patients and their relatives were screaming and shouting for the help. The hospital staffs were informed that near about 10 patients in the I.C.U. and wards and 05 hospital staffs are trapped in the fire and their life is in danger due to obnoxious poisonous smoke.

CFO Shri Rahul Pal and FSO Shri Kunvar Singh determined to evacuate and rescue every one trapped in fierce fire-engulfed hospital building. Without wasting time, CFO Shri Rahul Pal quickly constituted a rescue team consisting FSO Shri Kunvar Singh, Fireman Shri Jogendra Singh, Driver Shri Satendra Singh, Fireman Shri Prahlad Singh Rana and Shri Ayushman Kumar Sharma and wearing B.A. Sets, helmet and putting their lives in danger, tried to enter in the hospital building with the aim to rescue all the trapped persons. Nothing was visible due to heavy, poisonous, dense toxic smoke and devastating fire which was preventing their ingress. In spite of zero visibility and looking into the seriousness of fire and smoke and lives of patients, they, without caring their life & limb from flames of fierce fire, breaking thick glass panes with crow bar and piercing dense smoke-filled staircase, entered into the building and hurriedly climbed up on upper floor as the persons were trapped in ICU and Ward which is located at first and second floor of the building. Putting their lives in danger and breaking glass panes of windows, they entered the ICU located at first floor. During breaking the glass panes of window, one broken hot glass was injured the palm and hand of FSO Shri Kunvar Singh but in spite of his injury, he entered into the ICU. FSO Shri Kunvar Singh and the rescue team found that the patients are suffocating and lying in the ICU in helpless condition. Five (05) patients from ICU were rescued one by one covering with the blanket through the human clutch, shoulder and with the help of stretcher by FSO Shri Kunvar Singh, Fireman Shri Jogendra Singh, Driver Shri Satendra Singh, Shri Prahlad Singh Rana and shifted all five patients to Yashoda Hospital, Koushambi through the ambulance.

Again, CFO Shri Rahul Pal and Fireman Shri Ayushman Kumar Sharma climbed into the second floor of the building to rescue the trapped persons in the Ward which was located at second floor and found that there are 10-11 persons are trapped in the ward. Immediately, CFO informed the rescue team to come to the second floor. At the time of coming to the second floor, driver Shri Satendra Singh was fell down in the stair due to zero visibility and his knee and leg was injured. Without caring his pain, he climbed to the second floor with the team. During this time, CFO Shri Rahul Singh and Fireman Shri Ayushman Kumar Sharma guided five hospital staff who are trapped them to roach safely to a safer place. Remaining five patients who are trapped in the ward were rescued by the CFO Shri Rahul Pal, FSO Shri Kunvar Singh, Fireman Shri Jogendra Singh, Driver Shri Satendra Singh, Fireman Shri Prahlad Singh Rana and Shri Ayushman Kumar Sharma one by one covering with the blanket, through the human clutch, lifting on the shoulder and with the help of stretcher and shifted all the patients to various nearby hospitals through the ambulance.

During the rescue operation, Fireman Shri Jogendra Singh has also injured at the time of bringing down the patients from the second floor and Chief Fire Officer Shri Rahul Pal was suffocated due to inhaling of poisonous black smoke.

Chief Fire Officer Shri Rahul Pal, Fire Station Officer Shri Kunvar Singh, Driver Shri Satendra Singh, Fireman Shri Jogendra Singh, Shri Prahlad Singh Rana and Shri Ayushman Kumar Sharma showed promptness in action, displayed conspicuous courage and act of gallant and rescued 10 trapped persons from the ICU and Ward located at first and second floor of the building and saved property worth about Rs. 10.00 Crore of the Hospital. During this incident, no death has been reported and all the trapped patients/persons were rescued safely by the Fire Service team.

In this operation, S/Shri Rahul Pal, Chief Fire Officer, Kunvar Singh, Fire Station Officer, Jogendra Singh, Fireman, Satendra Singh, Driver, Prahlad Singh Rana, Fireman and Ayushman Kumar Sharma, Fireman of Uttar Pradesh Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 01.08.2023.

(F. No.-11020/178/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 47-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Fire Service:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Deepak Sharma	Chief Fire Officer	GM
2.	Kamlendra Kumar Singh	Fire Station Second Officer	GM
3.	Sudesh Kumar Babu	Fire Service Driver	GM
4.	Karvendra Singh	Fireman	GM
5.	Shailesh	Fireman	GM
6.	Aditya Pathak	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Apna Palace Apartments, a 05 storeyed Commereial-cum-Residential Building, housing Footwear Warehouse, Button-Thread & Hosiery Industry. In its Basement, Ground & 1st Floor and various many more Residences on Upper Floors, is situated at 88/384, Humayun Bagh, Near Rupam Crossing, Chamanganj, a very busy Commercial-Residential area & densely populated locality in Kanpur Nagar, UP. There is a business hustle-bustle, in building, throughout day-night.

On 15.01.2024, during late evening, these commercial establishments were packed with their officials & workers and normal! activities were going on in this Building, suddenly fire had broken in Basement, housing Footwear Warehouse, Button-Thread & Hosiery Industry, which quickly spread over and engulfed complete Basement area, Apartment Building & upper Floors with toxic dense smoke and flames of fierce fire.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer, Kanpur Nagar, U.P. having received Information of Fire from Fire Mini Control Room at 20:00 Hrs., immediately directed Fire Station Colonelganj and Latouch Road and various nearby Fire Stations to attend fire site and himself, accompanying Fire Service Driver Sudesh Kumar Babu and Fireman Shailesh, quickly reached at scene of incidence.

Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer In charge FS Colonel Ganj, accompanying Fire Service Units, Rescue equipments & implements and Fire- Fighting vehicles, promptly rushed and reached at site of fierce fire and FS Units of nearby other Fire Stations also reached in meanwhile

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer and Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer saw a huge excited & impatient mob collected in vicinity of Building and its Basement, having Footwear Warehouse, Button-Thread and Hosiery industry, was at blaze and upper Floors of Apartment Building, engulfed in fierce fire and plumes of asphyxias dense black smoke and flames of fire were going high, causing life of trapped persons, in peril. Terribly fierce fire was endangering, adjoining commercial and residential building could have caught fire, which could have made situation from bad to worse and multiplied impediments in smooth Rescue and Fire-Fighting Operation, making it unsafe and difficult. Screaming cries for safety- bachao-bachao from Upper Floors of Apartment Building were loudly audible and there was virtual, stampede, uproar and panic, all around.

Shri Deepak Sharma. Chief Fire Officer, evaluating ferocity of fire, promptly, deliberated strategy with Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer and prioritized to rescue precious lives of trapped persons and also save property by skillfully fighting and controlling horrible fire.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer and Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer In charge FS Colonelganj, determined to save precious lives of victims, trapped in fire engulfed Building, executing the plan to fight horrible fire and rescue precious lives, directed attending Fire Service Units to promptly lay down 02 delivery hose-pipe lines, which they quickly complied and strategically started throwing heavy shower of water towards horrible fire-engulfed Basement of Building & Upper Floors.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer, commanding Operation, during this crisis level along with Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer and Sudesh Kumar Babu, FS Driver, Firemen Karvendra Singh, Shailesh and Aditya Pathak quickly organized a Rescue Team, put on breathing apparatus and assuring impatient mob to save victims, hurriedly moved towards internal stairs. But seeing it, blocked with huge stacks of material, a prudent and witty Shri Deepak Sharma. Chief Fire Officer directed Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer to install ladders who installed Ladders respectively to 3rd and 4th Floors swiftly.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer leading Rescue Team and directing Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer to climb to 3rd Floor, himself, accompanying Firemen Karvendra Singh & Sailesh, boldly with electric speed without caring for safety of their life & limb, beating flames & heat of fierce tire & dense toxic smoke, climbed up to 4th Floor, balcony of fire-engulfed Building and conspicuous courage & gallant piercing toxic dense black smoke and intense heat moved in through balcony and finding 12 frightened persons including women crying for safety of their lives, consoled them and quickly and laboriously supporting them, brought them out of heat and smoke, near ladder and tactically with competent rescue-skill through ladder brought them down safely.

Shri Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer accompanying FS Driver Sudesh Kumar Babu and Fireman Aditya Pathak also hurriedly and undeterred of heat & flames of fierce fire and dense toxic smoke, climbed up to 3rd Floor balcony of fire- engulfed Building through strategically installed Extension Ladder and without caring for security of their lives entered in and finding 09 frightened persons including women and Children, consoling and supporting them brought them out of heat and smoke in balcony near ladder and tactically with competent rescue-skill, through ladder saving them from flames, brought them down, safely.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer, tirelessly accompanying Firemen Karvendra Singh and Sailesh continued their Search Operation to rescue all trapped victims in deadly fire engulfed and smoke-filled Building. They climbed up through strategically installed Extension Ladder on to Upper Floors expecting many more persons trapped therein and during intense search, 04 more persons including 03 Women were saved and brought them down safely.

Fire Service Units under command of Shri Deepak Sharma, CFO and direction of FSSO Kamlendra Kumar Singh continued throwing of dense shower of water on Fire-Engulfed Basement and flame of fierce fire on upper Floors of Apartments and horrible fire and its extension to adjoining Building/ Establishments was restrained and Fire was completely extinguished successfully.

Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer with his team dauntlessly leading Fire-Fighting and Rescue Operation in Apna Palace Apartments with tremendous presence of mind and patience in this chaotic situation. During this arduous Fire-Fighting and Rescue Operation, they have performed conspicuous courage and devotion towards their duty with competent fire-fighting and rescue skill and rescued precious lives of 25 persons & evacuated about 100 residents including women and children and saved property worth approx. Crores of Rupees.

In this operation, S/Shri Deepak Sharma, Chief Fire Officer, Kamlendra Kumar Singh, Fire Station Second Officer, Sudesh Kumar Babu, Fire Service Driver, Karvendra Singh, Fireman, Shailesh, Fireman and Aditya Pathak, Fireman of Uttar Pradesh Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15.01.2024.

(F. No.-11020/179/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 48-Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Fire Service:—

Sl No	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Arun Kumar Singh	Chief Fire Officer	GM
2.	Shrinarayan Singh	Fire Station Officer	GM
3.	Kapil Yadav	Fireman	GM
4.	Mukul	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Pearls Plaza, a 03 storey commercial building, housing large Companies, like, Indiabull Housing Finance Company, Insurance Company, Travel Agency & about 50 more commercial offices and Show-Rooms on ground floor, is situated at K-24-25, Sector 18, a very busy Commercial Center, in Noida, Gautam Budh Nagar, UP. There is a business hustle-bustle in the entire building throughout till late evening.

On 07.09.2022 during mid-day, these business houses and commercial offices were packed with their officials & workers and visiting customers were coming and going in Plaza, suddenly fire had broken in the office premises of Insurance Company and Travel Agency Office located on 2nd Floor of Plaza, which quickly engulfed the office premises and rapidly spread on Floor with flames of fierce fire with toxic smoke.

Shri Shrinarayan Singh, Fire Station Officer, Fire Station Phase-1, Noida, Police Commissionerate, Gautam Budh Nagar, accompanying FS Units, rescue equipments & implements and Fire-Fighting vehicles, was returning after some other fire-fighting Operation in a Factory, having received information of this fire at about 14:35 hrs., immediately sprang into action and directing Fire Station to send reinforcement and informing Shri Arun Kumar Singh, Chief Fire Officer, Gautam Budh Nagar quickly reached at scene of incidence.

Shri Shrinarayan Singh, Fire Station Officer, on arrival at Pearls Plaza saw a huge excited & impatient mob collected in front of Building and its 2nd Floor having office of India Bulls was at blaze & upper Floors of engulfed in fierce fire & plumes of asphyxias dense black smoke and flames of fire were going high, causing life of trapped persons in peril. There being an electric sub-station just opposite fire-engulfed Plaza and installation of high-tension electric line & passing in close proximity of Plaza including adjoining show-rooms & shops could have caught fire and this could have made situation from bad to worse and smooth rescue fire-fighting operation unsafe & difficult. Screams and cries for safety from Upper Floors of building were coming and there was vital stampede and uproar in Plaza building and panic all around.

Shri Arun Kumar Singh, Chief Fire Officer also reached in meanwhile and seeing ferocity of fire, promptly requisitioned Hydraulic Platform and deliberated strategy with Shri Shrinarayan Singh, Fire Station Officer and prioritized to rescue precious lives of trapped persons and save Property by skillfully fighting and controlling horrible fire.

Shri Arun Kumar Singh, Chief Fire Officer & Shri Shrinarayan Singh, Fire Station Officer determined to save precious lives of trapped victims, executing the plan to fight horrible fire & rescue precious lives, directed attending Fire Service Units to promptly lay down delivery hose-pipe lines, which they quickly complied and started throwing heavy shower of water towards fire-engulfed 2nd Floor of Plaza. The Plaza, being air- conditionality tight, Fire Service Units also installed ladders strategically & boldly climbed up and started breaking glass-panes for ventilation.

Chief Fire Officer Shri Arun Kumar Singh, commanding Operation, during this crisis level along with Fire Station Officer Shri Shrinarayan Singh determined to rescue trapped victims, quickly constituted 02 Rescue Team with Firemen Mukul & Kapil Yadav with them respectively. Put on breathing apparatus and assuring impatient mob to save victims, they hurriedly & boldly climbed through internal stairs, beating intense heat of fire and dense toxic black smoke filled in it reached on 3rd Floor of fire-engulfed Plaza and without caring for safety of their lives, fearlessly piercing toxic dense black smoke and intense heat, moved in and found 03 persons in unconscious state. They quickly lifted 01 person on human-clutch and 02 others on shoulders, took them out with conspicuous courage & competent rescue-skill through Hydraulic Platform and brought them down safely and send them to Hospital for treatment.

Shri Arun Kumar Singh, CFO & Shri Shrinarayan Singh, FSO, thereafter, along with Firemen Mukul and Kapil Yadav continued their tirade to rescue all trapped victims in fire engulfed & smoke-filled Plaza. They climbed up through strategically installed Extension Ladder on to 2nd Floor, central point of fire which was filled with dense smoke and engulfed in flames of deadly fire expecting many more persons to be trapped therein. Undeterred of heat of fire and dense smoke, they entered & crawled inside piercing dense black smoke with conspicuous courage and found frightened 07 persons (04 men & 03 women). They gave them physical support and laboriously lifted them one by one to Hydraulic Platform & skillfully saved them from smoke & fire and brought them down safely.

Fire Service Units under command of Shri Arun Kumar Singh, CFO and direction of Shri Shrinarayan Singh, FSO untiringly, continued throwing of dense shower of wafer on 2nd & upper floors of Plaza spreading of it in nearby commercial establishments and the horrible fire was controlled successfully. During this arduous Fire-Fighting and Rescue Operation, they performed conspicuous courage & devotion towards their duty with competent fire-fighting & rescue skill and rescued precious lives of 10 persons including 03 women and saved property worth approx. Rs 25 Crores.

In this operation, S/Shri Arun Kumar Singh, Chief Fire Officer, Shrinarayan Singh, Fire Station Officer, Kapil Yadav, Fireman and Mukul, Fireman of Uttar Pradesh Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07.09.2022.

(F. No.-11020/180/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 49-Pres/2025—The President of India is pleased to award the President's Medal for Distinguished Service (PSM) on the occasion of the Republic Day, 2025 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI VIVEK KISHORE, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ARUNACHAL PRADESH
2. SMTI. INDRANI BARUAH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (CWR), ASSAM
3. SMT. KASSEY SUHITA ANUPAM, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
4. SHRI ANIL KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
5. SHRI MAHESH RAM SAHU, INSPECTOR, CHHATTISGARH
6. SHRI ASIF MOHD ALI, JOINT DIRECTOR (ADDL.COMMISSIONER OF POLICE), NCT OF DELHI
7. SHRI SANJAY DUTT, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
8. SHRI SOM NATH PARUTHI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
9. SHRI BRAJESH KUMAR JHA, COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
10. SHRI DIGVIJAYSINH PATHUBHA CHUDASAMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
11. SHRI SAURABH SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, HARYANA
12. SHRI BASAVARAJ SHARANAPPA ZILLE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
13. SHRI HAMJA HUSSAIN, COMMANDANT, KARNATAKA
14. SHRI PUTHIYOTTIL VIJAYAN, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE & DIRECTOR, KERALA
15. SHRI MAKRAND DEOUSKAR, INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
16. SMT. HIMANI KHANNA, INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
17. SHRI VEER VIKRAM SINGH SENGAR, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
18. SHRI NAWAB KHAN, INSPECTOR (M), MADHYA PRADESH
19. DR. RAVINDER KUMAR SINGAL, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
20. SHRI DATTATRAY RAJARAM KARALE, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
21. SHRI SUNIL BALIRAMJI PHULARI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
22. SHRI RAMCHANDRA BABU KENDE, COMMANDANT, MAHARASHTRA
23. SHRI SOROKHAIBAM RUDRANARAYAN SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MANIPUR
24. SHRI ZOSANGLIANA, DIRECTOR, MIZORAM
25. SHRI IMTIAKUM PONGEN, ASSISTANT COMMANDANT, NAGALAND
26. SHRI SAROJ KUMAR SAMAL, I/C SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
27. SHRI SATYABADI MALLICK, CONSTABLE, ODISHA
28. SHRI RAJESH KUMAR JAISWAL, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
29. SHRI NILABH KISHORE, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
30. SHRI SATYENDRA SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAJASTHAN

31. SHRI SONAM DETCHU BHUTIA, SUPERINTENDENT OF POLICE, SIKKIM
32. SHRI A. T. DURAI KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
33. SMT. A. RADHIKA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
34. SHRI VIKRAM SINGH MANN, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
35. SHRI M. MANIK RAJ, SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
36. SHRI GODUGULURI SRINIVASA RAO, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TRIPURA
37. SHRI RAMIT SHARMA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, UTTAR PRADESH
38. SHRI YUDHVIR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
39. SHRI DILEEP SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
40. SHRI BRAHMA DEO SHUKLA, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
41. SHRI NARAYAN SINGH YADAV, SUB INSPECTOR (LIU), UTTAR PRADESH
42. SHRI DIP NARAYAN GOSWAMI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, WEST BENGAL
43. SHRI SAMIR KUMAR PANJA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
44. DR. S. BASCARANE, SUPERINTENDENT OF POLICE, PUDUCHEERY
45. SHRI ANAND JAIN, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
46. SHRI NITISH KUMAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
47. SHRI NARENDRA BAHADUR CHHETRI, NAIB SUBEDAR (GD), ASSAM RIFLES
48. SHRI BRAJESH KUMAR, INSPECTOR GENERAL, BSF
49. SHRI KARNI SINGH SHEKHAWAT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
50. SHRI SUKDEV RAJ, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
51. SHRI INDRA DEO SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
52. SHRI SUSHIL KUMAR UPADHYAY, DEPUTY COMMANDANT, BSF
53. SHRI SHIKHAR SAHAI, INSPECTOR GENERAL, CISF
54. SMT. NEETA SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF
55. SHRI ZAKI AHMAD, INSPECTOR GENERAL, CRPF
56. SHRI ASHOK SAMYAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
57. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
58. SHRI SANJAY YADAV, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
59. MS. NAMEIRAKPAM KUNJARANI DEVI, COMMANDANT, CRPF
60. SHRI DILIP MALIK, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
61. SHRI CLAY KHONGSAI, INSPECTOR GENERAL, ITBP
62. SHRI SANJAY KUMAR KOTHARI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), ITBP
63. SHRI SUDESH KUMAR RANA, SECOND-IN-COMMAND (GD), ITBP
64. SHRI DEEPAK KUMAR KEDIA, INSPECTOR GENERAL, NSG
65. DR. PARESH SAXENA, INSPECTOR GENERAL, SSB
66. SHRI VANDAN SAXENA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SSB
67. MS. SATYAPRIYA SINGH, JOINT DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
68. SHRI BIDHU SHEKHAR, JOINT DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
69. SHRI JAMAL AHMAD KHAN, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
70. SHRI AWADHESH KUMAR ROY, JOINT DEPUTY DIRECTOR/NP, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

71. SHRI RAVI DEV UTTAMA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

72. SHRI MINTU BORGOHAIN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

73. SHRI DEEPAK BARTHWAL, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

74. SHRI KENIDOLHOULIE, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

75. SHRI DATLA SREENIVASA VARMA, JOINT DIRECTOR, CBI

76. SHRI GHANSHYAM UPADHYAY, JOINT DIRECTOR, CBI

77. SHRI NARESH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI

78. SHRI TEJPAL SINGH, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI

79. SHRI AIKODAN BALAKRISHNAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI

80. SHRI BHANI SINGH RATHORE, SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI

81. SHRI ANUJ KUMAR SINGH, DEPUTY DIRECTOR, BPR&D

82. SHRI NARENDRA SINGH BUNDELA, INSPECTOR GENERAL, NDRF

83. SHRI PAWAN BHARDWAJ, ASSISTANT DIRECTOR, NCRB

84. SHRI RAJIV KUMAR DUA, DIRECTOR (SECURITY) PARLIAMENT, RAJYA SABHA SECTT.

85. SHRI AMIYA NANDAN SINHA, INSPECTOR GENERAL, RPF

FIRE SERVICE

86. DR. YUNUS ALI KAUSAR, DEPUTY DIRECTOR FIRE PREVENTION, KARNATAKA

87. SHRI MADHUSOODANAN NAIR G, ASSISTANT STATION OFFICER, KERALA

88. SHRI RAJENDRAN PILLAI K, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA

89. SHRI BHAMARBAR SETH, LEADING FIREMAN, ODISHA

90. SHRI ARJUN SINGH, LEADING FIREMAN, UTTARAKHAND

HOME GUARD & CIVIL DEFENCE

91. SHRI GIREESH SONNADA MURADIMATH, SENIOR PLATOON COMMANDER, KARNATAKA

92. SHRI SUNIL KUMAR GARG, WARDEN, CIVIL DEFENCE, MADHYA PRADESH

93. SHRI PRAMOD KUMAR ROUT, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA

94. SHRI SOUBHAGYA PRADHAN, HOME GUARD COMPANY COMMANDER, ODISHA

95. SHRI MANJITH SINGH NAYAR, ASSISTANT COMMANDANT GENERAL, TAMIL NADU

96. SHRI CHAITANYA JAIN, INCIDENT CONTROL OFFICER, UTTAR PRADESH

97. SHRI RAJENDER KUMAR SHARMA, DIVISIONAL WARDEN, UTTAR PRADESH

CORRECTIONAL SERVICE

98. SHRI ALEX GENDER, WARDER, MADHYA PRADESH

99. SHRI PREM NATH PANDEY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF PRISON, UTTAR PRADESH

100. SHRI ALOK SINGH, JAIL SUPERINTENDENT, UTTAR PRADESH

101. SHRI RAMAKANT, HEAD JAIL WARDER, UTTAR PRADESH

2. The President's Medal for Distinguished Service (PSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 86-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S. M. SAMI
Under Secy.

No. 50-Pres/2025—The President of India is pleased to award the Medal for Meritorious Service (MSM) on the occasion of the Republic Day, 2025 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI ISSAC PERTIN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ARUNACHAL PRADESH
2. SHRI BHUPEN BURAGOHAIN, POLICE INSPECTOR, ARUNACHAL PRADESH
3. SHRI RAFIUL ALAM LASKAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
4. SHRI PRASANTA HATIBORUAH, PLATOON COMMANDER, ASSAM
5. SHRI UPEN KALITA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
6. SHRI KHOGENDRA ROY, SUB INSPECTOR (RT), ASSAM
7. SHRI CHITRAMOHAN RABHA, SUB INSPECTOR (RM), ASSAM
8. SHRI HEMEN BHUYAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR (UB), ASSAM
9. SHRI BALURAM CHAUDANG, INSPECTOR (AB), ASSAM
10. SHRI HERAMBA NATH, HAVILDAR (AB), ASSAM
11. SHRI BIBEKANANDA SARMAH, SUB INSPECTOR (AB), ASSAM
12. SHRI BISHNU PARSAD CHETRY, ASSISTANT SUB INSPECTOR (UB), ASSAM
13. SHRI DIPAK KAKATI, HEAD CONSTABLE, ASSAM
14. SHRI SANKU CHOUDHARY, HAVILDAR, ASSAM
15. SHRI BAPDHAN RAJBONGSHI, LANCE NAIK, ASSAM
16. SHRI GOJEN MORAN, CONSTABLE, ASSAM
17. SHRI HARI MOHAN SHUKLA, COMMANDANT, BIHAR
18. SHRI SANJAY KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
19. SHRI MANOJ KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
20. SHRI JAI PRAKASH, SUB INSPECTOR OF POLICE, BIHAR
21. SHRI SANJEET KUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, BIHAR
22. SHRI SHASHIKANT, SUB INSPECTOR OF POLICE, BIHAR
23. SHRI ATIMESH KUMAR UPADHYAY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, BIHAR
24. SHRI GYANENDRA KUMAR AWASTHI, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHHATTISGARH
25. SHRI ANIL KUMAR KASHYAP, INSPECTOR, CHHATTISGARH
26. SHRI HARISHANKAR PRATAP SHING, INSPECTOR, CHHATTISGARH
27. SHRI SUSHIL KUMAR CHOUBEY, CONSTABLE, CHHATTISGARH
28. SHRI WALI MOHAMMAD SHEIKH, INSPECTOR (M), CHHATTISGARH
29. SHRI NARESH KUMAR PAIKRA, COMPANY COMMANDER, CHHATTISGARH
30. SHRI SUSHIL KUMAR SHRIVAS, HEAD CONSTABLE, CHHATTISGARH
31. SHRI HARISH CHANDRA MARKAM, HEAD CONSTABLE, CHHATTISGARH
32. SHRI SAMAIYA CHIPPANPALLI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHHATTISGARH
33. SHRI TULARAM CHURENDRA, HEAD CONSTABLE, CHHATTISGARH
34. SHRI HARENDRA SINGH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
35. SHRI MANOJ KUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
36. SMT. KAMLESH BISHT, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
37. MS. R NAJMA TAHIRA, INSPECTOR, NCT OF DELHI

38. MS. SHEELA SHARMA, INSPECTOR, NCT OF DELHI
39. SHRI ADARSH KUMAR SHARMA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
40. SHRI BHUPENDER KUMAR, INSPECTOR, NCT OF DELHI
41. SHRI PARDEEP SINGH, INSPECTOR, NCT OF DELHI
42. SHRI HARDWARI LAL, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
43. SHRI RAKESH KOTHIYAL, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
44. MS. PRABHA, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
45. MS. SUMITRA, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
46. SHRI SHIVA RAMULU, HEAD CONSTABLE, NCT OF DELHI
47. MS. REKHA RANI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
48. SHRI ISIDORE TERKEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
49. SHRI JUNAID ALAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
50. SHRI RAHUL KUMAR, INSPECTOR, NCT OF DELHI
51. SHRI SUDESH SADASHIV NARVEKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GOA
52. SHRI CHIRAG MOHANBHAI KORADIA, INSPECTOR GENERAL, GUJARAT
53. SHRI NILESH BHIKHABHAI JAJADIA, INSPECTOR GENERAL, GUJARAT
54. SHRI ASHOKKUMAR RAMJIBHAI PANDOR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
55. SHRI DEVDAS BHIKHABHAI BARAD, ASSISTANT COMMANDANT, GUJARAT
56. SHRI SURENDRASINH DILIPSINH YADAV, CONSTABLE, GUJARAT
57. SHRI HIRENKUMAR BABULAL VARANAVA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
58. SHRI BABUBHAI JETHABHAI PATEL, SUB INSPECTOR, GUJARAT
59. SHRI MUKESHKUMAR ANANDPRAKASH NEGI, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
60. SHRI HEMANGKUMAR MAHESHKUMAR MODI, HEAD CONSTABLE, GUJARAT
61. SHRI INDERJIT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
62. SHRI MOHAN SINGH, SUB INSPECTOR, HARYANA
63. SHRI RANBIR SINGH, SUB INSPECTOR, HARYANA
64. SHRI VISHWAJEET, INSPECTOR, HARYANA
65. SHRI OM PARKASH, SUB INSPECTOR, HARYANA
66. SHRI NARENDER KUMAR, SUB INSPECTOR, HARYANA
67. SHRI VIPIN KUMAR, INSPECTOR, HARYANA
68. SHRI JAGTAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HARYANA
69. DR. MICHAELRAJ S, INSPECTOR GENERAL, JHARKHAND
70. SMT. ANNEPU VIJAYA LAXMI, INSPECTOR GENERAL, JHARKHAND
71. SHRI NIRAJ KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JHARKHAND
72. MD IQBAL, DRIVER HAVILDAR, JHARKHAND
73. SHRI BINDRAI MUNDARI, DRIVER HAVILDAR, JHARKHAND
74. SHRI ARVIND KUMAR PALIT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND
75. SHRI BASHISTH KUNWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND
76. SHRI SANJEEV KUMAR JHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND
77. SHRI VIJAY KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND

78. SMT. MANTI KHALKHO, CONSTABLE, JHARKHAND
79. SMT. PRABHA DEVI, CONSTABLE, JHARKHAND
80. SHRI ARUN KUMAR, INSPECTOR, JHARKHAND
81. SHRI B M PRASAD, COMMANDANT, KARNATAKA
82. DR. SANJEEV MALLIKARJUNAPPA PATIL, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
83. SMT. RENUKA K SUKUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
84. SHRI GOPAL DODDAKARIYAPPA JOGIN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
85. SHRI GOPALKRISHNA BHIMARAO GOUDAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
86. SHRI H GURUBASAVARAJ HIREGOUDARA, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
87. SHRI MOHAMMED MUKARRAM, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
88. SHRI JAYARAJ HEMANAIK, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
89. SHRI PRADEEP B R, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
90. SHRI VASANTHA KUMARA M A, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
91. SHRI VARADANAYAKANAHALLI GANGAIAH MANJUNATH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
92. SHRI BALENDRAN C, SPL. RESERVE HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
93. SHRI NAYAZ ANJUM, ARMED HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
94. SHRI ARUNKUMAR, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
95. SHRI VEERENDRA NAIK N, DEPUTY COMMANDANT, KARNATAKA
96. SHRI SHIVANANDA B, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
97. SHRI SHRINIVASA MARAPPA, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
98. SHRI ASHRAF PUILA MODALKADY, HEAD CONSTABLE / SENIOR INTELLIGENCE ASSISTANT, KARNATAKA
99. SHRI ALTHAF HUSSAIN N DHAKANI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
100. SHRI GANGADHARAN M, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
101. SHRI SHABU R, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
102. SHRI B. KRISHNA KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
103. SHRI VINOD M P, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
104. SHRI REGI MATHEW KUNNIPPARAMPAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
105. SHRI GOPAKUMAR M S, SUB INSPECTOR OF POLICE, KERALA
106. SHRI SREEKUMARAN G, ASSISTANT COMMANDANT, KERALA
107. SHRI SURESH KUMAR RAJAPPAN, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, KERALA
108. SMT. BINDHU M, SENIOR CIVIL POLICE OFFICER, KERALA
109. SHRI VARGHESE K J, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
110. SMT. RUCHI VARDHAN MISRA, INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
111. SHRI BIRENDRA KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
112. SHRI VIKRANT MURAB, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
113. SHRI SHAILENDRA SINGH CHAUHAN, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MADHYA PRADESH
114. SHRI RAKESH KHAKHA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
115. SHRI VINAY PRAKASH PAUL, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH

116. SHRI PANKAJ KUMAR RAJVAIDHYA, INSPECTOR (M), MADHYA PRADESH
117. SHRI MANOJ KUMAR SHARMA, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
118. SHRI MANOJ BAIS, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
119. SHRI RITURAJ GUPTA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
120. SMT. DEEPIKA SHINDE, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
121. SHRI DEVBAHADUR SINGH PARIHAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
122. SHRI SATISH MANDIYA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
123. SHRI A JANKI RAO, CONSTABLE, MADHYA PRADESH
124. SHRI RAJ KUMAR TIWARI, SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
125. SHRI YOGESH KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
126. SHRI HOSHIYAR SINGH THAKUR, SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
127. SHRI SANJAY BHASKAR DARADE, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
128. SHRI VIRENDRA MISHRA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
129. DR. ARTI SINGH, SPECIAL INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
130. SHRI CHANDRA KISHORE MINA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
131. SHRI DIPAK K. SAKORE, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
132. SHRI RAJESH RAMCHANDRA BANSODE, SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
133. SHRI SUNIL JAYSING TAMBE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
134. SMT. MAMTA LAWRENCE D’SOUZA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
135. SHRI DHARMAPAL MOHAN BANSODE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
136. SHRI MADHUKAR MANIKRAO SAWANT, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
137. SHRI RAJENDRA KARBHARI KOTE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
138. SHRI ROSHAN RAGHUNATH YADAV, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
139. SHRI ANIL LAXMAN LAD, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
140. SHRI ARUN KERBHAU DUMBRE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
141. SHRI NAJIR NASIR SHAIKH, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
142. SHRI SHRIKANT CHANDRAKANT TAWDE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
143. SHRI MAHADEV GOVIND KALE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
144. SHRI TUKARAM SHIVAJI NIMBALKAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
145. SHRI ANANDRAO PUNJARAO MASKE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
146. SHRI RAVINDRA BABURAO WANKHEDE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
147. SHRI SURESH CHINTAMAN MANORE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
148. SHRI RAJENDRA DEVMAN WAGH, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
149. SHRI SANJAY AMBADASRAO JOSHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
150. SHRI DATTU EKNATH GAIKWAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
151. SHRI NANDKISHOR ONKAR BOROLE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
152. SHRI ANAND RAMCHANDRA JANGAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
153. SMT. SUNITA VIJAY PAWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
154. SHRI JITENDRA VITTHAL MHATRE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
155. SHRI PRAFULLA RAMCHANDRA SURVE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA

156. SHRI RAJENDRA SHANKAR KALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
157. SHRI SALIM GANI SHAIKH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
158. SHRI TUKARAM RAOSAHEB AVHALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
159. SHRI RAMBHAU SAMBHAJI KHANDAGALE, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
160. SHRI SANJAY BHASKARRAO CHOBE, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
161. SHRI SAYED IQBAL HUSEN SAYED MATHAR HUSEN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
162. SHRI VIJAY DAMODAR JADHAV, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
163. SHRI RAMRAO WAMANRAO NAGE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
164. SHRI DILIP BHOJUSING RATHOD, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
165. SHRI AYUBKHAN AKBAR MULLA, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
166. SHRI LAISHRAM CHAOBA SINGH, INSPECTOR, MANIPUR
167. SHRI NAOREM SHEILENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, MANIPUR
168. SHRI SOROKHAIBAM SANTOSH SINGH, SUB INSPECTOR, MANIPUR
169. SHRI KHAIDEM CHANDRA SINGH, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, MANIPUR
170. SHRI LENPU KOM, HAVILDAR, MANIPUR
171. SHRI LAMTHIANSON CHONGLOI, RIFLEMAN, MANIPUR
172. SHRI ATHOKPAM TEJ SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MANIPUR
173. SHRI EVEL N MARAK, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, MEGHALAYA
174. SHRI TOMOL CH SANGMA, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, MEGHALAYA
175. SHRI RAJESH THAPA, HAVILDAR, MEGHALAYA
176. SHRI DAVID LALTHANGLIANA HMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, MIZORAM
177. SHRI JOSEPH LALREMMAWIA, ASSISTANT COMMANDANT, MIZORAM
178. SHRI ZORAMSANGA, INSPECTOR (UB), MIZORAM
179. SHRI SHOUKA KAKHETO, DEPUTY COMMANDANT, NAGALAND
180. SHRI ZASILIE ANGAMI, SUB INSPECTOR, NAGALAND
181. SHRI METSEIROVI SAKHRIE, NAIK, NAGALAND
182. SHRI PARITOSH MANDAL, CONSTABLE, ODISHA
183. SHRI SK ABDUL FAYAZ, SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
184. SHRI MOHAMMED TOSHIF RABANI, CONSTABLE, ODISHA
185. SHRI SARAT CHANDRA BEHERA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
186. SHRI TRILOCHAN BUDHIA, CONSTABLE, ODISHA
187. SHRI TEJ BAHADUR GURUNG, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
188. SHRI ATULA KUMAR BISWAL, C.I. HAVILDAR, ODISHA
189. SMT. JAYANTI SUNA, HAVILDAR, ODISHA
190. SHRI MANOJA KUMAR JENA, HAVILDAR, ODISHA
191. SHRI NARESH KUMAR CHOUDHURY, CONSTABLE, ODISHA
192. SHRI DEBA PRASAD MOHANTY, DRIVER HAVILDAR, ODISHA
193. SMT. DHANPREET KAUR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
194. SHRI TEJINDERJIT SINGH, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, PUNJAB
195. SHRI SATISH KUMAR, SUB INSPECTOR, PUNJAB

196. SHRI SUKHBIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
197. SHRI IQBAL SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
198. SHRI BALVIR CHAND, SUB INSPECTOR, PUNJAB
199. SHRI JAGROOP SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
200. SHRI HARPAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
201. SHRI BALBIR CHAND, SUB INSPECTOR, PUNJAB
202. SHRI AMRIK SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
203. SHRI LAKHVIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
204. SHRI HARVINDER KUMAR, HEAD CONSTABLE, PUNJAB
205. SHRI BALWINDER SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
206. SHRI INDERDEEP SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
207. SHRI DIMPLE KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
208. SHRI VIKAS KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAJASTHAN
209. SHRI PIYUSH DIXIT, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
210. SHRI MANOJ KUMAR SHARMA, CI, RAJASTHAN
211. SHRI RAJENDRA PRASAD DIWAKAR, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, RAJASTHAN
212. SHRI RAM PRATAP VISHNOI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
213. SHRI VIJAY SINGH CHOUDHARY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
214. SHRI HANWANT SINGH RAJPUROHIT, CI, RAJASTHAN
215. SMT. SHEELA, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
216. SHRI RAJVEER SINGH, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
217. SHRI REWANTA RAM, CONSTABLE, RAJASTHAN
218. SHRI SURENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
219. SHRI SHYAM LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
220. SHRI PAWAN KUMAR, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
221. SHRI SWARAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
222. SHRI PURUSHOTTAM LAL SHARMA, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
223. SHRI SURESH KUMAR SHARMA, CONSTABLE, RAJASTHAN
224. SHRI HEM RAJ RAI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SIKKIM
225. SMT. H. JAYALAKSHMI, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
226. SHRI G. STALIN, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
227. SHRI S. DHINAKARAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
228. SHRI R MATHIAZHAGAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
229. SHRI T. PRABHAHARAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
230. SHRI A. VEERAPANDI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
231. SHRI M. BABU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
232. SHRI B. CHANDRASEKARAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
233. SHRI T. H. GANESH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
234. SHRI J. JEDIDIAH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
235. SHRI J. P. PRABHAKAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU

236. SHRI J. PRADHAP PREMKUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
237. SHRI N. THENNARASU, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
238. SHRI K. VELU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
239. SMT. S. AKILA, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
240. SHRI M. KUMAR, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
241. SHRI S. ASOKEN, DEPUTY COMMANDANT, TAMIL NADU
242. SHRI V. SURESH KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, TAMIL NADU
243. SMT. M. VIJAYALAKSHMI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
244. SHRI M. C. SIVAKUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
245. SHRI R. KUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
246. SHRI KARTIKEYA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TELANGANA
247. SHRI A. MUTHYAM REDDY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
248. SHRI K. RAM KUMAR, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
249. SHRI MOHD FAZLUR RAHMAN, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
250. SHRI K. V. RAMANA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
251. SHRI A. VENUGOPAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
252. SHRI RANVEER SINGH THAKUR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
253. SHRI PETER JOSEPH BAHADUR, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
254. SHRI MOHD MOINULLAH KHAN, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
255. SHRI V. PATHYA NAIK, HEAD CONSTABLE, TELANGANA
256. SHRI ANUMALA NIRANJAN REDDY, CIRCLE INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
257. SHRI MD AYOOB KHAN, HEAD CONSTABLE, TELANGANA
258. SHRI BIJOY DEBBARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
259. SHRI MANIK DAS, SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
260. SHRI PANNA LAL SEN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
261. SHRI AJOY DEBBARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
262. SHRI SHYAMAL DEBBARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
263. SHRI NIRANJAN DEBBARMA, SUBEDAR (COMN), TRIPURA
264. SHRI L. R. KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTAR PRADESH
265. SHRI MOHIT GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTAR PRADESH
266. SHRI ARUN KUMAR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
267. SHRI DIGAMBER KHUSWAHA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
268. SMT. MAMTA RANI CHAUDHARY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
269. SHRI SUBHASH CHANDRA GANGWAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
270. SHRI BRIJESH KUMAR GAUTAM, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
271. SHRI MAHENDRA KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
272. SHRI MUNNA LAL, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
273. SHRI KRISHNA NAND VERMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CONFIDENTIAL), UTTAR PRADESH
274. SMT. KANCHAN SRIVASTAVA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH

275. SMT. CHANDRAVALI YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
276. SHRI JAGVIR SINGH CHAUHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
277. SHRI ANAND KUMAR SHUKLA, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
278. SHRI SAMER SINGH, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
279. SHRI SURYA PRAKASH SRIVASTAVA, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
280. SHRI SATYENDRA KUMAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
281. SHRI HRISHIKESH YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
282. SHRI VIJAY KUMAR RANA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
283. SHRI KULDEEP KUMAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
284. SHRI DEVENDRA SINGH CHAUHAN, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
285. SHRI RAMESH KUMAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
286. SHRI BRAJENDRA BHARDWAJ, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
287. SHRI ASHENDRA KUMAR SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
288. SHRI HARIMOHAN RAI, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
289. SHRI HARIBHAN SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
290. SHRI UDAY PRATAP SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
291. SHRI HANUMAN PRASAD SHARMA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
292. SHRI OM PRAKASH SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
293. SHRI SURJAN SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
294. SHRI BHOLA, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
295. SHRI DINESH KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
296. SHRI GIRIRAJ SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
297. SHRI IRSHAD AHMAD, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
298. SHRI KALINDAR YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
299. MD. SADIK ALI, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
300. SHRI PRAMOD KUMAR, HEAD CONSTABLE (DRIVER), UTTAR PRADESH
301. SHRI RAMNATH PAL, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
302. SHRI SUBHASH CHANDRA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
303. SHRI SULAH SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
304. SHRI ANUPAM, RESERVE INSPECTOR, UTTAR PRADESH
305. SHRI JEET BAHADUR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
306. SHRI AJAY KUMAR SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
307. SHRI DAYARAM, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
308. SHRI KRISHAN PAL SINGH CHAUHAN, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
309. SHRI VIRENDRA PAL SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
310. SHRI DHRUV KUMAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
311. SMT. ANJANA SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (LIPIK), UTTAR PRADESH
312. SHRI APARBAL SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
313. SHRI RAJA SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
314. SHRI KAMLESH CHANDRA MISRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (LEKHA), UTTAR PRADESH

315. SHRI PRAMOD SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
316. SHRI RAJVEER SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
317. SHRI SHIVPAL SINGH YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
318. SHRI ASHOK KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
319. SHRI RAMVIR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
320. SHRI DINESH KUMAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
321. SHRI ISHWAR SINGH, COMPANY COMMANDER, UTTAR PRADESH
322. SHRI PARMESHWARI DAYAL TRIPATHI, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
323. SHRI SHAILENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
324. SHRI VINOD KUMAR SINGH, RESERVE INSPECTOR, UTTAR PRADESH
325. SHRI ANIL KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
326. SHRI TRILOKI NATH YADAV, QUARTER MASTER, UTTAR PRADESH
327. SHRI VIRENDRA PRATAP YADAV, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
328. SHRI SHYAM NARAYAN PANDEY, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
329. SHRI RAVENDRA SINGH CHAUHAN, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
330. SHRI CHANDRA MOHAN SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
331. SHRI LAKHPAT SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
332. SHRI DHARAMPAL, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
333. SHRI SATYA KUMAR, SUB INSPECTOR (LIPIK), UTTAR PRADESH
334. SHRI DHARMENDRA SINGH, SUB INSPECTOR (LIPIK), UTTAR PRADESH
335. SHRI RAKESH KUMAR TYAGI, SUB INSPECTOR (LEKHA), UTTAR PRADESH
336. SHRI DHARAMPAL, SUB INSPECTOR (LIPIK), UTTAR PRADESH
337. SMT. SHAHJEHAN JAWED KHAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
338. SHRI PRAMOD KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
339. SHRI BIRENDRA SINGH KATHAIT, COMPANY COMMANDER, UTTARAKHAND
340. MS. SUMAN PANT, SUB INSPECTOR, UTTARAKHAND
341. SHRI RAJENDRA SINGH, SUB INSPECTOR MOUNTED POLICE, UTTARAKHAND
342. SHRI DYUTIMAN BHATTACHARYA, SUPERINTENDENT OF POLICE, WEST BENGAL
343. SHRI DEBASISH GHOSH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
344. SHRI SUBHASISH BHATTACHARJEE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
345. SHRI SOMJIT SUR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
346. SHRI JAYANTA KUMAR SAHA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
347. SHRI SUMIT DASGUPTA, INSPECTOR, WEST BENGAL
348. SHRI NANDADULAL GHOSH, INSPECTOR, WEST BENGAL
349. SHRI BIBHAS DEB, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
350. SHRI MANOJ KUMAR ROY, CONSTABLE, WEST BENGAL
351. SHRI ANIMESH GHOSH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (MT), WEST BENGAL
352. SHRI GOUTAM HALDER, CONSTABLE, WEST BENGAL
353. MD. SAHID MOLLA, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
354. SHRI SIDDHARTHA MANDAL, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL

355. SHRI MANAS MUKHERJEE, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
356. SHRI BISWAJIT PAUL, SUB INSPECTOR (AB), WEST BENGAL
357. SHRI RANJIT CHHETRI, ASSISTANT SUB INSPECTOR (AB), WEST BENGAL
358. SHRI BIDYUT KARMAKAR, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
359. SHRI TUHIN SUBHRA RAHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
360. SMT. SUJATA MONDAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
361. SMT. SUTAPA PATRA SARKAR, LADY CONSTABLE, WEST BENGAL
362. SHRI K. NEGENDRA RAO, INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
363. SHRI AMAL KUMAR DAS, HEAD CONSTABLE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
364. SHRI DILIP KUMAR SEAL, SUB INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
365. SHRI BALJINDER SINGH, SUB INSPECTOR, CHANDIGARH
366. SHRI MANJIT SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHANDIGARH
367. SHRI MOHD YOUSUF, INSPECTOR, LADAKH
368. SHRI MOHD SHAFI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, LADAKH
369. SHRI S. ANANDHAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY
370. SHRI R. GOPATHY, SPL. GRADE SUB INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY
371. SHRI MOHD YASEEN KICHLOO, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
372. SHRI MANZOOR AHMAD BHAT, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
373. SHRI PARDEEP GUPTA, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
374. SHRI SANJEEV SINGH SLATHIA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
375. SHRI SOM RAJ, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
376. SMT. ROHINI DHAR, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
377. SHRI RAJPAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
378. SHRI GHULAM HASSAN BEIGH, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR
379. SHRI MOHD IQBAL MIR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
380. SHRI KULDEEP SINGH, SGCT, JAMMU & KASHMIR
381. SHRI SANTOSH KUMAR SINGH, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
382. SHRI DEEP CHAND, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
383. SHRI AMIYA KUMAR PRADHAN, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
384. SHRI AJAY KUMAR PANDAY, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
385. SHRI HEM BAHADUR THAPA, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
386. SHRI CHHOTE SINGH, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
387. SHRI RAVINDRA RAY, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
388. SHRI ROSHAN LAL, WARRANT OFFICER, ASSAM RIFLES
389. SHRI JITENDER KUMAR, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
390. SHRI JAI BHAGWAN, WARRANT OFFICER, ASSAM RIFLES
391. SHRI VINOD ARYA, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
392. SHRI JAI BHAGWAN, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
393. SHRI SUNIL KUMAR RAI, DEPUTY COMMANDANT, ASSAM RIFLES
394. SHRI SHASHANK ANAND, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF

395. SHRI LAKHMINDER GILL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
396. SHRI DHANANJAY MISHRA, COMMANDANT, BSF
397. SHRI SURENDER KUMAR, COMMANDANT, BSF
398. DR. RAJNEESH SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MED), BSF
399. SHRI RAJWANT SINGH THAKUR, COMMANDANT, BSF
400. SHRI RAVINDRA SINGH BHANDARI, COMMANDANT, BSF
401. SHRI VIPIN VILAS NAIK, COMMANDANT, BSF
402. DR. SUCHANDRA DEY, COMMANDANT/CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), BSF
403. SHRI ACHHAR SINGH SAINI, DEPUTY COMMANDANT, BSF
404. SHRI DEVENDRA KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, BSF
405. SHRI JABAR SINGH BHATI, SECOND IN COMMAND, BSF
406. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, BSF
407. SHRI RAM KRISHAN BADHOK, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
408. SHRI PANKAJ MANI SAXENA, SECOND IN COMMAND, BSF
409. SHRI GIRISH CHANDRA, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
410. SHRI RAJENDRA KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
411. SHRI ANEESH M P, INSPECTOR, BSF
412. SHRI JAGANNATH SINGH CHOUHAN, INSPECTOR, BSF
413. SHRI NIRAR E P, INSPECTOR, BSF
414. SMT. ABHA SHARMA, SUB INSPECTOR, BSF
415. SHRI MANISH RAJ, INSPECTOR, BSF
416. SHRI K SAMPATHU, SUB INSPECTOR, BSF
417. SHRI TEJ BAHADUR SINGH, INSPECTOR, BSF
418. SHRI JYOTISH CHANDRA SARKAR, SUB INSPECTOR, BSF
419. SHRI G RAVI KUMAR MENON, INSPECTOR, BSF
420. SHRI BANDI ARJUNUDU, SUB INSPECTOR, BSF
421. SHRI CHATAR SINGH, INSPECTOR/SM, BSF
422. SHRI AMAR SINGH, INSPECTOR, BSF
423. SHRI V R MOHONSHANG, CONSTABLE, BSF
424. SHRI DULMOHAN SAIKIA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
425. SHRI NATER PRAKASH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
426. SHRI ARUN KUMAR ROY, INSPECTOR, BSF
427. SHRI LAXMI NARAYAN MEENA, DEPUTY COMMANDANT, BSF
428. SHRI MU RAJJB KHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
429. SHRI SURESH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
430. SHRI SARDAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
431. SHRI SUSANTA KUMAR MANDAL, HEAD CONSTABLE, BSF
432. SHRI N P UDAYA KUMAR, HEAD CONSTABLE, BSF
433. SHRI SARAT CHANDRA JENA, HEAD CONSTABLE, BSF
434. SHRI SANTOSH KUMAR CHOUDHARY, HEAD CONSTABLE, BSF

435. SHRI SUNIL SINGH, INSPECTOR, BSF
436. SHRI RAJIV KUMAR SINGH, INSPECTOR, BSF
437. SHRI BRAHMDEV YADAV, INSPECTOR, BSF
438. SHRI ARJUN PRASAD, HEAD CONSTABLE, BSF
439. SHRI CHAIN SINGH, HEAD CONSTABLE, BSF
440. SHRI AVADHESH PRATAP SINGH, SENIOR COMMANDANT, CISF
441. SHRI JAY PRAKASH AZAD, SENIOR COMMANDANT, CISF
442. SHRI TUSHAR DNYANESHWAR SAKHARE, SENIOR COMMANDANT, CISF
443. SHRI SUNIL KUMAR RAGHUWANSHI, SENIOR COMMANDANT, CISF
444. SHRI VISHAL DUBEY, SENIOR COMMANDANT, CISF
445. SHRI NARENDER KUMAR JOSHI, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
446. SHRI SHARAFAT ALI KHAN, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
447. SHRI SUNIL KUMAR GUPTA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
448. SHRI M RAMESH, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
449. SHRI SUSHIL KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
450. SHRI DHARM CHAND VYAS, INSPECTOR, CISF
451. SHRI AJAYA KUMAR B, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
452. SHRI V TAMIL SELVAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
453. SHRI BAIDH NATH SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
454. SHRI R JAI KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
455. SHRI V THANGARAJA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
456. SHRI M ARUMUGAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
457. SHRI KULDEEP KUMAR, SUB INSPECTOR, CISF
458. SHRI UTPAL BANERJEE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
459. SHRI MAHINDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
460. SHRI SHISHPINDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
461. SHRI DURGA PRASAD CHANDRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
462. SHRI MUKESH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
463. MS. PRATIMA DEVI, LADY INSPECTOR, CISF
464. DR. JAGBIR SINGH, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG) / COMDT, CRPF
465. DR. NAYANTARA MILI, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG) / COMDT, CRPF
466. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, COMMANDANT, CRPF
467. SHRI DEV PEEYUSH BHARDWAJ, COMMANDANT, CRPF
468. SHRI KEWAL KRISHAN, COMMANDANT, CRPF
469. SHRI PANKAJ CHOWDHRY, COMMANDANT, CRPF
470. SHRI SADHU SARAN YADAV, COMMANDANT, CRPF
471. SHRI W R JOSUAH, COMMANDANT, CRPF
472. SHRI HARGYAN SINGH GURJAR, COMMANDANT, CRPF
473. SHRI AJAY KUMAR VERMA, SECOND IN COMMAND, CRPF
474. SHRI YOGESH KUMAR, SECOND IN COMMAND, CRPF

475. SHRI KAMAL CHAND, SECOND IN COMMAND, CRPF
476. SHRI LALIT MOHAN BILWAL, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
477. SHRI ASHOK P M, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
478. SHRI SARVENDRA SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
479. SHRI RANVIR KUMAR MISHRA, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
480. SHRI AMAR PAL SINGH, INSPECTOR (PHARM), CRPF
481. SHRI BHAGEERATH MEENA, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
482. SHRI AJAY KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
483. SHRI UPENDRA KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
484. SHRI ASUTOSH KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
485. SHRI SANJAY KUMAR RAWAT, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
486. SHRI BALAJEE BAL KRISHNA PD SINHA, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
487. SHRI ANIL KUMAR KAMBOJ, INSPECTOR, CRPF
488. SHRI PRASANTA FOUZDAR, INSPECTOR, CRPF
489. SHRI BASUDEB GHOSH, INSPECTOR, CRPF
490. SHRI YAM BAHADUR THAPA, INSPECTOR, CRPF
491. SHRI RAM BABU SINGH, INSPECTOR, CRPF
492. SHRI ONKAR MAL JANGIR, INSPECTOR, CRPF
493. SHRI RAJENDER SINGH, INSPECTOR, CRPF
494. SHRI MAHENDRA KUMAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
495. MS. S MANIMEGALAI, SUB INSPECTOR, CRPF
496. SMT. RAKSHITA BRIJWAL, INSPECTOR, CRPF
497. SHRI BABU M, INSPECTOR, CRPF
498. SHRI SHRIBASH CH PAUL, SUB INSPECTOR, CRPF
499. SHRI K. N. KRISHNAN, SUB INSPECTOR, CRPF
500. SHRI SIRAJUDDIN SAUDAGAR, SUB INSPECTOR, CRPF
501. SHRI SATHISH KUMAR A, SUB INSPECTOR, CRPF
502. SHRI SURENDER, SUB INSPECTOR, CRPF
503. SHRI ROTAS KUMAR KASHWAN, SUB INSPECTOR, CRPF
504. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, CRPF
505. SHRI GOHEL BALVANTSINH BHURUBHA, SUB INSPECTOR, CRPF
506. SHRI MANIRAM DEBBARMA, HEAD CONSTABLE, CRPF
507. SHRI PRADEEP SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
508. SHRI OM PRAKASH SAROJ, SUB INSPECTOR, CRPF
509. SHRI SANJIVE SINGH SENGAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
510. SHRI MAHENDRA KUMAR PAREEK, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
511. SHRI RAJAN T, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
512. SHRI SANDEEP KUMAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
513. SHRI D. SANAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CRPF
514. SHRI YOGRAJ, HEAD CONSTABLE, CRPF

515. SHRI DIGVIJAY PRATAP SINGH, HEAD CONSTABLE, CRPF
516. SHRI ISHWAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
517. SHRI NAND BHANWAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
518. SHRI AKOIJAM SAMANANDA SINGH, HEAD CONSTABLE, CRPF
519. SHRI KARTIK PATRA, HEAD CONSTABLE, CRPF
520. SHRI DHARMENDRA KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, CRPF
521. SHRI MANU MAHARAAJ, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
522. SHRI INDU BHUSHAN JHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
523. SHRI CHANDAN SINGH BHANDARI, COMMANDANT, ITBP
524. SHRI SANJAY KUMAR, COMMANDANT, ITBP
525. SHRI SHOBHAN SINGH RANA, COMMANDANT, ITBP
526. SHRI RAMBIR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT (O.L), ITBP
527. SHRI BALAK RAM DOGRA, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
528. SHRI GYANENDRA KUMAR BHARDWAJ, INSPECTOR, ITBP
529. SHRI KRISHAN CHAND, INSPECTOR, ITBP
530. SHRI SATENDER SINGH RAWAT, INSPECTOR, ITBP
531. SHRI GHARU RAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ITBP
532. SHRI RAKESH NEGI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ITBP
533. SHRI SATISH KUMAR, HEAD CONSTABLE, ITBP
534. SHRI OM VEER SINGH, SQUADRON COMMANDER, NSG
535. SHRI PATIDAR VISHAL, SECOND IN COMMAND, NSG
536. SHRI SUNIL SHARMA, GROUP COMMANDER, NSG
537. SHRI SURESH KUMAR PILANIA, RANGER – I, NSG
538. SHRI DEEPAK SINGH, COMMANDANT, SSB
539. SHRI DINESH CHANDRA YADAV, COMMANDANT, SSB
540. SHRI SUNIL KUMAR, COMMANDANT, SSB
541. SHRI RAKESH CHANDRA SINGH, COMMANDANT, SSB
542. SHRI MAJOR SINGH, SUB INSPECTOR, SSB
543. SHRI PARIMAL BHAUMIK, INSPECTOR, SSB
544. SHRI Y LAL MOHAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SSB
545. SHRI GIRDHAR GOPAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SSB
546. SHRI MAIBAM BIJOY KUMAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SSB
547. SHRI MADAN LAL SWAMI, HEAD CONSTABLE, SSB
548. SHRI PARAM JEET SINGH, HEAD CONSTABLE, SSB
549. SHRI AKASH JINDAL, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
550. SHRI ANOOP KRISHNA, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
551. MS. MAITHILI JHA, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
552. MS. T AMONGLA AIER, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
553. SHRI DON K JOSE, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
554. MS. PUSHPANJALI DEVI, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

555. SHRI THIRUGNANA SAMBANDAN S, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

556. SHRI KRISHNASWAMY PADMANABHAN, ASSISTANT DIRECTOR / EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

557. SHRI PRAKASH BABU NADUPARAMBATH, ASSISTANT DIRECTOR/ EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

558. SHRI RAJESH SINGH, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

559. SHRI SANJAY DAS, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

560. SHRI SHANKER KUMAR DAS, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

561. SHRI RAVINDRA SHANKAR PATIL, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

562. SHRI MANISH KAUSHALOM, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

563. SHRI SUJIT KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

564. SHRI ANTU KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

565. SHRI SHASHI SHEKHAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

566. SHRI SANJAY KUMAR PATRA, SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

567. SHRI KOCHIRI VASANTHA RAO, JOINT DEPUTY DIRECTOR / NP, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

568. SHRI NEERAJ SHARMA, PRIVATE SECRETARY, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

569. SHRI GEORGE VARGHESE, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/TECH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

570. SHRI PHANIRAJA SARMA BHARATULA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER / EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

571. SHRI HAWALDAR SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

572. SHRI RAGHUBIR SINGH, ASSISTANT SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

573. SHRI PALMEI NUNGSHIKHAM KABUI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

574. SHRI TSERING STOBDAN, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

575. MS. DEEPA SHARMA, SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

576. SHRI MANISH RANJAN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER / EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

577. SHRI ARVIND TIRKEY, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER–I / EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

578. SHRI KULDEEP DWIVEDI, DEPUTY DIRECTOR (ADMIN & PERS.), CBI

579. SHRI RAJIV RANJAN, JOINT DIRECTOR, CBI

580. MS. JAYALAKSHMI RAMANUJAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI

581. MS. SUDHA SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI

582. SHRI ASHWIN ANAND SHENVI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI

583. SHRI AMRIT PAL SINGH, DEPUTY LEGAL ADVISOR, CBI

584. SHRI MANICKAVEL SUNDARAMOORTHY, INSPECTOR OF POLICE, CBI

585. SHRI VIVEK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI

586. SHRI SURAJ MAJUMDER, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI

587. SHRI SANJEEV SHARMA, INSPECTOR OF POLICE, CBI

588. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR OF POLICE, CBI
589. SHRI VISHNU OM VIKRAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
590. SHRI NARESH KUMAR KAUSHIK, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
591. SHRI WAHENGBAM SUNIL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
592. SHRI ALOKE KUMAR MAZUMDAR, HEAD CONSTABLE, CBI
593. SHRI RAJINDER KUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
594. SHRI N KRISHNA, HEAD CONSTABLE, CBI
595. SHRI SUBHASH KISAN KHATELE, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
596. SHRI SHAIK KHAMRUDDIN, CONSTABLE, CBI
597. SHRI RAJESH KUMAR, CONSTABLE, CBI
598. SHRI PUSHPENDRA SINGH TOMAR, HEAD CONSTABLE, CBI
599. SHRI BALDEV KUMAR, INSPECTOR OF POLICE, CBI
600. SHRI KULDEEP KUMAR BHARDWAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI
601. SHRI VINOD KUMAR CHOUDHARY, HEAD CONSTABLE, CBI
602. SHRI DAYA RAM YADAV, HEAD CONSTABLE, CBI
603. SHRI RAMESH CHANDRA, SECURITY OFFICER-I, SPG
604. SHRI ANIL KUMAR, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
605. SHRI YASH VARDHAN BHATT, SECURITY OFFICER-I, SPG
606. SHRI AJAY KUMAR, SECURITY OFFICER-I, SPG
607. SHRI SUNIT VARSHNEY, SUPERINTENDENT OF POLICE, BPR&D
608. SHRI ANUP CHHETRI, ASSISTANT DIRECTOR, BPR&D
609. SHRI NELLIKANTI ANJANEYULU, HEAD CONSTABLE, SVPNPA
610. SHRI BALJINDER SINGH, COMMANDANT, NDRF
611. SHRI PRAVEEN KUMAR TIWARY, COMMANDANT, NDRF
612. SHRI MANTU KUMAR DAS, SUB INSPECTOR, NDRF
613. SHRI DEV DARSHAN BELWAL, DEPUTY COMMANDANT, NDRF
614. SHRI BASUDEV RANA, INSPECTOR, NEPA
615. SHRI RAVINDER SINGH BISHT, ASSISTANT DIRECTOR, NCB
616. SHRI ANIL KUMAR GAYNAR, DEPUTY SUPERINTENDENT, NCRB
617. SHRI AMIT KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NIA
618. SHRI RAJESH KUMAR, INSPECTOR, NIA
619. SHRI SENTHIL KUMAR VENKATESAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA
620. SHRI SACHIN ASHOK BHALODE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RPF
621. SHRI SANTHARAM VENKATA SRIDHAR PENTAKOTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RPF
622. SHRI A IBRAHIM SHERIFF, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RPF
623. SHRI SUNIL CHAND, INSPECTOR, RPF
624. SHRI SRINIVASA RAO DONTHAGANI, INSPECTOR, RPF
625. SHRI CHANDERKANT TIWARI, INSPECTOR, RPF
626. SHRI KALU SETHI, INSPECTOR, RPF
627. SHRI DINESH CHOUDHARY, SUB INSPECTOR, RPF

628. SHRI UTTAM KUMAR BRAHMA, HEAD CONSTABLE, RPF
629. SHRI MAHMOOD HASAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
630. SHRI ALOK RANJAN MITRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
631. SHRI GURBINDER SINGH, SUB INSPECTOR, RPF
632. SMT. ASHA, HEAD CONSTABLE, RPF
633. SHRI RAVICHANDRAN PUTTUR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
634. SHRI ROHITASH ARYA, SUB INSPECTOR, RPF

FIRE SERVICE

635. SHRI JAY RAM BORO, DRIVER, ASSAM
636. SHRI JATINDRA NATH KALITA, SUB OFFICER, ASSAM
637. SHRI NASID ALI, STATION OFFICER, ASSAM
638. SHRI BIPUL KALITA, STATION OFFICER, ASSAM
639. SHRI GANESH DEKA, SQUAD COMMANDER, ASSAM
640. SHRI PRABIN CHANDRA DAS, STATION OFFICER, ASSAM
641. SHRI KESHAB CHANDRA KALITA, SUB OFFICER, ASSAM
642. SHRI SATISH KUMAR, FIREMAN, NCT OF DELHI
643. SHRI RAJENDER SINGH, LEADING FIREMAN, NCT OF DELHI
644. SHRI RAMESH KUMAR, LEADING FIREMAN, NCT OF DELHI
645. SHRI RAMNIWAS, LEADING FIREMAN, NCT OF DELHI
646. SHRI THAKAR DASS, STATION FIRE OFFICER, HIMACHAL PRADESH
647. SHRI THIPPESWAMY G, DEPUTY DIRECTOR, KARNATAKA
648. SHRI SOORAJ S, DISTRICT FIRE OFFICER, KERALA
649. SHRI PREMAN P C, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
650. SHRI SALI K T, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
651. SHRI SEBASTIAN V, STATION OFFICER, KERALA
652. SHRI BABU P K, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
653. SHRI LALBIAKHNUNA, FIREFIGHTER, MIZORAM
654. SHRI PRASANTA KUMAR SAHOO, LEADING FIREMAN, ODISHA
655. SHRI BISWARANJAN BHOI, LEADING FIREMAN, ODISHA
656. SHRI ABHIMANYU PRADHAN, LEADING FIREMAN, ODISHA
657. SHRI NAGENDRA KUMAR BHAL, LEADING FIREMAN, ODISHA
658. SHRI BISHNU BHAKTA SHARMA, ASSISTANT SUB FIRE OFFICER, SIKKIM
659. SHRI VENKATESWARA RAO MORUBOYNA, LEADING FIREMAN, TELANGANA
660. SHRI SUBBAIAH CHAVALA, LEADING FIREMAN, TELANGANA
661. SHRI JANARDHAN KARUKOORI, LEADING FIREMAN, TELANGANA
662. SHRI UDAYBHAN SINGH, LEADING FIREMAN, UTTAR PRADESH
663. SHRI LOKENDRA SINGH, FIREMAN, UTTAR PRADESH
664. SHRI GAZAFFAR ABBAS, FIREMAN, UTTAR PRADESH
665. SHRI RAJEEV KUMAR PANDEY, CHIEF FIRE OFFICER, UTTAR PRADESH
666. SHRI SANJEEV KUMAR SINGH, FIRE STATION OFFICER, UTTAR PRADESH

667. SHRI RAM PRASAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
668. SHRI AWADHESH KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT (FIRE), CISF
669. SHRI PREM CHAND SHARMA, ASSISTANT COMMANDANT (FIRE), CISF
670. SHRI VIJENDER YADAV, INSPECTOR (FIRE), CISF
671. SHRI RANDHIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (FIRE), CISF

HOME GUARD & CIVIL DEFENCE

672. SHRI BHUBAN KALITA, PLATOON COMMANDER, ASSAM
673. SHRI UTPAL GHOSH, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ASSAM
674. SHRI DEEPANKAR BORGOHAIN, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ASSAM
675. SHRI MAHESH KUMAR MISHRA, SAINIK, CHHATTISGARH
676. SHRI VIKASHBHAI RAMKRUSHAN PATIL, OFFICER COMMANDING, GUJARAT
677. MISS GITABEN SAVJIBHAI GOHIL, PLATOON COMMANDER, GUJARAT
678. SHRI TULSIBHAI ALABHAI ZALA, HAVALDAR, GUJARAT
679. SHRI JALAMBHAI VASHRAMBHAI MAKWANA, DIVISIONAL WARDEN, GUJARAT
680. SHRI JAYESH DEVJIBHAI VEGADA, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
681. SHRI NANDUBHAI BABABHAI PATEL, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
682. SHRI DINESH KUMAR, COMPANY COMMANDER, HIMACHAL PRADESH
683. SHRI BUDH RAJ, PLATOON COMMANDER, HIMACHAL PRADESH
684. DR. MATHEW VARUGHESE, OFFICER COMMANDING TRAINING SERVICE, KARNATAKA
685. SHRI MOHAMMED AZEEMULLA, DIVISIONAL WARDEN, KARNATAKA
686. SHRI ISMAIL MOHAMMED MIRZA, DIVISIONAL WARDEN, KARNATAKA
687. SHRI NINGARAJU P, SENIOR PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
688. SHRI BABURAO B E, COMPANY QUARTER MASTER SERGEANT, KARNATAKA
689. SHRI CHANDER SINGH CHANDERIA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
690. SHRI SANJEEV KUMAR SHARMA, SAINIK VOLUNTEER, MADHYA PRADESH
691. SHRI SANJIB KUMAR NAYAK, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA
692. SHRI GHANSHYAM SINGH, DEPUTY COMMANDANT, RAJASTHAN
693. SHRI MANTHRI ESHWARAIAH, HOME GUARD, TELANGANA
694. SHRI MEDIPALLI YADAGIRI, HOME GUARD, TELANGANA
695. SHRI KOMATI LAXMAN, HOME GUARD, TELANGANA
696. SHRI KALLEMLA AYILAIAH, HOME GUARD, TELANGANA
697. SHRI ROISIAMA DARLONG, HOME GUARD, TRIPURA
698. SHRI NAIYYAR ALAM SIDDIQUI, DIVISIONAL WARDEN, UTTAR PRADESH
699. SHRI SAURABH SINGH, STAFF OFFICER, UTTAR PRADESH
700. SHRI RAMAN SAXENA, STAFF OFFICER, UTTAR PRADESH
701. SHRI KASHMIR SINGH, DEPUTY CONTROLLER, UTTAR PRADESH
702. SHRI NIRAJ SRIVASTAVA, ASSISTANT DEPUTY CONTROLLER, UTTAR PRADESH
703. SHRI GIRISH JOSHI, PLATOON SARGENT, UTTARAKHAND
704. SHRI DHARM SINGH NEGI, PLATOON COMMANDER, UTTARAKHAND
705. SMT K. KALAI CHELVI, HOME GUARD-413, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

706. SHRI RIYAZ AHMAD MIR, DIVISIONAL WARDEN, JAMMU & KASHMIR

707. SHRI RAJESH KUMAR SRIVASTAVA, DY. CHIEF WARDEN, MINISTRY OF RAILWAYS

708. SHRI B RAMANA, TM-II/CDV, MINISTRY OF RAILWAYS

709. SHRI SHIV NATH SRIVASTAVA, CIVIL DEFENCE INSPECTOR, MINISTRY OF RAILWAYS

710. SHRI DHARMESH CHANDRA SRIVASTAVA, CHIEF CIVIL DEFENCE INSPECTOR, MINISTRY OF RAILWAYS

CORRECTIONAL SERVICE

711. SHRI KADALI ARJUNA RAO, CHIEF HEAD WARDER, ANDHRA PRADESH

712. SHRI UNDRAJAVARAPU VEERA VENKATA SATYANARAYANA, WARDER, ANDHRA PRADESH

713. SHRI DHAL SINGH KOSRE, PHARMACIST GRADE-2, CHHATTISGARH

714. SHRI HUKAM CHAND, DEPUTY SUPERINTENDENT, HARYANA

715. SHRI DEEPAK KUMAR, HEAD WARDER, HARYANA

716. SHRI BHIM SINGH, WARDER, HARYANA

717. SHRI KULDEEP PATHAN, WARDER, HARYANA

718. SHRI RAJEEV T R, SUPERINTENDENT, KERALA

719. SHRI UDAYAKUMAR V, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA

720. SHRI RADHAKRISHNAN M, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA

721. SHRI SHAJI C, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA

722. SHRI UNNIKRISHNAN P, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR-I, KERALA

723. MS. BHARTI RATHORE, ASSISTANT GRADE-II, MADHYA PRADESH

724. SHRI RAJROOP SINGH MARKO, HEAD WARDER, MADHYA PRADESH

725. SHRI LOKESH UDEY, WARDER, MADHYA PRADESH

726. SHRI VIMAL KUMAR SINGH, WARDER, MADHYA PRADESH

727. SHRI KAILASH KARMA, WARDER, MADHYA PRADESH

728. SHRI VIVEK VASANT ZENDE, ADDITIONAL SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA

729. SHRI AHMAD SHAMSHUDDIN MANER, HAVILDAR, MAHARASHTRA

730. SHRI GANESH MAHADEO GAIKWAD, HAVILDAR, MAHARASHTRA

731. SHRI PRALHAD DATTATRAY KUDALE, HAVILDAR, MAHARASHTRA

732. SHRI TULSHIRAM KASHINATH GORVE, HAVILDAR, MAHARASHTRA

733. SHRI KUANR MARNDI, SENIOR SUPERINTENDENT, ODISHA

734. SMT. SUCHITRA DAS, SUPERINTENDENT, ODISHA

735. SHRI K. JOTHIRAMALINGAM, CHIEF HEAD WARDER, TAMIL NADU

736. SHRI A. KALIAPPAN, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU

737. SHRI M. K. SARAVANAN, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU

738. SHRI K KANNAN, CHIEF HEAD WARDER, TAMIL NADU

739. SHRI SATYA PRAKASH, JAIL SUPERINTENDENT, UTTAR PRADESH

740. SHRI RAJ KUMAR, JAILOR, UTTAR PRADESH

741. SHRI MUNNA LAL SUMAN, HEAD JAIL WARDER, UTTAR PRADESH

742. SHRI DILSHAD HUSAIN, HEAD JAIL WARDER, UTTAR PRADESH

743. SHRI SHAILENDRA KUMAR, JAIL WARDER, UTTAR PRADESH

744. SHRI MANOJ KUMAR SINGH, JAIL WARDER, UTTAR PRADESH

745. SHRI VIJAY KUMAR, SECTION OFFICER, JAMMU & KASHMIR

746. SHRI NAZIR AHMAD SHEIKH, WARDER, JAMMU & KASHMIR

2. The Medal for Meritorious Service (MSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 87-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S. M. SAMI
Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 7th April 2025

No. 10-3/2025-U.3(A)—Whereas, Homi Bhabha National Institute (Institution deemed to be University), Mumbai had uploaded its application on UGC Portal to start an off-campus Centre at Plot No. 1, Medicity, New Chandigarh, District – SAS Nagar (Mohali), Punjab as per the UGC (Institutions deemed to be Universities) Regulations, 2023.

2. And whereas, UGC, vide its letter No. 30-6/2024 (CPP-I/DU) dated 02.01.2025, informed that the Chairman, UGC constituted a Standing Committee to examine the application. The Committee, after presentation of the Institution and based on the documents submitted, recommended for issuance of Letter of Intent (LoI) to Homi Bhabha National Institute, Mumbai with certain conditions.

3. And whereas, the Ministry, on the advice of UGC, issued Letter of Intent (LoI) dated 21.01.2025 to Homi Bhabha National Institute, Mumbai for fulfillment of the certain conditions within a period of 3 years before starting of off-campus at Plot No. 1, Medicity, New Chandigarh, District – SAS Nagar (Mohali), Punjab.

4. And further whereas, Vice Chancellor, Homi Bhabha National Institute, Mumbai, vide his letter dated 18.02.2025, submitted compliance report in respect of fulfillment of the conditions of the LoI. The same was forwarded to UGC for verification and further advice. UGC, vide letter No. F. 30-6/2024 (CCPP-I/DU) dated 18.03.2025, conveyed that the compliance report was accepted by the Standing Committee.

5. Now, therefore, in exercise of the powers conferred under Section 3 of the UGC Act, 1956, the Ministry of Education, on the advice of UGC, hereby accords approval to Homi Bhabha National Institute, Mumbai to start an off-campus Centre at Plot No. 1, Medicity, New Chandigarh, District – SAS Nagar (Mohali), Punjab with condition that the students shall be admitted in the professional courses only after approval of relevant statutory councils.

6. Homi Bhabha National Institute, Mumbai shall abide by all other conditions mentioned in the earlier Notification(s) of this Ministry as well as provisions of the Rules / Regulations of UGC and other Statutory Councils, issued from time to time.

PURNENDU KISHORE BANERJEE
Joint Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित़
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

KSHITIZ MOHAN Digitally signed by KSHITIZ MOHAN Date: 2025.04.26 11:14:16 +05'30'